www.navpradesh.com

दैनिक **नवप्रदेश**

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 9 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, रविवार, 30 अगस्त 2026 कृष्ण पक्ष-द्वितीया, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 138 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

नवप्रदेश विशेष

कुदरत के रंगों से सजा 'छत्तीसगढ़'

मैकल पर्वत श्रृंखला से 121 फीट नीचे गिर रहा पानी, दूर तक गूंजती है झरने की आवाज

■ **मानसून में जीवंत हुआ कबीधाम जिले का मांदाघाट जलप्रपात**

कवर्धा/नवप्रदेश। मानसून की बारिश के साथ ही मैकल पर्वत श्रृंखला का मांदाघाट एक बार फिर सफेद जलधाराओं से जीवंत हो उठा है। घने जंगल, ऊंची-नीची पहाड़ियां और चट्टानों के बीच करीब 121 फीट की ऊंचाई से गिरता जलप्रपात इन दिनों प्रकृति प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पहाड़ की ऊंचाई से तेज रफ्तार में नीचे गिरते पानी की आवाज काफी दूर तक सुनाई देती है, वहीं चट्टानों से टकराकर बिखरती पानी की बूंदें इस पूरे क्षेत्र की खूबसूरती को और बढ़ा देती हैं।

एक नहीं, तीन बरसाती झरने

मांदाघाट की खासियत यह है कि यहां एक नहीं बल्कि तीन बरसाती झरने दिखाई देते हैं। इनमें से दो झरनों तक अपेक्षाकृत आसानी से पहुंचा जा सकता है, लेकिन करीब 121 फीट ऊंचे मुख्य जलप्रपात तक पहुंचने के लिए फिलहाल कोई सुरक्षित रास्ता नहीं है। ऊंची चट्टानों और दुर्गम पहाड़ी भू-भाग के कारण मुख्य झरने के करीब जाना जोखिम भरा हो सकता है। मानसून के दौरान चट्टानों पर काई और फिसलन बढ़ जाती है। इसके अलावा जलप्रपात में पानी का बहाव भी तेज रहता है। ऐसे में रोमांच के लिए मुख्य जलधारा के बेहद करीब जाना हादसे का कारण बन सकता है। प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेते समय पर्यटकों को सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना जरूरी है।

धसकुड़ जलप्रपात

महासमुंद/नवप्रदेश। घने जंगलों के बीच 120 फीट की ऊंचाई से गिरता धसकुड़ जलप्रपात बना आकर्षण का केंद्र, चट्टानों से टकराकर कल-कल बहता झरने का पानी इन दिनों पर्यटकों को अपनी ओर खींच रहा है। महासमुंद जिला मुख्यालय से करीब 48 किलोमीटर दूर स्थित यह जलप्रपात बारिश के मौसम में प्राकृतिक सौंदर्य की अनुपम छटा बिखेर रहा है।

चित्रकोट जलप्रपात

मिनी नियाग्रा चित्रकोट का बदला रूप 90 फीट की गहराई अब महज 5 फीट

जगदलपुर/नवप्रदेश। भारत के नियाग्रा के नाम से प्रसिद्ध बस्तर का चित्रकोट जलप्रपात इन दिनों अपने सबसे मनमोहक और रोमांचकारी रूप में नजर आ रहा है। घोड़े की नाल के आकार में फैला यह विश्वप्रसिद्ध जलप्रपात सामान्य दिनों में करीब 90 फीट की ऊंचाई से इंद्रावती नदी की धाराओं को नीचे गिरते देखना अपने आप में अद्भुत अनुभव है, लेकिन बारिश के मौसम में बढ़े जलप्रवाह ने इसकी तस्वीर ही बदल दी है। जलप्रवाह इतना अधिक है कि पानी गिरने की ऊंचाई अब कई स्थानों पर महज 5 से 10 फीट जैसी दिखाई दे रही है।

खूबसूरती में चार चांद

इंद्रावती के बढ़े जलस्तर ने चित्रकोट की खूबसूरती में चार चांद लगा दिए हैं। बारिश के इस मौसम में यहां पहुंचने वाले पर्यटकों को जलप्रपात का ऐसा रूप देखने को मिल रहा है, जो सामान्य दिनों से बिल्कुल अलग है।

प्रकृति का अद्भुत रंग

बारिश के बाद चित्रकोट के आसपास की पहाड़ियां और जंगल घने हरे रंग से ढक गए हैं। इंद्रावती की विशाल जलराशि के बीच सफेद फेन उगलती धाराएं दूर से बेहद आकर्षक दिखाई देती हैं। यह मन को मोह रही है।

आज बेबाक

जब भी कोई बड़ा चुनाव आता है राजनीतिक पार्टियों को युवाओं और महिलाओं के हितों की चिंता सताने लगती है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच आधी आबादी का पूरा समर्थन पाने की होड़ लग गई है। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने महिलाओं को चालीस हजार सालाना देने की घोषणा की तो वहां के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पचास हजार सालाना देने के साथ ही पैंसठ साल से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा का एलान कर दिया। देख लेना कांग्रेस एक लाख महीना देने की घोषणा करेगी।

गरमा-गरम

पुलिसकर्मियों समेत कई लोग घायल, दर्जनों वाहन क्षतिग्रस्त, पुलिस बल तैनात

खपरगंज में व्यक्तिगत विवाद से भड़का बवाल, दो पक्षों में पथराव

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र का खपरगंज मोहल्ला शुक्रवार को उस समय तनाव की चपेट में आ गया, जब दो व्यक्तियों के बीच शुरू हुआ व्यक्तिगत विवाद देखते ही देखते बड़ा विवाद बन गया। कुछ ही देर में दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और स्थिति इतनी बिगड़ गई कि दोनों ओर से जमकर पथराव शुरू हो गया। पथराव के कारण इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना में तीन-चार पुलिसकर्मियों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। वहीं भीड़ में मौजूद कुछ लोग भी पत्थरबाजी की चपेट में आए। उपद्रव के दौरान सड़क किनारे खड़े कई दोपहिया और चारपहिया वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए।

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस ने तत्काल मोर्चा संभाला। खपरगंज तथा आसपास के संवेदनशील इलाकों में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए प्रशासन ने क्षेत्र में धारा 144 लागू कर दी है। पुलिस की मौजूदगी से पूरे इलाके का माहौल फिलहाल शांत है, लेकिन एहतियात के तौर पर लगातार गश्त ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पुलिस पर भी बरसे पत्थर

स्थिति नियंत्रित करने पहुंची पुलिस टीम भी पथराव की चपेट में आ गई। पत्थर लगने से तीन-चार पुलिसकर्मियों को चोटें आई हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के दौरान कुछ अन्य लोग भी पत्थरबाजी में घायल हुए। अचानक हुए पथराव से कुछ समय के लिए पूरे क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। सड़क और आसपास खड़े कई दोपहिया तथा चारपहिया वाहनों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना है।

उपद्रवियों की पहचान में जुटी पुलिस

पुलिस अब दोनों पक्षों से पथराव और उपद्रव में शामिल लोगों की पहचान करने में जुट गई है। मौके पर मौजूद लोगों, प्रत्यक्षदर्शियों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा और दोनों पक्षों के दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

खपरगंज बना पुलिस छावनी

तनाव को देखते हुए खपरगंज क्षेत्र को पूरी तरह पुलिस सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है। प्रमुख मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त जवान तैनात किए गए हैं। पुलिस की टीमें लगातार पेट्रोलिंग कर रही हैं। प्रशासन भी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। पुलिस और प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने, किसी भी अफवाह पर भरोसा नहीं करने और सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा भड़काऊ सामग्री प्रसारित नहीं करने की अपील की है। प्रशासन की प्राथमिकता इलाके में शांति और सामान्य स्थिति बनाए रखना है।

सभा, जुलूस और हथियार लेकर निकलने पर प्रतिबंध

जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर संजय अग्रवाल ने 28 अगस्त 2026 को आदेश जारी कर क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किया है। यह आदेश आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा।

यह एक 'अपराध' है, प्रधानमंत्री मोदी दर्ज कराएं एफआईआर : राहुल गांधी

■ **हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के शुद्धिकरण को लेकर राहुल का हमला**

नई दिल्ली/ए.। उत्तराखंड के हल्द्वानी में मल्लिकार्जुन खरगे के सभा स्थल पर शुद्धीकरण के मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।

राहुल गांधी ने इसे एक 'अपराध' करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कराने की मांग की ■ शेष पृष्ठ 8 पर

न्याय सरकार की जिम्मेदारी

राहुल गांधी ने उत्तराखंड सरकार और केंद्र सरकार दोनों से कांग्रेस अध्यक्ष के लिए न्याय की मांग की। उन्होंने कहा कि यह केंद्र और राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे सुनिश्चित करें कि खरगे को न्याय मिले। देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई चल रही है, एक संविधान की विचारधारा और दूसरी भाजपा-आरएसएस की विचारधारा।'

'शुद्धिकरण' कार्यक्रम का जिक्र

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को खरगे की रैली वाली जगह पर हुए 'शुद्धिकरण' कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक अपराध है। राहुल गांधी ने मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस पूरे मामले में तुरंत प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश देना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह घटना भाजपा और आरएसएस की दलित विरोधी मानसिकता को साफ दर्शाती है। वे नहीं चाहते कि दलित समुदाय के लोग आगे बढ़ें, समाज में सम्मान के साथ जिएं और सफलता हासिल करें।

पेपर लीक रोकने परीक्षा सिस्टम बदलने की तैयारी

■ **नीलेकणि टास्क फोर्स ने लोगों से सुझाव मांगे, 13 सितंबर तक दे सकेंगे राय**

नई दिल्ली/ए.। केंद्र सरकार की छह सदस्यीय हाई-पावर्ड टास्क फोर्स ने सार्वजनिक परीक्षाओं में व्यापक सुधार के लिए लोगों से सुझाव मांगे हैं। छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिक संगठनों से भी राय मांगी गई है। इंफोसिस के सह-संस्थापक ■ शेष पृष्ठ 8 पर

13 सितंबर तक दे सकते हैं सुझाव

सुझाव 13 सितंबर तक अंग्रेजी, हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओं में दिए जा सकते हैं। इसके लिए सरकार ने वेबसाइट, फोन, वॉट्सऐप और ईमेल के जरिए सुझाव भेजने की व्यवस्था की है। सुझाव examreforms-taskforce.dopt.gov.in पर भेजे जा सकते हैं। इसके अलावा 1800-180-4747 पर फोन करके या 7827042830 पर वॉट्सऐप में 'hptf' लिखकर भी राय दी जा सकती है। इन सुझावों के आधार पर टास्क फोर्स सरकार को परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए अपनी सिफारिशें देगी।

ज्यादा शक्कर-तेल वाली खाने-पीने की चीजों पर लगेगी चेतावनी

■ **पैकेट पर लाल रंग का षटकोण बनाया जाएगा, एफएसएसएआई का सुप्रीम कोर्ट को प्रस्ताव**

नई दिल्ली/ए.। खाने-पीने के किसी पैक सामान में अगर नमक-शकर या सैचुरेटेड फैट की मात्रा लिमिट से ज्यादा हुई तो पैकेट पर षटकोण लाल निशान होगा। चेतावनी भी लिखी होगी। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने यह प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट में पेश किया है। इसका मकसद ऐसे फूड आइटम को लेकर लोगों को सावधान करना है।

■ शेष पृष्ठ 8 पर

चैरिटेबल ट्रस्ट की याचिका पर एक्शन

3एस एंड अवर हेल्थ सोसाइटी नाम के एक पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर डिब्बा बंद या पैकेट वाले खाने पर अनिवार्य वार्निंग लेबल लगाने की मांग की थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने एफएसएसएआई को नियमों में देरी के लिए फटकार लगाई थी और पूछा था कि क्या सरकार नहीं चाहती कि उसके लोग स्वस्थ रहें?

आयोजन : मुख्यमंत्री निवास में रक्षाबंधन का उल्लास, विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचीं माताओं-बहनों ने सीएम को बांधी राखी

बहनों का स्नेह और आशीर्वाद मेरे लिए अनमोल: साय

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री निवास में आज रक्षाबंधन का पर्व आत्मीयता, स्नेह और उल्लास के वातावरण में मनाया गया। समाज के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचीं माताओं-बहनों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें अपना स्नेह और आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी बहनों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि बहनों का यह स्नेह उनके लिए अनमोल है और उनका आशीर्वाद प्रदेश की सेवा के संकल्प को और मजबूत करता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट स्नेह, विश्वास और आत्मीयता का पावन पर्व है। बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसके सुखद और मंगलमय जीवन की कामना करती है, वहीं भाई अपनी बहन के सम्मान, सुरक्षा और सुख-दुःख में सदैव साथ खड़े रहने का संकल्प लेता है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'मेरे लिए यह बड़े सौभाग्य का दिन है कि समाज के अलग-अलग क्षेत्रों से आप सभी बहनें रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार मनाने मुख्यमंत्री निवास आई हैं। आप सभी का स्नेह और आशीर्वाद मुझे प्रदेश की माताओं-बहनों के कल्याण के लिए और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। '

कार्यक्रम में स्वर्गीय कर्नल अशोक कुमार दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती सरला दुबे ने मुख्यमंत्री श्री साय को राखी बांधी। इस आत्मीय क्षण का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय कर्नल अशोक कुमार दुबे सेना में शामिल होने वाले छत्तीसगढ़ के पहले जवान थे। उनकी धर्मपत्नी श्रीमती दुबे से राखी बंधवाना उनके लिए विशेष रूप से भावुक और गौरवपूर्ण क्षण है। कार्यक्रम में प्रजापिता ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अमेरिका ने वेनेजुएला का 65 अरब बैरल तेल कब्जाया

■ **यह भारत की 40 साल की जरूरत के बराबर, ट्रम्प बोले- इतिहास की सबसे बड़ी डील**

वॉशिंगटन डीसी/ काराकस/ ए.। अमेरिका ने वेनेजुएला के 65 अरब बैरल से ज्यादा तेल भंडार पर कंट्रोल हासिल करने के लिए एक समझौता किया है। यह आंकड़ा इसलिए भी बड़ा है, क्योंकि अमेरिका के पास खुद करीब 46 अरब बैरल तेल है। भारत से तुलना करें तो देश हर साल करीब 1.6 से 1.7 अरब बैरल कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। इस हिसाब से 65 अरब बैरल तेल भारत के 40 साल के ऑयल इम्पोर्ट के बराबर है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, यह काम वेनेजुएला में काम करने वाली एक निजी कंपनी के साथ मिलकर किया जाएगा। इस साझेदारी से निकलने वाले तेल में अमेरिका को 55% हिस्सा मिलेगा। हालांकि, इस निजी कंपनी का नाम अभी नहीं बताया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल ■ शेष पृष्ठ 8 पर

एग्रीस्टैक पंजीयन को लेकर जिले में अभियान तेज, कलेक्टर ने ग्राम बनबागौद पहुंचकर किया निरीक्षण

धमतरी/नवप्रदेश। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और किसान हितैषी बनाने के उद्देश्य से जिले में एग्रीस्टैक पंजीयन अभियान को गति दी जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने ग्राम बनबागौद पहुंचकर एग्रीस्टैक पंजीयन कार्य का मैदानी निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों के भूमि अभिलेख, खसरा विवरण, सहखातेदारों के पंजीयन तथा लंबित प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली और संबंधित मैदानी अमले को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि प्रत्येक खातेदार के नाम दर्ज सभी खसरों तथा सभी सहखातेदारों का एग्रीस्टैक पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। जिन किसानों का पंजीयन अभी लंबित है, उनसे व्यक्तिगत संपर्क कर प्रक्रिया

पूर्ण कराने के लिए आवश्यक सहयोग दिया जाए। उन्होंने ग्रामवार प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा जिन क्षेत्रों में पंजीयन की गति अपेक्षाकृत कम है, वहां विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए।

धान विक्रय के लिए एग्रीस्टैक पंजीयन महत्वपूर्ण: खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में एग्रीस्टैक में पंजीकृत कृषकों से ही धान खरीदी की जाएगी। ऐसे में किसान के खाते में दर्ज प्रत्येक खसरे और सभी सहखातेदारों का पंजीयन पूर्ण होना आवश्यक है। प्रशासन द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे अंतिम समय की भीड़ और किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए समय रहते अपना पंजीयन पूर्ण कराएं।एग्रीस्टैक के माध्यम से किसान और उसकी भूमि से संबंधित जानकारी डिजिटल रूप से एकीकृत होगी। इससे भूमि एवं फसल संबंधी विवरण के सत्यापन, पात्र किसानों की पहचान तथा धान खरीदी सहित विभिन्न कृषि एवं किसान हितैषी योजनाओं के प्रभावी

लंबित पंजीयन समयबद्ध पूरा करने के दिए निर्देश

क्रियान्वयन में सुविधा होगी। भविष्य में योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक अधिक सुगमता और पारदर्शिता के साथ पहुंचाने में भी यह व्यवस्था उपयोगी साबित होगी।

सोसायटी और सीएससी में पंजीयन की सुविधा

किसानों की सुविधा के लिए संबंधित सहकारी समितियों और कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) में एग्रीस्टैक पंजीयन की व्यवस्था की गई है। पंजीयन प्रक्रिया ओटीपी आधारित है। इसमें खातेदार के आधार लिंक मोबाइल नंबर पर तीन बार ओटीपी प्राप्त होती है। इसलिए किसानों को पंजीयन के समय आधार से लिंक मोबाइल नंबर साथ रखना आवश्यक है।पंजीयन के लिए किसान आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर, भूमि संबंधी दस्तावेज तथा किसान किताब/किसान पुस्तिका साथ लेकर संबंधित केंद्र पर जाएं।

किसी प्रकार की त्रुटि या भूमि संबंधी विवरण में अंतर पाए जाने पर संबंधित राजस्व अमले से समन्वय कर उसका निराकरण कराया जा सकता है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने किसानों से अपील की है कि वे अपने खाते में दर्ज प्रत्येक खसरे और सभी सहखातेदारों का एग्रीस्टैक पंजीयन जल्द से जल्द पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि समय पर पंजीयन होने से धान विक्रय के समय अनावश्यक परेशानी से बचा जा सकेगा और खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी की प्रक्रिया अधिक सुचारू एवं पारदर्शी रूप से संपादित की जा सकेगी।जिला प्रशासन ने किसानों से यह भी आग्रह किया है कि वे अपने भूमि अभिलेख एवं मोबाइल नंबर से संबंधित जानकारी पहले से जांच लें।

विशेष श्रेणी के किसानों को भी एग्रीस्टैक से जोड़ा जा रहा

इस वर्ष एग्रीस्टैक पंजीयन का दायरा बढ़ाया गया है। पिछले वर्ष वनाधिकार मान्यता पत्रधारी, डूबान भूमिधारक, शासकीय पट्टेधारक, शासकीय भूमि पर खेती करने वाले कृषक, संस्थागत कृषक, कोटवार तथा रेगहा-अधिया कृषकों सहित 25,810 कृषकों को एग्रीस्टैक पंजीयन से छूट प्राप्त थी। इस वर्ष इन श्रेणियों को भी एग्रीस्टैक व्यवस्था से जोड़ा जा रहा है। विशेष रूप से रेगहा-अधिया पर खेती करने वाले लघु एवं सीमांत कृषकों का भी पंजीयन कराया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक कृषकों को डिजिटल कृषि व्यवस्था से जोड़ा जा सके। वर्तमान में विशेष श्रेणी के 1,262 कृषकों के 12,130 खसरों का पंजीयन शेष है।

लंबित प्रकरणों के निराकरण पर विशेष जोर

जिले में एग्रीस्टैक पंजीयन को गति देने के लिए अनुभाग, तहसील और ग्राम स्तर पर जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। पटवारी, राजस्व निरीक्षक, आरएईओ, एसएडीओ, समिति सचिव, रोजगार सहायक और कोटवार सहित मैदानी अमले को लंबित पंजीयन पूर्ण कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।प्रशासन द्वारा शेष 73,823 बकेटिंग क्लेम तथा विशेष श्रेणी के लंबित 12,130 खसरों को समयबद्ध तरीके से एग्रीस्टैक से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए ग्रामवार प्रगति की निगरानी की जा रही है तथा आवश्यकतानुसार संबंधित विभागों के मैदानी अमले के बीच समन्वय स्थापित किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

राखियों में सजा भाई-बहन का प्रेम, पोस्टरों में दिखी भारतीय संस्कृति की झलक

धमतरी। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर ज्ञान अमृत इंग्लिश हाईस्कूल धमतरी में विद्यार्थियों के बीच भारतीय संस्कृति, भाई-बहन

के पवित्र प्रेम एवं आपसी स्नेह की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'राखी बनाओ एवं पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता' तथा राखी बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए विभिन्न रंगों, मोतियों, धागों एवं सजावटी सामग्रियों का उपयोग कर आकर्षक एवं सुंदर राखियों का निर्माण किया। वहीं विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन की भावना और भाई-बहन के प्रेम को दर्शाते हुए सुंदर एवं संदेशपरक पोस्टर भी तैयार किए। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मकता, कलात्मक अभिव्यक्ति, सहयोग की भावना तथा भारतीय पर्व-परंपराओं के प्रति सम्मान विकसित करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अगले चरण में छात्राओं ने अपने सहपाठी छात्रों की कलाई पर उनके द्वारा बनाई गई हस्तनिर्मित राखियां बांधीं।

कृषि सेवा केंद्र से दिनदहाड़े 11 हजार पार

महासमुंद। झलप स्थित श्रीराम कृषि सेवा केंद्र में दिनदहाड़े चोरी की घटना से हड़कंप मच गया। अज्ञात चोर दुकान के कैश काउंटर से 11 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गया। शिकायत पर पटेवा पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ग्राम कोलपदर निवासी दुकान संचालक दिगम्बर पटेल (35) ने बताया कि 27 अगस्त की दोपहर करीब 1 से 1:15 बजे के बीच अज्ञात व्यक्ति दुकान में दाखिल हुआ। इसी दौरान उसने कैश काउंटर में रखे 11 हजार रुपये निकाल लिए और मौके से फरार हो गया। रकम गायब होने की जानकारी मिलने पर दुकान संचालक ने पुलिस को सूचना दी। शिकायत के आधार पर पटेवा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 305(ए) और 331(4) के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान में जुटी है।

श्रावण मास के रुद्राभिषेक व हवन-पूजन की पूर्णाहुति

महासमुंद। विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा परिवार द्वारा आयोजित एक माह तक चले रुद्राभिषेक एवं हवन-पूजन कार्यक्रम का शनिवार को श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर पूर्णाहुति के साथ समापन हुआ। धार्मिक आयोजन के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रुद्राभिषेक एवं हवन-पूजन में शामिल होकर पुण्यलाभ प्राप्त किया।

आयोजन के अंतिम चरण में शुक्रवार को सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण कर विधि-विधान से रुद्राभिषेक किया गया। इसके बाद सवा लाख बत्तियों से भव्य महाआरती हुई। विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा परिवार सहित पूजा-अर्चना में शामिल हुए। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता की।

कांग्रेस संगठन की सतत प्रक्रिया, जनता के बीच रहकर ही मजबूत होता है जनसंपर्क

चुनाव में सीनियर नेताओं को दखल नहीं देना चाहिए : टीएस सिंहदेव

■ बिलासपुर हिंसा पर जताई चिंता, कहा—समय रहते पुलिस को स्थिति नियंत्रित करनी चाहिए थी

जगदलपुर/नवप्रदेश। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव शनिवार को अपने दो दिवसीय प्रवास पर जगदलपुर पहुंचे। मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने कांग्रेस के संभाग स्तरीय प्रशिक्षण शिविर,यूथ कांग्रेस चुनाव और बिलासपुर में हुई मारपीट की घटना को लेकर अपनी बात रखी। सिंहदेव 30 अगस्त को जगदलपुर के गणपति रिसोर्ट में आयोजित कांग्रेस के संभाग स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल होंगे।

संगठनात्मक प्रशिक्षण को लेकर उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण एक सतत प्रक्रिया है, जो निरंतर चलती रहनी चाहिए। इसका मूल उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों से संपर्क स्थापित करना और लगातार जनता के बीच बने रहना है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का जनता से सीधा संवाद संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसका लाभ निश्चित रूप से मिलता है।

बिलासपुर की घटना बताया दुर्भाग्यपूर्ण

बिलासपुर में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट की घटना पर पूर्व उप मुख्यमंत्री ने चिंता जताते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की हिंसा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से घटना को देखने की बात कहते हुए कहा कि मौके पर पुलिस की उपस्थिति नजर नहीं आ रही थी। उनका कहना था कि पुलिस को समय रहते हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित करने की आवश्यकता थी।

घंटे के भीतर मामल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टीएस सिंहदेव ने प्रशिक्षण को केवल औपचारिक गतिविधि मानने के बजाय संगठनात्मक मजबूती का निरंतर माध्यम बताया। उनके अनुसार कार्यकर्ताओं का लोगों से सीधा जुड़ाव और लगातार संवाद ही राजनीतिक संगठन की वास्तविक ताकत है।

यूथ कांग्रेस चुनाव को लेकर सिंहदेव ने स्पष्ट कहा कि यह चुनाव युवाओं का है,इसलिए इसमें वरिष्ठ नेताओं को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हाईकमान की ओर से भी संकेत मिले हैं कि यूथ कांग्रेस के चुनाव में बड़े नेताओं को हस्तक्षेप नहीं करना है।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों शामिल हुई जिला पंचायत उपाध्यक्ष

■ धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हुई शामिल

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। जिला पंचायत उपाध्यक्ष किरण साहू ने अपने क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होकर ग्रामीणों और महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम जटकनहार में आयोजित शिव मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होकर विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। ग्रामीणों एवं उपस्थित अतिथियों की मौजूदगी में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भगवान शिव जी की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुई। इसी क्रम में श्रीमती किरण साहू ग्राम मुसरा में आयोजित महाकाल की पालकी यात्रा में भी शामिल हुईं। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ धार्मिक आयोजन में सहभागिता की और क्षेत्रवासियों को धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके पश्चात लाल बहादुर नगर में आयोजित सावन उत्सव कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती किरण

साहू ने विशेष रूप से महिलाओं के बीच पहुंचकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने पूरे कार्यक्रम में महिलाओं के साथ सहभागिता निभाई तथा सावन पर्व की महत्ता पर प्रकाश डाला। श्रीमती साहू को अपने बीच पाकर महिलाओं में खासा उत्साह और खुशी देखने को मिली। उन्होंने महिलाओं के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी सहभागिता की।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू ने कहा कि ÷भगवान शिव जी की लीला अपरंपार है। सावन का पवित्र महीना भगवान शिव की आराधना और भक्ति का पर्व है। भगवान महाकाल का आशीर्वाद सदैव हम सभी पर बना रहे, यही हमारी कामना है।

सरपंच-सचिव पंचायत में नहीं बैठते, शिकायतों का नहीं हो रहा निराकरण

■ बैमचा में पेयजल, सफाई और खराब बोर की समस्या से ग्रामीण परेशान

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत बैमचा में सरपंच एवं सचिव के पंचायत में नियमित रूप से नहीं बैठने और ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण नहीं किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में शनिवार को छुट्टी होते हुए भी उपसरपंच एवं पंचगण ने जनपद पंचायत महासमुंद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) को लिखित शिकायत सौंपकर समस्याओं के शीघ्र निराकरण और दोषियों पर उचित कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत पत्र में सरपंच गुमान यादव एवं सचिव समीर बंजारे पर पंचायत में नहीं बैठने तथा ग्रामीणों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया गया है। उप

आय-जाति, विवाह, निवास व मृत्यु पंजीयन में परेशानी

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सरपंच-सचिव अपनी मनमानी करते हैं, जिसके कारण ग्राम पंचायत में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। आय, जाति, विवाह, निवास एवं मृत्यु पंजीयन जैसे कार्यों के लिए ग्रामीणों को हस्ताक्षर कराने के लिए बार-बार पंचायत के चक्कर लगाने पड़ते हैं। पंचायत के कार्यों में राशि निकालने और दस्तावेजों में अनियमितता का आरोप शिकायतकर्ताओं ने पंचायत के विभिन्न कार्यों के नाम पर राशि निकाले जाने तथा कार्य की वास्तविक स्थिति, बिल, वाउचर एवं संबंधित दस्तावेजों में अनियमितता बरते जाने का आरोप लगाया है।

सरपंच सुनीता कहार, वार्ड नंबर 1 के पंच चंद्रकांत चंद्राकर, रिकेशे यादव, चोवा बंजारे, चंद्रशेखर कोसरे, रजनीकांत ध्रुव, थनवार यादव, निर्मला निमर्मलकर, लक्ष्मी ध्रुव, पार्वती गांडा, रंगीता ध्रितलेहरे, संतोषी यादव, त्रिवेदी चंद्राकर, पिंकी चंद्राकर, दुखिन निर्मलकर, अमेरिका साहू के अनुसार गांव के विभिन्न स्थानों पर साफ-सफाई नहीं कराई जा रही है। वहीं पेयजल की समस्या भी बनी हुई है। शिकायत में बताया गया है कि गांव का बोर बंद हो गया है, लेकिन उसे अब तक ठीक नहीं कराया गया है।

खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना समाज की जिम्मेदारी : रामू रोहरा

■ मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस

धमतरी/नवप्रदेश। हॉकी के महान खिलाड़ी एवं भारत के खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ने वाले मेजर ध्यानचंद जी की जन्म जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला धमतरी द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस का भव्य आयोजन बाबू पंढरी राव कृदत्त इंडोर स्टेडियम, आमातालाब, धमतरी में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिक निगम धमतरी के महापौर श्री जगदीश रामू रोहरा रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर खेल जगत से जुड़े खिलाड़ियों,

प्रशिक्षकों एवं खेलप्रेमियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान जिले एवं प्रदेश का नाम विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में रोशन करने वाले राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। महापौर रामू रोहरा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। महापौर रामू रोहरा ने कहा कि मेजर ध्यानचंद जी का जीवन और खेल के प्रति उनका समर्पण आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास करता है। आज धमतरी जिले के युवा विभिन्न खेल विधाओं में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं, जो पूरे जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर, उचित प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

युवाओं को पढ़ाई के साथ-

आरंग में गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म उत्सव मना कर किया वृक्षारोपण

वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण पर दिया जोर पंद्रह ग्रामो के धर्म प्रेमी हुए सम्मिलित

धमतरी/नवप्रदेश। मानस शक्ति केंद्र अंगारा के अंतर्गत मानस ग्राम कसही में शक्ति केंद्र स्तरीय गोस्वामी तुलसीदास जी के जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन शक्ति केंद्र के मानस भवन में संपन्न हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ हिन्दू आस्था के प्रतिक श्री रामचंद्र जी एवं गोस्वामी तुलसीदास जी के पूजन अर्चन दीप प्रज्ज्वलन व श्री राम स्तुति से हुआ उक्त कार्यक्रम में वंदे मातरम महिला मानस मंडली ग्राम भेंडरवानी के कलाकारों द्वारा मानस गान का कार्यक्रम श्री राम चरित मानस के सुमरनी के साथ

किया गया उपस्थित अतिथि गणों द्वारा गोस्वामी तुलसीदास जी के जीवन पर उद्बोधन दिए गए शक्ति केंद्र के अध्यक्ष डॉ भूषण लाल चंद्राकर ने बताया कि गोस्वामी तुलसीदास जी के 22 रचनाए अध्यात्म धर्म दर्शन ज्ञान एवं विज्ञान का अमूल्य निधि है रामचरितमानस गोस्वामी जी के कालजयी कृति है जो सनातन संस्कृति का दिगदर्शन कराता है राजमानस संघ धमतरी के ओर से डॉक्टर लोकेश साहू एवं पुरुषोत्तम सेन अतिथि के रूप में मनचासन हुए और अपने उद्बोधनों के माध्यम से तुलसी के संदेश का वाचन किया शक्ति केंद्र के संरक्षक बी एस कश्यप चैन सिंह ध्रुववंशी श्रवण कोशरिया द्वारा अपने उद्बोधन के माध्यम से तुलसी के जीवन वृत्त को रेखांकित करने का प्रयास किया गया कार्यक्रम का संचालन उत्तम कुमार गंगवीर द्वारा किया गया सचिव महोदय डॉ हीरा सिंह साहू कोषाध्यक्ष कमलेश चंद्राकर के द्वारा शक्ति केंद्र के आय ब्यय का वाचन किया गया। तत्पश्चात मानस भवन के प्रांगण पर उपस्थित अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण का कार्य करते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्ष का जीवन में महत्व पर प्रकाश डाला गया।

एक माह में दूसरी घटना से ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग से भालू को पकड़ने और सुरक्षा के ठोस इंतजाम की मांग

बाम्हनडीह में फिर भालू का हमला, 62 वर्षीय महिला लहूलुहान

महासमुंद/नवप्रदेश। कोमाखान तहसील के ग्राम बाम्हनडीह में भालू के हमले की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। शनिवार सुबह घर के पीछे स्थित बाड़ी का दरवाजा खोलते ही वहां छिपे भालू ने 62 वर्षीय केकती तिवारी पर अचानक हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गईं। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, केकती तिवारी शनिवार सुबह बाड़ी का दरवाजा खोलने पहुंची थीं। इसी दौरान वहां छिपे भालू ने अचानक उन पर हमला कर दिया। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद भालू वहां से भाग गया। ग्रामीणों ने घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना वन विभाग को भी दी गई है।

खेत में आराम कर रहे मजदूर पर भी किया था हमला

इससे पहले गत बुधवार को बागबाहरा की शहरी सीमा से लगे एक खेत में भालू ने मजदूर ईश्वर यादव (55) पर हमला कर दिया था। हमले में उनकी बाईं कनपटी से लेकर नीचे तक पंजों के गंभीर घाव आए थे। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत को देखते हुए उन्हें महासमुंद रेफर किया गया था।

एक माह में दूसरी घटना

बाम्हनडीह क्षेत्र में करीब एक माह के भीतर भालू के हमले की यह दूसरी घटना बताई जा रही है। इससे पहले इसी माह गांव की अंजली, पिता पंडा यादव पर भी भालू ने हमला किया था। बताया गया था कि भालू ने बच्ची को अपने पंजों में जकड़ लिया था और बुरी तरह नोंच डाला था। हमले में बच्ची गंभीर रूप से घायल हुई थी। लगातार हो रहे हमलों से ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में सक्रिय भालू को तत्काल पकड़ने तथा ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

ईश्वर यादव वार्ड-7 के निवासी हैं और अपने ससुराल में रहकर खेतों में मजदूरी करते हैं। बुधवार को वे मोहल्लेवासियों के साथ शराब भट्टी के सामने स्थित खेत में मजदूरी करने गए थे। दोपहर में भोजन करने के बाद वे खेत में ही आराम करने के लिए लेट गए। इसी दौरान उन्हें पास से खुसफुसाहट और किसी जानवर के आने की आवाज सुनाई दी। नींद में उन्होंने इसे गाय या कोई अन्य जानवर समझकर भगाने का प्रयास किया, लेकिन सामने अचानक भालू आ गया और उसने उन पर हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मौके पर तीन भालू मौजूद थे, जिनमें से एक ने ईश्वर यादव पर हमला किया। घायल मजदूर को तत्काल बागबाहरा अस्पताल पहुंचाया गया। वन विभाग की ओर से उन्हें तत्काल 2 हजार रुपए की आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। लगातार सामने आ रही घटनाओं ने वन्यजीवों की बढ़ती सक्रियता और ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गश्त बढ़ाने और हमलावर भालू को पकड़ने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

सिस्टम सक्रियः हल्की से मध्यम बारिश की बन रही संभावना, हल्की बारिश से धान की फसनों को फायदा

बिलासपुर/नवप्रदेश। तीन अलग-अलग सिस्टम एक साथ सक्रिय होने से जिले एवं आस पास सुबह से देर रात तक बारिश होते रही। मौसम वैज्ञानिको का कहना है कि अभी एक दो दिनों तक हल्की तथा मध्यम बारिश होने की संभावना है। दक्षिणी और उससे सटे पर पहले से एक निम्न दबाव बना हुआ है 36 मानसून द्रोणिका ये रेखा अमृतसर, देहरादून, खेरी और उसी स्थ्2 से होते हुए बांकुरा होते हुए बंगाल की खाड़ी तक जा रही है - इसी वजह से बिलासपुर समेत मध्य भारत में नमी आ रही है 36 नया सिस्टम - बंगाल की खाड़ी में

- आज 29 अगस्त के आसपास उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और उत्तर ओडिशा-प. बंगाल तट पर नया निम्न दबाव बन रहा है। और उत्तर बंगाल की खाड़ी पर 7.6 ऊंचाई तक एक चक्रवाती परिसंचरण भी एक्टिव है 36 इसी नए सिस्टम के कारण ढ्ढ्रू ने बोला है कि 29 अगस्त से बारिश की रफ्तार और तेज होगी और 2-3 सितंबर तक भारी बारिश जारी रहेगी। इसीलिए आज बिलासपुर में दिनभर बादल और शाम को गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट है। जिले सहित आस पास भी लगातार बारिश होती रही मौसम वैज्ञानिको का कहना है कि जो सिस्टम अभी निर्मित हुई है उसका असर एक दो दिनों तक रहने की संभवना है बिलासपुर के बिल्हा, तखतपुर, कोटा और मस्तुरी विकास खंड में लगभग 6.2 मीमी बारिश हुई है।

बारिश से फसलों को फायदा

बिलासपुर में इस समय धान कंसा-फूटाव / बाली निकलने की स्टेज पर है, इस समय हो रही लगातार हल्की-फुल्की बारिश धान के लिए बहुत फायदेमंद हैः धान को फायदापानी की बचतः धान को सबसे ज्यादा पानी इसी स्टेज में चाहिए। बारिश से खेतों में 5-10 सीएम पानी भर गया है, तो डीजल-पंप चलाने की जरूरत नहीं। कंसे ज्यादा निकलेंगेः नमी बनी रहने से पौधा स्ट्रेस में नहीं आएगा, कल्ले अच्छे फूटेंगे। खाद का असर बढ़ेगाः आपने जो यूरिया / ष्ठ्रक्क डाला है, वो बारिश से घुलकर जड़ तक पहुंच रहा है, नाइट्रोजन की कमी से पत्ती पीलापन नहीं आएगा। तापमान कमः अभी 26-28ष्ट है जो बाली बनने के लिए है, दाना भराव अच्छा होगा। अन्य फसलों को फायदा - मक्का, कोदो-कुटकी, रागीः बढ़वार तेज होगी- अरहर, उड़द, मूंगः फूल आने के समय नमी मिलेगी तो फली ज्यादा लगेगी - सब्जी (भिंडी, लौकी, बरबटी)ः साप्ताहिक सिंचाई बच गई लेकिन ध्यान दें - ज्यादा बारिश से नुकसान भी लगातार 3-4 दिन तेज बारिश हुई तोः
- धान में भूरा धब्बा / शीथ ब्लाइट लग सकता है - खेत में पानी 15 ष्द्म से ज्यादा भर गया तो निकासी जरूर करें, नहीं तो जड़ सड़ेगी - खरपतवार बहुत तेजी से बढ़ेगा आपका धान अभी किस स्टेज में है - रोपाई, कंसा या बाली? बताइए तो मैं उसी हिसाब से पानी रोकना / खाद का सलाह दे।

न्यूज गैलरी

अनुकूल और आराध्या ने ताइक्वांडो में जीता गोल्ड

सीपत/नवप्रदेश। 26वीं राज्य स्तरीय शालेय ताइक्वांडो क्रीड़ा प्रतियोगिता में लिटिल लर्नर पब्लिक स्कूल सीपत के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कक्षा 10वीं के छात्र अनुकूल यादव और छात्रा आराध्या यादव ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों का चयन अब राष्ट्रीय स्तर की ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए जम्मू-कश्मीर में हुआ है। इंटरनेशनल ताइक्वांडो मास्टर प्रदीप यादव एवं टीम के कोच अविनाश ने बताया कि 26वीं राज्य स्तरीय शालेय ताइक्वांडो क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 17 से 21 अगस्त तक गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के जनपद सभागार में किया गया। प्रदेशभर से प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। कड़े मुकाबलों के बीच अनुकूल यादव और आराध्या यादव ने शानदार खेल कौशल, अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि के साथ ही उनका चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। इस सफलता से लिटिल लर्नर पब्लिक स्कूल सीपत सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने पर स्कूल के प्राचार्य आनंद सर एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने अनुकूल और आराध्या को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार ने उम्मीद जताई कि दोनों खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़, सीपत क्षेत्र और अपने विद्यालय का नाम गौरवान्वित करेंगे।

मार खाने वाली भाजपा नेत्री की भाजपा से छुट्टी

रतनपुर/नवप्रदेश। बीते दिनों हुए भाजपा नेत्री की साथ मारपीट और भाजपा नेत्री द्वारा किए गए मारपीट के मामले को भाजपा संगठन ने संज्ञान में लेते हुए अल्प संख्यक मोर्चा के महामंत्री को पदमुक्त करने का आदेश जारी किया है, उल्लेखनीय है कि बीते दिनों महामाया मंदिर क्षेत्र में दो दुकानदारों के बीच एक दूसरे को मारपीट करते हुए का वीडियो वायरल हुआ था।

जांच उपरांत पता चला मंदिर परिसर में नारियल तथा फूल दुकान चलाने वाले दुकानदार क्रमशः रेहाना बेगम,भागवत पटेल,ईश्वर प्रधान, चिकी प्रधान के मध्य की घटना थी, मारपीट करने वाली फिर मार खाने वाली महिला अल्प संख्यक मोर्चा के मंडल महामंत्री के पद पर नियुक्त थी, जानकारी मिलने पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने मोहित जायसवाल ने आदेश जारी करते हुए कहा कि आप पर एस टी एस सी एक्ट के तहत मामला दर्ज होने तथा पुलिस हिरासत में होने के कारण उक्त प्रकरण के निष्पक्ष जांच में कोई व्यवधान न आए ,इस चलते मंडल महामंत्री के पद के दायित्व से आपको मुक्त किया जाता है।

जूनापारा में भीषण सड़क हादसाः एक ही बाइक पर सवार थे तीनों

ट्रक ने बाइक को 30 फीट तक घसीटा, तीन युवकों की मौके पर मौत

■ टक्कर के बाद चालक ट्रक समेत फरार

बिलासपुर/नवप्रदेश। तखतपुर थाना क्षेत्र के जूनापारा में शनिवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक बाइक को करीब 30 फीट तक घसीटता हुआ ले गया। हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। जूनापारा पुलिस चौकी क्षेत्र में सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर के बाद ट्रक बाइक को काफी दूर तक घसीटता रहा। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और तीनों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद सड़क पर मची चीख-पुकार सुबह-सुबह हुए हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। सड़क पर क्षतिग्रस्त बाइक और शवों को देखकर लोगों में दहशत का माहौल बन गया। भीड़ जुटने के कारण कुछ समय तक मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा। सूचना मिलते ही जूनापारा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस जवानों ने भीड़ को नियंत्रित कर यातायात व्यवस्था सामान्य कराई। इसके बाद तीनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की गई।पुलिस के अनुसार हादसे में जान गंवाने वाले तीनों युवकों की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के गांवों में जानकारी जुटाने के साथ जिले के अन्य थानों से भी संपर्क कर रही है। मृतकों की पहचान होने के बाद उनके परिजनों तक सूचना पहुंचाई जाएगी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मृतकों की पहचान के लिए उनके पास मिले सामान और अन्य संभावित सुरागों की भी जांच कर रही है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 357.66 सीटीआर यूनिट रेल पथ का नवीनीकरण

बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा रेल संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेल पथों एवं टर्नआउटों के नवीनीकरण कार्यों को निरंतर गति प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान रेल एवं स्लीपर नवीनीकरण के अंतर्गत 357.66 सीटीआर यूनिट रेल पथ का नवीनीकरण किया गया। इसी प्रकार, वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1 अप्रैल 2026 से 31 जुलाई 2026 तक 116 सीटीआर यूनिट रेल पथ का नवीनीकरण किया जा चुका है। रेल पथ नवीनीकरण के अंतर्गत पुराने अथवा निर्धारित अवधि पूर्ण कर चुके रेल, स्लीपर तथा उनसे जुड़े सभी आवश्यक संयोजक एवं फिटिंग उपकरणों का नवीनीकरण किया जाता है। इससे रेल पथ की मजबूती, स्थायित्व एवं विश्वसनीयता में वृद्धि होती है, जो संरक्षित रेल परिचालन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी प्रकार, ट्रेनों को एक रेल मार्ग से दूसरे रेल मार्ग पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले टर्नआउटों के नवीनीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 459.50 भारित संख्या के टर्नआउटों का नवीनीकरण किया गया। वहीं, वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में 01 अप्रैल 2026 से 31 जुलाई 2026 तक 117.50 भारित संख्या के टर्नआउट नवीनीकरण कार्य पूरे किए जा चुके हैं।

राखी बांधकर पुलिस ने निभाया सुरक्षा का फर्ज राहगीरों को दिया हेलमेट और साइबर सुरक्षा का संदेश

सीपत/नवप्रदेश। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भाई-बहन के प्रेम और सुरक्षा के प्रतीक रक्षा सूत्र को सीपत पुलिस ने सामाजिक जागरूकता से जोड़ते हुए अनूठी पहल की। थाना सीपत पुलिस ने शुक्रवार को नवाडीह चौक पर राहगीरों को रक्षा सूत्र बांधकर सड़क सुरक्षा और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। पुलिसकर्मियों ने वाहन चालकों को हेलमेट पहनकर वाहन चलाने तथा अपने प्रियजनों को भी हेलमेट के प्रति जागरूक करने की समझाइश दी। रक्षाबंधन के अवसर पर नवाडीह चौक में पुलिस ने राहगीरों और वाहन चालकों को रोककर उन्हें सुरक्षित यातायात के महत्व की जानकारी दी। पुलिसकर्मियों ने कहा कि हेलमेट केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि दुर्घटना की स्थिति में जीवन की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। दोपहिया वाहन चलाते समय स्वयं हेलमेट पहनने के साथ परिवार के सदस्यों और प्रियजनों को भी हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करने की अपील की गई। पुलिस द्वारा राहगीरों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधते हुए रक्षाबंधन पर्व को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ा गया। पुलिसकर्मियों ने कहा कि जिस तरह भाई-बहन एक दूसरे की सुरक्षा और खुशहाली की कामना करते हैं, उसी तरह समाज में प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी हम सभी की है। इस दौरान लोगों को यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित तरीके से वाहन चलाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस ने लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया। अनजान फोन कॉल, संदिग्ध लिंक, फर्जी मैसेज, ओटीपी और बैंक संबंधी जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने की समझाइश दी गई।

पुलिस ने लोगों से कहा कि साइबर ठगी से बचने के लिए किसी भी संदिग्ध गतिविधि में जल्दबाजी न करें और अपनी निजी एवं बैंकिंग जानकारी सुरक्षित रखें। थाना प्रभारी राजेश मिश्रा ने कहा कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि एक-दूसरे की सुरक्षा और जिम्मेदारी का संकल्प लेने का अवसर भी है।

रिमझिम फुहारों के बीच अरपा में गूंजा भोजली गीत

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और पारंपरिक भाईचारे का पर्व भोजली शनिवार को बिलासपुर में पूरे उत्साह, उमंग और आत्मीयता के साथ मनाया गया। रिमझिम फुहारों के बीच शहर के पचरीघाट और सरकंडा क्षेत्र में भोजली महोत्सव का आयोजन हुआ। बड़ी संख्या में महिलाएं, युवतियां, बच्चे और ग्रामीण पारंपरिक वेशभूषा में भोजली लेकर अरपा नदी के तट पर पहुंचे। चारों ओर भोजली के पारंपरिक गीतों की गूंज सुनाई देती रही। पूजा-अर्चना के बाद अरपा नदी में भोजली का विसर्जन किया गया। इस दौरान घाटों पर भारी भीड़ रही और पूरा माहौल छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति के रंग में रंगा नजर आया।भोजली को छत्तीसगढ़ में दोस्ती और भाईचारे के पर्व के रूप में भी विशेष पहचान मिली है। भोजली विसर्जन के बाद लोग एक-दूसरे को भोजली देकर 'भोजली' को अपनी बहन, सखी या मित्र के रूप में स्वीकार करते हैं। यही परंपरा इसे आधुनिक दौर के 'फ्रेंडशिप डे' से जोड़ती है। यहां दोस्ती केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि जीवनभर के स्नेह, विश्वास और रिश्ते का प्रतीक मानी जाती है। गीतों के बीच निकली भोजली यात्रा पचरीघाट में आयोजित भोजली महोत्सव में बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां सिर पर भोजली लेकर पहुंचीं। पारंपरिक गीत गाते हुए भोजली की पूजा की गई। बारिश के बावजूद उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दी। रिमझिम बारिश के बीच भोजली लेकर घाट तक पहुंचती महिलाओं और युवतियों का दृश्य शहर की लोक परंपरा की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत कर रहा था। कई स्थानों पर बच्चों और युवाओं ने भी आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सरकंडा क्षेत्र में भी भोजली महोत्सव को लेकर खासा उत्साह रहा।

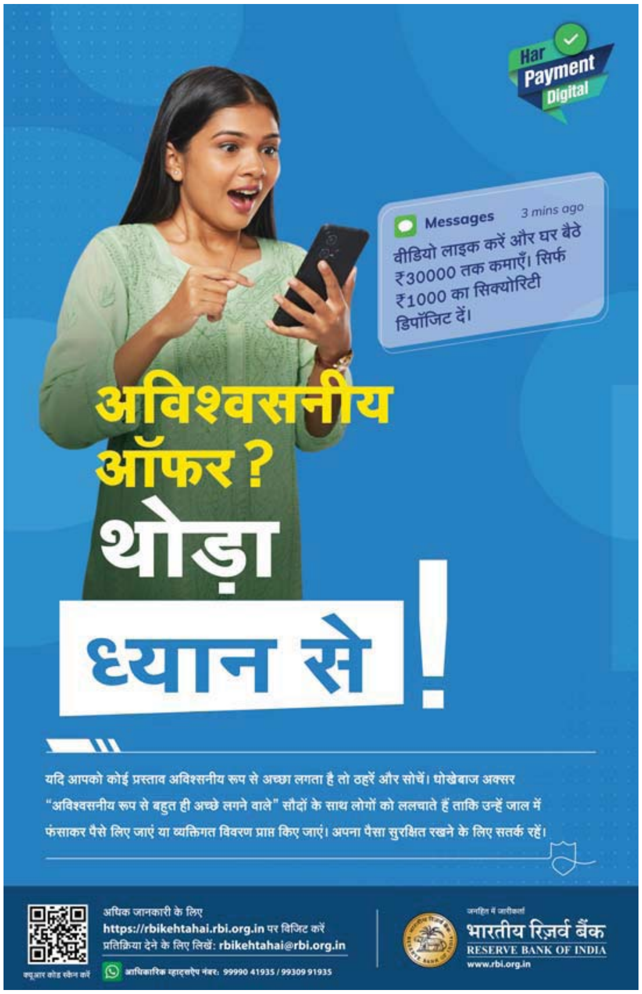

बांकेबिहारी की मुरली पर झूमेगा संसार, हर घर विराजेंगे 'कान्हा'

द्वापर की अलौकिक लीलाओं और बाल्यकाल के स्मरण से सराबोर है वसुधा, मंदिरों से लेकर घरों तक सजने लगे नटखट नंदलाल के दरबार

प्रस्तावना: कृष्णतत्व और जन्माष्टमी का आध्यात्मिक मर्म

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र और अर्धरात्रि का वह महाक्षण—जब-जब धरा पर अधर्म और अत्याचार का अंधकार गहराया है, तब-तब उस परम शक्ति ने किसी न किसी रूप में अवतार लिया है। द्वापर युग में रोहिणी नक्षत्र में जब कारागार के अंधकार को चीरकर देवकी-नंदन का प्राकट्य हुआ, तो वह केवल एक बालक का जन्म नहीं था, बल्कि वह प्रेम, न्याय, कर्मयोग और धर्म की स्थापना का शंखनाद था।

एआई

व्रत का विधान:

व्रत की शुरुआत सप्तमी तिथि से ही खानपान के संयम के साथ हो जाती है। अष्टमी तिथि को पूरे दिन व्रत रखकर मध्यरात्रि के बाद ही पारण किया जाता है।

राधा-कृष्ण का प्रेम:

कृष्ण के बिना राधा और राधा के बिना कृष्ण अधूरे माने जाते हैं। यह अलौकिक प्रेम आत्मा का परमात्मा से मिलन का प्रतीक है।

नटखट माखनचोर:

यशोदा मैया के आंगन में घुटनों के बल चलते हुए माखन चुराना, सखाओं के साथ मिलकर गइया चराना और गोपियों की मटकियां फोड़ना—ये लीलाएं हमें सिखाती हैं कि ईश्वर केवल भय या सिंहासन पर बैठने वाले भगवान नहीं, बल्कि हमारे बहुत करीब, हमारे सखा और प्रियतम हैं।

मथुरा से महाभारत तक:

कालिया नाग का मर्दन हो या गोवर्धन पर्वत को उंगली पर उठाना, हर प्रसंग में प्रकृति और समाज की रक्षा का संदेश छिपा है। और जब कुरुक्षेत्र के मैदान में उन्होंने अर्जुन को मोहग्रस्त देखकर गीता का अमर ज्ञान दिया, तो वे संपूर्ण ब्रह्मांड के मार्गदर्शक बन गए।

आज भी जब श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आती है, तो समय का पहिया जैसे पीछे घूम जाता है। हर गली, हर चौराहे और हर घर में कान्हा के स्वागत की तैयारियां इस बात का प्रमाण हैं कि कृष्ण केवल एक ऐतिहासिक चरित्र नहीं, बल्कि भारत की सांस-सांस में रचे-बसे एक जीवंत अहसास हैं। कंस के कारागार से लेकर गोकुल की गलियों और वृंदावन की कुंज-गलियों तक, कान्हा का पूरा बचपन एक उत्सव था।

झूला झुलाने की परंपरा:

भक्त अपने घरों और मंदिरों में सुंदर फूलों से सजे पालने में लड्डू गोपाल को झुलाकर अपनी अगाध श्रद्धा प्रकट करते हैं।

छप्पन भोग का प्रसाद:

कान्हा को उनकी प्रिय वस्तुओं—माखन, मिश्री, पंजीरी और विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया जाता है।

परंपरा और उल्लास:

जन्माष्टमी का पर्व केवल एक व्रत या पूजा नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतीय संस्कृति का जीवंत सांस्कृतिक समागम है।

मध्यरात्रि का महापूजन:

रात के ठीक बारह बजे शंखनाद, घंटियों की गड़गड़ाहट और "नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की" के जयकारों के साथ मंदिरों और घरों में बाल गोपाल का जन्मोत्सव मनाया जाता है। पंचामृत से अभिषेक कर उन्हें नए वस्त्र पहनाए जाते हैं।

छत्तीसगढ़ में जन्माष्टमी

छत्तीसगढ़ अंचल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व पारंपरिक उत्साह, गहरी आस्था और सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस पावन अवसर पर यहाँ के गांव-गांव और शहरी मोहल्लों में दही-हांडी फोड़ने के रोमांचक कार्यक्रमों का आयोजन होता है, जहाँ युवा मानव पिरामिड बनाकर मटकी फोड़ते हैं। राजधानी रायपुर से लेकर बिलासपुर और दुर्ग तक विभिन्न मंदिरों व समितियों द्वारा भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित बेहद आकर्षक झांकियां सजाई जाती हैं। इस दिन बंजारी और इस्कॉन सहित तमाम मंदिरों में विशेष अनुष्ठान और भजन-कीर्तन होते हैं।

आज के समय में कृष्ण और उनकी प्रासंगिकता

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, तनाव और भौतिकतावादी युग में श्रीकृष्ण के दर्शन और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। गीता का कर्मयोग—"कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन"—मनुष्य को फल की चिंता किए बिना अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। कृष्ण का 'मित्रता' का स्वरूप (सुदामा प्रसंग) हमें बताता है कि संबंधों में ऊंच-नीच का कोई स्थान नहीं होता। वहीं, उनका बांसुरी वादन संपूर्ण सृष्टि को प्रेम और सद्भाव का संदेश देता है। आज जब दुनिया अशांति और संघर्षों से जूझ रही है, तब कान्हा की बंसी की तान और गीता के उपदेश ही मानवता को शांति का मार्ग दिखा सकते हैं।

गुरु दक्षिणा

महेन्द्र तिवारी

गांव के छोर पर बना वह प्राथमिक विद्यालय बरसों से मास्टर केशवराम की पहचान था। पूरे इलाके में लोग उन्हें प्यार से केशव मास्टर कहते थे। चालीस साल की नौकरी में उन्होंने न जाने कितनी पीढ़ियों को अक्षर पहचानना सिखाया था। उनकी कक्षा में न कोई पंखा था, न कोई सुविधा, बस एक टूटा हुआ ब्लैकबोर्ड और चाक का एक डिब्बा। फिर भी केशव मास्टर हर सुबह उसी उत्साह से विद्यालय आते जैसे यह उनका पहला दिन हो। उनकी आवाज में एक अलग ही ठहराव था, जो शरारती से शरारती बच्चे को भी शांत कर देता था।

केशव मास्टर की पत्नी बरसों पहले गुजर चुकी थीं। उनका कोई संतान नहीं था। लोग अक्सर उनसे पूछते कि अकेलापन कैसे काटते हैं, तो वे मुस्कुरा कर जवाब देते कि उनके सैकड़ों बच्चे हैं, जो हर साल स्कूल की दहलीज पार करके बड़ी दुनिया में चले जाते हैं। उनके घर की दीवारों पर टंगी तस्वीरों में उन्हीं बच्चों की झलक थी, जो अब डॉक्टर, इंजीनियर और शिक्षक बन चुके थे। हर तस्वीर के नीचे केशव मास्टर ने बड़े जतन से एक तारीख और नाम लिख रखा था। गांव के लोग जानते थे कि केशव मास्टर की जेब हमेशा खाली रहती है, क्योंकि जो कुछ भी वे कमाते, उसका बड़ा हिस्सा किसी न किसी बच्चे की जरूरत में लग जाता। कभी किसी की फीस भरनी होती, कभी किसी की किताबें खरीदनी होतीं, तो कभी किसी बीमार बच्चे की दवाई का इंतजाम करना होता। वे कभी इसका बखान नहीं करते थे। उनका मानना था कि दान वही सच्चा होता है जो चुपचाप दिया जाए, बिना किसी को बताए और बिना किसी बदले की उम्मीद के। इसी सोच के साथ उन्होंने अपना पूरा जीवन बिता दिया, न कभी किसी शिकायत के साथ, न कभी किसी पछतावे के साथ।

गांव के बच्चों में एक लड़का था, नाम था अर्जुन। अर्जुन का परिवार बेहद गरीब था। उसके पिता खेतों में मजदूरी करते थे और मां बीमार रहती थीं। अर्जुन पढ़ने में बहुत होशियार था, लेकिन घर की हालत ऐसी थी कि हर साल उसकी पढ़ाई छूटने का खतरा बना रहता। केशव मास्टर ने अर्जुन में एक चमक देखी थी, वही चमक जो उन्होंने वर्षों पहले अपने भीतर देखी थी जब वे खुद एक गरीब किसान के बेटे थे। उन्होंने चुपचाप अर्जुन की किताबों का खर्च उठाना शुरू कर दिया। कभी वर्दी के पैसे, कभी परीक्षा शुल्क, सब कुछ केशव मास्टर अपनी छोटी सी पेंशन में से निकालते और अर्जुन के घर तक पहुंचा देते, इस शर्त पर कि किसी को इसकी भनक न लगे।समय बीतता गया। अर्जुन ने दसवीं में पूरे जिले में सबसे अधिक अंक पाए। उसके बाद शहर के एक बड़े कॉलेज में उसे दाखिला मिल गया। जाने से पहले वह केशव मास्टर के पास आया और उनके पैर छूकर बोला, गुरुजी, आपने जो किया है, मैं वह कभी नहीं भूलूंगा। मैं वादा करता हूं कि एक दिन मैं आपके पास वापस आऊंगा। केशव मास्टर ने उसके सिर पर हाथ रखा और बस इतना कहा, बेटा, तुम आगे बढ़ो, यही मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार होगा। अर्जुन शहर चला गया। पहले कुछ महीनों तक उसके पत्र आते रहे। वह अपनी पढ़ाई के बारे में, अपने नए दोस्तों के बारे में और शहर के जीवन के बारे में लंबे लंबे खत लिखता। केशव मास्टर हर पत्र को कई बार पढ़ते और फिर संभाल कर एक पुराने बक्से में रख देते। लेकिन धीरे धीरे पत्रों का आना कम होता गया। पहले महीने में एक पत्र आता, फिर तीन महीने में, फिर साल में एक बार त्योहार पर बस एक छोटा सा संदेश। केशव मास्टर को इसका कोई बुरा नहीं लगा। वे जानते थे कि जीवन की भागदौड़ में हर किसी को आगे बढ़ना होता है, और पीछे मुड़कर देखने का समय कम ही मिलता है।

गांव के कुछ लोग कभी कभी केशव मास्टर से पूछ बैठते कि अर्जुन का क्या हाल है, क्या वह अब भी याद करता है अपने गांव को। ऐसे सवालों पर केशव मास्टर का जवाब हमेशा एक जैसा होता। वे कहते कि जिस पौधे को हम अपने हाथों से सींचते हैं, उसका बड़ा होकर दूर छांव देना ही उसकी सफलता है, न कि हमारे पास लौट आना। यह सुनकर सामने वाला व्यक्ति चुप हो जाता, क्योंकि इतनी गहरी बात के आगे कोई तर्क टिक नहीं पाता था। भीतर ही भीतर हालांकि केशव मास्टर के मन में भी कभी कभी एक हल्की सी उदासी उठती, जिसे वे अपने काम में डूबकर शांत कर लेते। साल दर साल बीतते गए। केशव मास्टर बूढ़े होते गए। उनकी आंखों की रोशनी कमजोर पड़ने लगी, हाथ कांपने लगे, लेकिन उन्होंने विद्यालय जाना नहीं छोड़ा। एक दिन विद्यालय के प्रधानाचार्य ने उन्हें बुलाकर बड़े सम्मान के साथ बताया कि अब उनकी सेवानिवृत्ति का समय आ गया है। केशव मास्टर ने चुपचाप सिर हिलाया और अपने चालीस साल के सफर को समेटना शुरू किया। उन्होंने अपनी अलमारी से वह पुराना बक्सा निकाला जिसमें बच्चों के पत्र, तस्वीरें और छोटी छोटी यादें रखी थीं। उन्हें एक एक करके देखते हुए उनकी आंखों में आंसू आ गए, लेकिन यह दुख के आंसू नहीं थे, यह संतोष के आंसू थे। सेवानिवृत्ति के दिन विद्यालय में एक छोटा सा समारोह रखा गया। गांव के बहुत से लोग आए, कुछ पुराने छात्र भी आए जो अब बड़े हो चुके थे। सब ने मिलकर केशव मास्टर को धन्यवाद दिया, उन्हें फूलों की माला पहनाई और एक स्मृति चिन्ह भेंट किया। समारोह के बीच में अचानक एक कार गांव की धूल भरी सड़क पर आकर रुकी। उसमें से एक सुंदर सा युवक उतरा, कुर्ता पहने, चेहरे पर वही पुरानी मुस्कान लिए। यह अर्जुन था। अर्जुन ने भीड़ को चीरते हुए सीधे केशव मास्टर के पास जाकर उनके पैर छुए। केशव मास्टर ने उसे पहचानने में एक पल भी नहीं लगाया। उनकी बूढ़ी आंखों में एक चमक आ गई। अर्जुन ने बताया कि वह अब शहर में एक बड़े अस्पताल में डॉक्टर बन चुका है, और उसने अपने गांव के लिए एक स्वास्थ्य केंद्र बनवाने की योजना बनाई है, जिसका शिलान्यास वह चाहता है कि उसके गुरुजी के हाथों से हो। केशव मास्टर के पास शब्द नहीं थे। उन्होंने बस अर्जुन को गले लगा लिया।

उस शाम, जब समारोह समाप्त हो गया और सब लोग चले गए, अर्जुन केशव मास्टर के छोटे से घर में उनके साथ बैठा रहा। उसने बताया कि कैसे शहर की चकाचौंध में वह कभी कभी खुद को भूल जाता था, लेकिन जब भी वह किसी मरीज को ठीक करता, उसे केशव मास्टर की वह सीख याद आ जाती कि असली शिक्षा वही है जो दूसरों की सेवा में लगे। उसने माफी मांगी कि इतने सालों तक वह गांव नहीं आ सका, कि पत्र लिखना भी उसने कम कर दिया था अपनी व्यस्तता के कारण। केशव मास्टर ने उसकी बात बीच में ही रोक दी और कहा कि किसी शिक्षक को अपने छात्र से माफी की जरूरत नहीं सुननी होती, बस यह जान लेना ही काफी होता है कि उसका बोया हुआ बीज कहीं न कहीं फल दे रहा है।

अगले कुछ महीनों में अर्जुन ने अपनी बात रखी। गांव में एक छोटा सा स्वास्थ्य केंद्र बनकर तैयार हुआ, जिसका नाम रखा गया केशवराम स्वास्थ्य सेवा केंद्र। शिलान्यास के दिन केशव मास्टर ने कांपते हाथों से पट्टिका का अनावरण किया। उनके चेहरे पर वही पुरानी गंभीरता थी, लेकिन आंखों में एक नई चमक भी थी। उन्होंने वहां इकट्ठा हुए लोगों से बस इतना कहा कि जीवन में कोई भी काम छोटा नहीं होता, अगर वह किसी और के जीवन में उजाला भर सके। उसके बाद के वर्षों में अर्जुन नियमित रूप से गांव आता रहा। वह हर महीने कुछ दिनों के लिए स्वास्थ्य केंद्र में मुफ्त सेवा देता और केशव मास्टर के साथ शाम बिताता। दोनों बगीचे में बैठकर पुरानी बातें करते, कभी हंसते, कभी चुप बैठे रहते। केशव मास्टर अब भी हर सुबह विद्यालय के पास से गुजरते, नए बच्चों को खेलते देखकर मुस्कुराते और सोचते कि उनका असली धन यही है, वह ज्ञान जो उन्होंने बांटा, वह प्रेम जो उन्होंने बिना किसी शर्त के दिया। बरसों बाद, जब केशव मास्टर का देहांत हुआ, तो उनके अंतिम संस्कार में गांव का हर घर शामिल हुआ। दूर दूर से पुराने छात्र भी खबर पाकर चले आए, कोई अपने काम से समय निकालकर, कोई रात भर सफर करके। सबकी आंखों में एक ही भाव था, अपने उस गुरु को अंतिम विदाई देने का, जिसने उन्हें केवल अक्षर पढ़ना ही नहीं, बल्कि जीवन जीना भी सिखाया था। लेकिन सबसे आगे खड़ा था अर्जुन, जिसकी आंखों में आंसू थे, लेकिन दिल में एक ऐसा संतोष था जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उसने केशव मास्टर की चिता को अग्नि देते हुए मन ही मन प्रण लिया कि वह अपने गुरु की तरह ही निस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा करता रहेगा। केशव मास्टर का शरीर भले ही पंचतत्व में विलीन हो गया हो, लेकिन उनकी सीख, उनका प्रेम और उनका समर्पण गांव के हर घर में, हर बच्चे की किताब में और हर उस व्यक्ति के दिल में हमेशा जीवित रहा जिसने कभी उनसे कुछ सीखा था। यही सच्चे गुरु की सबसे बड़ी पहचान होती है, कि वह अपने शरीर के जाने के बाद भी अपने कर्मों के जरिए हमेशा के लिए अमर हो जाता है।

भीतर उगती उदासी

कामनी गुप्ता

थम गए नीर नैनों में आँखे फिर भी हैं प्यासी,
राह देखते तेरी पल-पल भीतर उगती उदासी।

मन बोझिल सा भीतर बाहर है बस खालीपन,
तुम बिन बीते कितने साल याद करो कोई क्षण।

काश समझ पाते तो लौट आते तुम पास हमारे,
प्यार, वफ़ा या कसमें,वादे भूल गए तुम तो सारे।

दरवाज़ा और दहलीज़ वहीं बाकी चाहे बदला है,
तुम्हारी राह में खड़े हैं भूल न जाओ घर अपना है।

विरह वेदना न समझता कोई हर रिश्ते की सीमा है,
मेरा तुम्हारा रुह का रिश्ता उसके आगे सब फीका है।

आओ कहीं प्रतीक्षा की समय सीमा न निकल जाए,
भीतर उगती उदासी कहीं जीवन मेरा न निगल जाए।

नो बीमा, नो पेट्रोल...

संजय एम तराणेकर

नो बीमा, नो पेट्रोल, सड़कों पे फिर कैसा रोल?
नियम सबके लिए हैं, क्यों हों उनमें कोई होल?

वाहन ले निकल पड़े जब , जिम्मेदारी भूल गए,
अपनी ही नहीं, राहगिरों की सुरक्षा से दूर गए।

बीमा सिर्फकागज़ नहीं, विश्वास की वो ढाल है,
दुर्घटना की घड़ी में, परिवार का संबल हाल है।

पेट्रोल बिन रथ न दौड़े, बीमा बिन सफ़र अधूरा,
नियमों का सम्मान करेंगे, तब बनेगा भारत पूरा।

सड़कें केवल राह नहीं हैं, जीवन की यह डोर हैं,
ये नो बीमा, नो पेट्रोल, जिम्मेदारी की ओर है।

आओ मिलकर प्रण लें, नियमों का सम्मान करें,
सुरक्षित यात्रा व जीवन, देश का अभिमान करें।

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष-आज आप मानसिक रूप से अन्य दिनों की तुलना में शांति अनुभव करेंगे जल्दी से किसी की गलती का बुरा नही मानेंगे नाही विरोध प्रकट करेंगे लेकिन दिल से लगाने के कारण स्वयं ही मन ही मन दुखी होंगे।

वृष -आज दिन के आरंभिक भाग को छोड़ शेष समय राहत वाला रहेगा प्रातः काल मे किसी गलती का पछतावा होगा प्रत्येक कार्य संकोच से करेंगे लेकिन मन मे चंचलता आएगी

मिथुन -ज के दिन आपको धर्म लाभ मिलेगा। मन मे आध्यात्मिक भावनाएं जागृत होंगी लेकिन मन के भटकने के कारण पूजा पाठ में ध्यान केंद्रित नही कर सकेंगे फिर भी आज दिन पहले से बेहतर रहेगा।

कर्क -आज आपकी सेहत में कुछ ना कुछ विकार बनेगा दिन के आरंभ में इसकी अनदेखी करने पर मध्यान के आस पास बढ़ने की संभावना है।

सिंह -आज का दिन आपके लिये शुभ फलदायी रहेगा लेकिन मानसिक रूप से कुछ ना कुछ समस्या लगी ही रहेगी। किसी भी कार्य को एक बार मे पूर्ण नही कर पाएंगे ।

कन्या -आज का दिन सामान्य से उत्तम रहेगा। दिन के आरंभ से ही लाभ की संभावना बनेगी लेकिन धन मध्यान तक परिश्रम करने के बाद ही संध्या के आस पास हाथ लगेगा।

तुला -आज के दिन आप अपने विवेकी व्यवहार से सभी जगह सम्मान पाएंगे। मध्यान तक पारिवारिक उत्तरदायित्वों की पूर्ति में व्यस्त रहेंगे रिश्तेदारी में जाना पड़ेगा खर्च आज पिछले दिनों से कम लेकिन बजट बिगाड़ने वाले रहेंगे।

वृश्चिक-आज के दिन आपका व्यवहार अटपटा रहेगा सीधे शब्दों में बात नही करेंगे जिस वजह से अपने विचारों को किसी को भी समझने में विफल रहेंगे।

धनु -आपके लिये आज का दिन धन लाभ वाला है। वाणी एवं व्यक्तित्व में प्रखरता रहेगी बिगड़े कार्यो को भी व्यवहारिकता से बना लेंगे।

मकर-आज का दिन सामान्य रहेगा मन से संतोषी रहेंगे लेकिन घरेलु दबाव में आकर धन कमाने की तिकड़म लगायेंगे लेकिन ध्यान रखें आज ज्यादा भागदौड़ करने से भी कुछ विशेष परिणाम नही मिल सकेगा।

कुंभ-आज के दिन आपके स्वभाव एव व्यवहार में दिखावा अधिक रहेगा कोई भी कार्य सामाजिक हो या आध्यात्मिक अथवा घरेलू सभी मे आडंबर युक्त दिनचार्य रहेगी

मीन -आपके लिये आज का दिन प्रतिकूल फलदायी रहेगा। जल्दबाजी में कार्य करने पर टूट फूट अथवा अन्य प्रकार से आर्थिक नुकसान होने की संभावना है। आज महिलाओं को अथवा किसी महिला द्वारा मानसिक क्लेश मिलेगा।

QUIZ TIME

1) काला हिरण किस राज्य का राजकीय पशु है?
2) वाहनों से निकलने वाली प्रदूषित गैस कौन सी है?
3) निर्वासन के बाद मुगल सिंहासन पुन: प्राप्त करने में हुमायूँ की सहायता किसने की थी?
4) हिंदू धर्म में संस्कारों की कुल संख्या कितनी है?
5) अंतरिक्ष में जाने वाली दुनिया की पहली व्हीलचेयर उपयोगकर्त्ता कौन बनी हैं?

उत्तरमाला- (1) आंध्र प्रदेश, हरियाणा और पंजाब (2) कार्बन मोनोऑक्साइड (3) शाह तहमास्प (4) 16 (5) माइकेला बेंटहाउस

RamaQuiz

कार्टून

छत्तीसगढ़ में मानसून का यू-टर्न, बंगाल की खाड़ी का सिस्टम बढ़ाएगा बारिश की तीव्रता

■ प्रदेश में मौसमी बारिश सामान्य से करीब 3 प्रतिशत कम

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में मानसून एक बार फिर रफ्तार पकड़ सकता है। बंगाल की खाड़ी में बन रहे नए सिस्टम के प्रभाव से प्रदेश में बारिश का दायरा और उसकी तीव्रता बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 29 अगस्त से कई इलाकों में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। मध्य और उत्तरी छत्तीसगढ़ में एक-दो स्थानों पर भारी बारिश होने के आसार हैं। प्रदेश में अब तक हुई मौसमी बारिश सामान्य से करीब 3 प्रतिशत कम है। ऐसे में नए मौसम सिस्टम से होने वाली बारिश से इस कमी की भरपाई होने की उम्मीद है। राजधानी रायपुर में 29 अगस्त को दिनभर बादल छाए रहने की संभावना है। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश के साथ गरज-चमक और बौछारें पड़ सकती हैं। मौसम विभाग ने रायपुर में अधिकतम तापमान करीब 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया है। इससे पहले रक्षाबंधन के दिन राजधानी में बारिश से राहत रही। इस दौरान तापमान 29 डिग्री से बढ़कर करीब 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। शुक्रवार को प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे में कुसमी में सबसे ज्यादा 7 सेंटीमीटर बारिश हुई। रामानुजगंज और भैसमा में 6-6 सेंटीमीटर, जबकि कुनकुरी, वाड्रफनगर, कोरबा और करतला में 5-5 सेंटीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा बलरामपुर, राजपुर, कांसाबेल, प्रतापपुर और पोड़ी में 4-4 सेंटीमीटर बारिश दर्ज हुई। तापमान की बात करें तो प्रदेश में सबसे अधिक 31.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दुर्ग में दर्ज किया गया।

इन जिलों में बारिश की संभावना

मौसम विभाग ने शनिवार को प्रदेश के कई जिलों में हल्की बारिश की संभावना जताई है। उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद और रायपुर में बारिश हो सकती है। इसके अलावा बलौदा बाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम और मुंगेली में भी हल्की बारिश के आसार हैं। सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर में भी मौसम विभाग ने बारिश की चेतावनी दी।

न्यूज गैलरी

वन विकास निगम के कार्यकारी संचालक बने विवेक आचार्य

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन ने भारतीय वन सेवा (IFS) के अधिकारी विवेक आचार्य (2006 बैच) की नई पदस्थापना का आदेश जारी किया है। पर्यटन मंडल में प्रबंध संचालक के पद पर प्रतिनियुक्ति समाप्त होने के बाद अब उन्हें वापस वन विभाग में पदस्थ किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के अनुसार, 18 अगस्त 2026 को जारी आदेश के तहत विवेक आचार्य को पर्यटन मंडल, रायपुर के प्रबंध संचालक पद की सेवाएं वन विभाग को वापस लौटाई गई थीं। इसी के फ्लस्वरूप राज्य शासन ने उन्हें अस्थायी रूप से, आगामी आदेश तक कार्यकारी संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, नवा रायपुर अटल नगर के पद पर पदस्थ किया है।

मेहनत, हुनर और सरकारी सहयोग से बदली कमलेश की जिंदगी

रायपुर/नवप्रदेश। गांव की महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता केवल एक सपना नहीं, बल्कि सही अवसर, मार्गदर्शन और मेहनत के साथ हासिल की जा सकने वाली उपलब्धि है। मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत मंझगवा की श्रीमती कमलेश यादव ने इसे अपनी मेहनत और लगन से साबित कर दिखाया है। कभी छोटे व्यवसाय को आगे बढ़ाने का सपना देखने वाली कमलेश आज अपनी मेहनत, हुनर और शासकीय योजनाओं से मिले सहयोग के बल पर 'लखपति दीदी' के रूप में नई पहचान बना रही हैं। कमलेश यादव वंदना महिला स्वसहायता समूह से जुड़ीं और समूह की अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालते हुए आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय प्रयास शुरू किए। स्वसहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आरएफ (रिवॉल्विंग फंड), सीआईएफ (कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड) और बैंक ऋण के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ। उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए कमलेश ने अपने गांव में चिकन स्टोर का व्यवसाय शुरू किया। व्यवसाय के संचालन के साथ उन्होंने अपनी आय बढ़ाने के लिए सिलाई कार्य को भी जारी रखा। कमलेश ने एक ही आय के साधन पर निर्भर रहने के बजाय अपने हुनर और उपलब्ध अवसरों का बेहतर उपयोग किया। चिकन स्टोर के व्यवसाय के साथ सिलाई कार्य से होने वाली आय ने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निरंतर मेहनत, व्यवसाय के प्रति लगन और आय के विविध साधनों के कारण उनकी वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक हो गई।

चाकू की नोंक पर लूटपाट करने वाले रात में ही पकड़ा

रायपुर/नवप्रदेश। पुलिस ने अभनपुर के शराब दुकान रोड पर चाकू की नोंक पर लूटपाट करने वाले 3 बदमाशों को वारदात के कुछ घंटे बाद ही ग्रामीणों की मदद से घेरेबंदी करके दबोच लिया। तीनों लुटेरे केन्द्री गांव के नाबालिग निकले। तीनों आरोपी नेलकटर को चाकू की तरह धार करके 26 अगस्त की रात को 8 साढ़े 8 बजे बाइक से शराब दुकान रोड पर पहुंचे। रात के अंधेरे में उन्होंने शराब दुकान की ओर जा रहे एक बाइक सवार एक युवक गेंदलाल ध्रुव को रोका और चाकू अड़ा दिया। गालीगलौज-धमकी चमकी करते हुए उन्होंने युवक की जेब से 5 सौ रूपए और मोबाइल फोन निकाल लिया। पीड़ित युवक अपने बड़े पापा मकसुदन ध्रुव के घर मेहमानी में आया था। वहां से पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने जांच अभियान चलाया और ग्रामीणों की मदद से तीनों लुटेरों को दबोच लिया। आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन व नकदी जब्त की गई। टीआई अभनपुर के मुताबिक नाबालिग लुटेरों को बाइक देने वाले के खिलाफभी पुलिस द्वारा मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी।

एसईए ने 'बचपन सीरीज' के जरिए जगाई बचपन की यादें

रायपुर/नवप्रदेश। स्पोर्ट्स इन्थूकवएस्ट एसोसिएशन (एसईए) द्वारा अगस्त माह में आयोजित 'बचपन सीरीज' ने सभी सदस्यों को उनके बचपन की सुनहरी यादों से दोबारा जोड़ दिया। चार रविवार तक चले इस अनूठे आयोजन में सदस्यों ने बचपन में खेले जाने वाले पारंपरिक एवं मनोरंजक खेलों का भरपूर आनंद लिया और ऐसा महसूस किया मानो बचपन एक बार फिर लौट आया हो। इस आयोजन की परिकल्पना एवं सफल आयोजन एसईए के सदस्य आनंद सोनी द्वारा किया गया।

छत्तीसगढ़ के तीरंदाजों को सुविधा देने की मांग, संघ ने सीएम से स्पोर्ट्स कीट और आर्थिक सहयोग मांगा

■ हर जिले में प्रशिक्षित कोच की जरुरत

रायपुर/नवप्रदेश। संघ के अनुसार ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में तीरंदाजी की प्रतिभाएं हैं, जिन्हें बेहतर सुविधाएं मिलने पर आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश तीरंदाजी संघ ने प्रदेश में तीरंदाजी को बढ़ावा देने के लिए खिलाड़ियों को जरूरी खेल सामग्री और प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। संघ अध्यक्ष कैलाश मुरारका ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र भेजकर बताया कि संघ करीब 30 वर्षों से खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए काम कर रहा है। संघ के अनुसार ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में तीरंदाजी की प्रतिभाएं हैं, जिन्हें बेहतर सुविधाएं मिलने पर आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है।

संघ के मुताबिक राज्य, जिला, स्कूल और आदिवासी स्तर की प्रतियोगिताएं शुरू होने वाली हैं। इनके लिए आर्चरी स्टैंड, बट्स, टारगेट फेस, पिन सहित अन्य खेल सामग्री की जरूरत होगी। संघ खिलाड़ियों और संस्थाओं को यह सामग्री करीब 25 प्रतिशत रियायती दर पर उपलब्ध कराता है। जिला संघ, स्कूल, प्रशिक्षण केंद्र और खिलाड़ी जरूरत की सामग्री की जानकारी समय पर संघ को दे सकते हैं।

आर्थिक रूप से कमजोर खिलाड़ियों को अवसर

संघ अध्यक्ष ने बताया कि करीब 30 वर्षों में जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों से भागीदारी शुल्क या प्रतियोगिता में भेजने के नाम पर राशि नहीं ली गई। उनके अनुसार यह व्यवस्था एनएमडीसी, एनटीपीसी, राज्य सरकार और अन्य सहयोगियों के सहयोग से चलती रही है। संघ का कहना है कि इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

सरकार से सहयोग की उम्मीद

संघ ने मुख्यमंत्री से तीरंदाजी के लिए आवश्यक खेल संसाधन और आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। साथ ही संबंधित विभाग को इस दिशा में जरूरी पहल के निर्देश देने की मांग की है। संघ का लक्ष्य हर जिले से प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराना और राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश के लिए अधिक पदक हासिल करना है।

हर जिले में संसाधन और कोच की मांग

संघ ने कहा कि पदक के लिए प्रतिभा के साथ नियमित अभ्यास, प्रशिक्षित कोच, बेहतर खेल सामग्री और प्रतियोगिताओं का अनुभव जरूरी है। इसलिए हर जिले में तीरंदाजी के लिए जरूरी संसाधन और प्रशिक्षित कोच उपलब्ध कराने की मांग की गई है। संघ का मानना है कि इससे ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के अधिक खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का मौका मिलेगा।

कुत्ते की गंदगी को लेकर विवाद

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के सरस्वतीनगर थाना क्षेत्र के भवानी नगर कोटा में कुत्ते द्वारा घर के सामने गंदगी करने को लेकर हुए विवाद में एक कॉलेज छात्रा पर लोहे की रॉड से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में छात्रा के सिर पर गंभीर चोट लगी और वह लहूलुहान होकर बेहोश हो गई। बीच-बचाव करने पहुंची उसकी बहन के साथ भी मारपीट की गई। मिली जानकारी के अनुसार, भवानी नगर कोटा निवासी मनीषा दास (19) बीए प्रथम वर्ष की छात्रा है। शनिवार सुबह करीब 11:30 बजे वह कॉलेज जाने की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान उसने देखा कि पड़ोसी जयपाल पटेल का पालतू कुत्ता उसके घर की सीढ़ियों के पास गंदगी कर गया है। मनीषा ने जयपाल पटेल के बेटे जागेश्वर पटेल से गंदगी साफ करने और कुत्ते को बांधकर रखने के लिए कहा। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि जागेश्वर ने छात्रा से गाली-गलौज की। विवाद बढ़ने पर जयपाल पटेल अपने दोनों बेटों जागेश्वर और वंश पटेल के साथ मौके पर पहुंचा।

मां कौशल्या धाम चंद्रखुरी में होगा विराट कवि सम्मेलन

स्वतंत्रता सेनानी अनंतराम बर्हीहा की जयंती पर आयोजन, 30 अगस्त को जुटेंगे साहित्यकार

रायपुर/नवप्रदेश। महान स्वतंत्रता सेनानी अनंतराम बर्हीहा की जयंती के अवसर पर 30 अगस्त को मां कौशल्या धाम चंद्रखुरी में विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम रविवार को दोपहर 12 बजे से शुरू होगा। आयोजन में आसपास के गांवों सहित बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। कवि सम्मेलन में रायपुर के गीतकार मीर अली मीर, अर्जुनी की कवयित्री तुलश्री भुंजर, बेमेतरा के कवि मनोज वर्मा, बालोदाबाजार के कवि नरेंद्र वर्मा असमान, चंद्रखुरी के कवि राजेंद्र तोपी और बड़े मुंगेली के कवि सुदितलाल वर्मा शामिल होंगे। सभी साहित्यकार अपनी रचनाओं की प्रस्तुति देंगे।आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य अनंतराम बर्हीहा की जयंती को याद करने के साथ साहित्य और कविता के माध्यम से लोगों को जोड़ना है। मां कौशल्या धाम में होने वाले इस आयोजन में क्षेत्र के ग्रामीणों और साहित्यप्रेमियों के लिए कवि सम्मेलन विशेष आकर्षण रहेगा।

आयोजन से जुड़े लोगों ने क्षेत्रवासियों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय स्तर पर साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है।

घर के बाहर मवेशी छोड़ा तो लगेगा जुर्माना, कई इलाकों में निगम ने की बड़ी कार्रवाई

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर में अब घर के बाहर मवेशियों को खुले में छोड़ना भारी पड़ सकता है। नगर निगम ने मवेशी मालिकों को चेतावनी दी है कि वे अपने मवेशियों को बांधकर रखें। सड़क पर खुले में मवेशी मिलने पर संबंधित मालिक के खिलाफ नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। सड़कों पर घूम रहे मवेशियों को पकड़ने के लिए नगर निगम की टीम लगातार अभियान चला रही है। शनिवार को भी शहर के अलग-अलग इलाकों में काउकैचर और विशेष टीम ने सड़कों पर घूम रहे मवेशियों की धरपकड़ की। नगर निगम की टीम ने पेंशनबाड़ा, संतोषी नगर चौक से अंतरराज्यीय बस टर्मिनल भाठागांव, दुर्गा चौक, मतपारा रोड और तरुण बाजार समेत कई इलाकों में कार्रवाई की। नगर निगम के सभी 10 जोनों में यह अभियान लगातार जारी है। टीम सड़क पर घूम रहे मवेशियों को पकड़कर नियमानुसार कार्रवाई कर रही है। निगम ने साफ किया है कि सड़क पर खुले में मवेशी मिलने पर संबंधित मालिक के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। मवेशियों को सड़क पर छोड़ने से होने वाली किसी भी परेशानी के लिए संबंधित मालिक को जिम्मेदार माना जाएगा।

सड़क पर मवेशी छोड़ने से हादसे का खतरा

नगर निगम ने मवेशी मालिकों से अपील की है कि वे अपने मवेशियों को घर या किसी सुरक्षित स्थान पर बांधकर रखें। सड़क पर खुले मवेशियों के कारण वाहन चालकों के लिए हादसे का खतरा बना रहता है। अचानक सड़क पर आ जाने वाले मवेशियों से कई बार दुर्घटनाएं भी हो जाती हैं।

10 जोनों में लगातार चलेगा अभियान

यह कार्रवाई हाईकोर्ट के आदेश और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के दिशा-निर्देशों के तहत की जा रही है। नगर निगम के मुताबिक, आवारा मवेशियों की धरपकड़ का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

थाने में करंट लगने से युवक की मौत, आरक्षक को भी लगा करेंट

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के विधानसभा थाना परिसर में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। थाने के बाहर लगे वाटर कूलर को छूते ही युवक करंट की चपेट में आ गया। हादसे में युवक की मौत हो गई, जबकि उसे बचाने पहुंचे पुलिस आरक्षक भी करंट लगने से झुलस गया।

मृतक की पहचान रमेश ठाकुर (32) निवासी बिल्हा, जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। रमेश किसी काम से विधानसभा थाना आया था। इसी दौरान वह थाना परिसर के बाहर लगे वाटर कूलर के पास पानी पीने पहुंचा। जैसे ही उसने वाटर कूलर को छुआ, उसे करंट लग गया और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। रमेश को करंट लगा देखकर आसपास मौजूद पुलिसकर्मी उसकी मदद के लिए दौड़े। इसी दौरान आरक्षक गुलाल वर्मा भी करंट की चपेट में आ गए और झुलस गए। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने तत्काल बिजली आपूर्ति बंद कराई। रमेश को बचाने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घायल आरक्षक गणेश को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद थाना परिसर में कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस और विद्युत विभाग की जांच के बाद ही हादसे की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

राज्यपाल ने सपरिवार किए भगवान जगन्नाथ के दर्शन, अर्पित किया रक्षा सूत्र

विधायक पुरन्दर मिश्रा की मौजूदगी में रक्षाबंधन पर जगन्नाथ मंदिर में गूंजा श्रद्धा और आस्था का संदेश

रायपुर/नवप्रदेश। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर गायत्री नगर स्थित भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री रमेन डेका जी ने सपरिवार मंदिर पहुंचकर भगवान श्री जगन्नाथ के दर्शन किए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

राज्यपाल श्री डेका ने भगवान जगन्नाथ को रक्षा सूत्र अर्पित कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। उन्होंने प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

इस अवसर पर रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने राज्यपाल श्री रमेन डेका जी का स्वागत किया। विधायक श्री मिश्रा ने भी प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व भाई-बहन के पवित्र स्नेह, विश्वास और अटूट प्रेम का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन हमारी संस्कृति में रिश्तों की मजबूती के साथ-साथ प्रेम, सौहार्द और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। विधायक मिश्रा ने प्रदेशवासियों के सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हुए पर्व को आपसी प्रेम एवं भाईचारे के साथ मनाने का आह्वान किया।

रक्षाबंधन के अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति का वातावरण बना रहा।

उत्तर प्रदेश चुनाव 2026 में सोशल मीडिया संभालेंगे आयुष

रायपुर/नवप्रदेश। कांग्रेस ने आगामी चुनाव संबंधी गतिविधियों को लेकर अपने सोशल मीडिया विभाग में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां तय की हैं। इसमें छत्तीसगढ़ से जुड़े आयुष पांडेय को उत्तर प्रदेश में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से जारी आदेश में आयुष पांडेय को उत्तर प्रदेश में चुनाव संबंधी सोशल मीडिया गतिविधियों के समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। कांग्रेस की सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म विभाग की चेयरपर्सन और कांग्रेस वर्किंग कमेटी की सदस्य सुप्रिया श्रीनेत ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय संयोजक प्रणव वच्छराजानी और राष्ट्रीय समन्वयक आयुष पांडे को जिम्मेदारी दी गई है। आयुष पांडे वर्तमान में उत्तर प्रदेश के प्रभारी हैं। उत्तराखंड के लिए राष्ट्रीय समन्वयक संदीप गुप्ता और अक्षत सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पंजाब में राष्ट्रीय समन्वयक अमरजीत सिंह और अभय तिवारी को समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। अमरजीत सिंह वर्तमान में पंजाब के प्रभारी हैं। इसी तरह गोवा में राष्ट्रीय समन्वयक विपिन यादव और अभिषेक महानंदा को जिम्मेदारी दी गई है। मणिपुर के लिए राष्ट्रीय समन्वयक सुमित दुबे को आगामी चुनाव संबंधी गतिविधियों के समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

लौहनगरी बचेली की पहाड़ियों में बसे 48 परिवारों की जिंदगी बदहाल

10 वर्षों से बनते रहे आवास, अब पूर्ण होने के बाद भी खाली पड़े

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। दंतेवाड़ा जिले के विश्वविख्यात लौहनगरी बचेली की लौह अयस्क से समृद्ध पहाड़ियों के बीच स्थित वार्ड क्रमांक 18 आकाशनगर -काठमांडू में रहने वाले 48 परिवार आज भी बदहाल परिस्थितियों में जीवन गुजारने को मजबूर हैं। टीन-टप्पर और अस्थायी सामग्री से बने मकानों में रह रहे इन परिवारों के सामने बारिश, गर्मी और अन्य मौसम में जीवन और भी कठिन हो जाता है।

दूसरी ओर, बचेली के ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में पिछले करीब 10 वर्षों से निर्माणाधीन पुनर्वास आवास अब पूर्ण हो चुके हैं। बावजूद इसके, इन आवासों में प्रभावित परिवारों को बसाने की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है। लंबे समय से खाली पड़े मकानों की देखरेख के अभाव में पूरी कॉलोनी धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील होती नजर आ रही है। बचेली ट्रांसपोर्ट नगर कॉलोनी में मकान तैयार, परिवार अब भी टीन-टप्पर के नीचे कर रहा जीवन यापन। एक तरफ पक्के मकान बनकर

तैयार हैं, वहीं दूसरी तरफ काठमांडू कैंप के 48 परिवार आज भी अस्थायी मकानों में रहने को मजबूर हैं। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि यदि पुनर्वास के मकान तैयार हैं, तो उन्हें वहां बसाने की प्रक्रिया में इतनी देरी क्यों हो रही है?

स्थानीय लोगों के अनुसार प्रशासनिक प्रक्रिया, आपसी सहयोग और पर्याप्त जागरूकता के अभाव में वर्षों से चली आ रही समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। समय पर पहल नहीं होने से लाखों-करोड़ों रुपये की लागत से तैयार आवासीय कॉलोनी के मकानों की स्थिति भी लगातार खराब होने की आशंका बनी हुई है।

अब प्रशासन ने कहा—आने वालों का स्वागत: विस्थापन और पुनर्वास के मुद्दे पर प्रशासन की ओर से अब यह बात सामने आई है कि काठमांडू कैंप के पात्र परिवार आने को तैयार हैं तो उनका स्वागत है। प्रशासन के इस रुख के बाद अब रहवासियों को उम्मीद जगी है कि वर्षों से लंबित पुनर्वास की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। लेकिन सवाल यह भी है कि यदि प्रशासन परिवारों को बसाने के लिए तैयार है, तो पिछले कई वर्षों से तैयार पड़े आवासों में अब तक परिवारों को क्यों नहीं बसाया गया ?

15 वर्षों से विस्थापन की राह देख रहे: काठमांडू और आकाशनगर के रहवासी करीब 15 वर्षों से विस्थापन और स्थायी पुनर्वास की उम्मीद लगाए बैठे हैं। चुनाव के समय यह मुद्दा राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों के लिए प्रमुख चुनावी वादों में शामिल रहता है। रहवासियों का आरोप है कि चुनाव समाप्त होते ही उनके विस्थापन के वादे भी पीछे छूट जाते हैं।

अब रहवासियों की मांग है कि प्रशासन तत्काल पात्र परिवारों का सर्वे कर सूची स्पष्ट करे, पुनर्वास प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से पूरा करे और तैयार आवासों में प्रभावित परिवारों को शीघ्र बसाया जाए। काठमांडू कैंप के 48 परिवारों के लिए यह केवल मकान का सवाल नहीं, बल्कि सम्मानजनक, सुरक्षित और स्थायी जीवन का सवाल है। वर्षों के इंतजार के बाद अब लोगों की नजर प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हुई है।

न्यूज गैलरी

जिले में 846.2 मिमी औसत बारिश दर्ज

सक्ती/नवप्रदेश। सक्ती जिले में 1 जून 2026 से 28 अगस्त 2026 तक 846.2 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में जिले में 10.3 मिली मीटर औसत वर्षा हुई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून 2026 से अब तक जिले के सक्ती तहसील में 764.8, मिली मीटर, जैजैपुर में 661.1, मालखरौदा में 995.7, डभरा में 921.8, नया बाराद्वार में 913.6, अड़भार में 819.5, हसौद में 759.2, चंद्रपुर में 957.9, एवं भोथिया में 822.6 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी अनुसार आज की स्थिति मे तहसील सक्ती में 12.2, मिली मीटर, जैजैपुर में 0.5, मालखरौदा में 1.0, डभरा में 21.3, नया बाराद्वार में 28.3, अड़भार में 8.3, हसौद में 0, चंद्रपुर में 17.0, एवं भोथिया में 4.2 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

रक्षाबंधन की खुशियों के बीच कविता को मिली महतारी वंदन की 31वीं किस्त

खैरागढ़/नवप्रदेश। रक्षाबंधन के पर्व पर जब बहनें अपने भाइयों की कलाई पर स्नेह और विश्वास की राखी बांधने की तैयारी कर रही हैं, वहीं महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त ने ग्राम श्यामपुर की श्रीमती कविता देवांगन की त्योहार की खुशियों को और बढ़ा दिया है। तहसील छुईखदान निवासी कविता के खाते में सहायता राशि पहुंचने से उन्हें अपनी जरूरतों और पर्व से जुड़े खर्चों की चिंता कुछ कम हुई है। कविता देवांगन के लिए महतारी वंदन योजना की राशि महिलाओं को मिलने वाली ऐसी मदद है, जिसका वे अपनी प्राथमिकता के अनुसार उपयोग कर सकती हैं। उनका कहना है कि महिलाओं के जीवन में कई ऐसी छोटी-छोटी जरूरतें होती हैं, जिनके लिए अलग से राशि जुटाना आसान नहीं होता। ऐसे समय में योजना के तहत मिलने वाली सहायता उपयोगी साबित होती है। रक्षाबंधन के अवसर पर 31वीं किस्त मिलने से कविता ने इसे पर्व की खुशियों से जुड़ा सुखद संयोग बताया। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान घर में खरीदारी और अन्य आवश्यकताओं पर खर्च बढ़ जाता है। ऐसे समय में खाते में राशि आने से उन्हें अपनी जरूरतों को पूरा करने में सुविधा मिलती है और परिवार के साथ पर्व मनाने का उत्साह भी बढ़ता है।

साइबर अपराधों से सुरक्षा के लिए चारामा पुलिस की पहल: सरपंच, पंच और ग्राम सचिवों को दिए साइबर सुरक्षा के टिप्स

चारामा/नवप्रदेश। क्षेत्र में बढ़ते ऑनलाइन अपराधों और डिजिटल ठगी पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चारामा पुलिस द्वारा 'साइबर जागृति अभियान' के तहत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक श्री निखिल राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री योगेश साहू के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी श्री हरीश पाटिल के पर्यवेक्षण में 27 अगस्त 2026 को यह अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान चारामा थाना प्रभारी श्री सुरेश राठौर, उपनिरीक्षक हेमंत मार्गिया एवं प्रधान आरक्षक लखेंद्र सोनवानी द्वारा विभिन्न बैंकों और परिसरों में चारामा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न गांवों के सरपंचों, पंचों तथा ग्राम सचिवों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। ऑनलाइन व UPI फ्रॉड से बचाव: जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को यूपीआई फ्रॉड, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक और फर्जी APK फाइल के माध्यम से होने वाली ठगी के तरीकों से अवगत कराया गया। गोपनीयता की सुरक्षा: अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से समझाइश दी कि अपना OTP, ATM PIN, CVV, पासवर्ड या बैंक से जुड़ी कोई भी गोपनीय जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। तत्काल शिकायत दर्ज कराएं: किसी भी प्रकार की साइबर ठगी का शिकार होने पर बिना समय गंवाए तत्काल पुलिस को सूचित करने और साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने कहा कि साइबर सुरक्षा केवल पुलिस की ही नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। सरपंचों और सचिवों को प्रेरित किया गया कि वे स्वयं सतर्क रहने के साथ-साथ अपने-अपने गांवों में चौपाल और बैठकों के माध्यम से ग्रामीणों एवं अपने परिवारों को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करें।

बस्तर: जिनसे कभी संघर्ष था, उन्हीं की कलाई पर बांधी राखी

चौगेल पुनर्वास केंद्र में आत्मसमर्पित माओवादियों ने डीआरजी जवानों को बांधी राखी, कहा- अब बंदूक नहीं, हुनर से संवारेंगे भविष्य

कांकेर/ नवप्रदेश। कभी जंगलों में बंदूक के साथ आमने-सामने रहने वाले हाथ आज भाईचारे और विश्वास के धागे से जुड़ गए। भानुप्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम चौगेल (मुल्ला) स्थित पुनर्वास केंद्र में आज आत्मसमर्पित माओवादियों ने जिला रिजर्व गार्ड डी आर जी के जवानों को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। यह दृश्य संघर्ष से शांति, हिंसा से मुख्यधारा और हथियार से हुनर की ओर बढ़ते बदलाव की भावुक तस्वीर बन गया।

आत्मसमर्पित माओवादी शांति कवाची ने बताया कि वह पहली बार रक्षाबंधन का त्योहार मना रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से उन्होंने राखी बनाना सीखा और आज उन्हीं हाथों से तैयार की गई राखी पुलिस जवानों की कलाई पर बांधना उनके लिए बेहद खास और भावुक अनुभव है।

उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण के बाद अब ऐसा महसूस हो रहा है कि वे वास्तव में समाज की मुख्यधारा में लौट आई हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नक्सल पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर उन्होंने आत्मसमर्पण का निर्णय लिया। पुनर्वास केंद्र में उन्हें सिलाई, काष्ठ शिल्प कला और राखी निर्माण सहित विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे भविष्य में इन हुनरों के माध्यम से सम्मानपूर्वक आजीविका चला सकें और अपने परिवार के साथ समाज में सामान्य जीवन जी सकें।

वहीं डी आर जी जवान टेकेश्वर हिचामी ने कहा कि पहले परिस्थितियां ऐसी थीं कि दोनों पक्ष बंदूक लेकर आमने-सामने रहते थे। आज वही हाथ राखी के पवित्र धागे से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, आज उनकी बांधी राखी हमारी कलाई पर है, जो भाई की लंबी उम्र और सुख-शांति की कामना का प्रतीक है। यह अपने आप में एक अलग और भावुक अनुभव है। यह रक्षाबंधन सिर्फएक पर्व का उत्सव नहीं, बल्कि बदलाव की उस कहानी का प्रतीक है, जिसमें कभी संघर्ष का हिस्सा रहे लोग आज विश्वास और भाईचारे के रिश्ते को स्वीकार कर रहे हैं। पुनर्वास और कौशल विकास के माध्यम से आत्मसमर्पित माओवादी अब अपने हाथों में हथियार की जगह हुनर लेकर नई जिंदगी की शुरुआत कर रहे हैं।कल तक आमने-सामने थे, आज एक-दूसरे की कलाई पर विश्वास का धागा है। बंदूक से राखी तक का यह सफर, शांति और पुनर्वास की नई कहानी लिख रहा है।

मूल शाला नहीं लौटे शिक्षकों को अंतिम मौका, अब होगी कार्रवाई

बस्तर संभाग में पोर्टल पर गलत जानकारी देने का मामला, वेतन भुगतान पर भी उठे सवाल

केशकाल। नव प्रदेश। 25 अगस्त को हुई बैठक में यह मामला सामने आया कि बस्तर संभाग सहित प्रदेश के कई क्षेत्रों में संलग्न शिक्षक अब तक अपनी मूल शाला में वापस नहीं लौटे हैं। इतना ही नहीं, कई मामलों में संस्था प्रमुखों द्वारा शिक्षकों को भारमुक्त नहीं किए जाने तथा संबंधित डीडीओ द्वारा पिछले तीन माह से वेतन भुगतान किए जाने की बात भी सामने आई है। इससे विभागीय व्यवस्था और शिक्षकों की वास्तविक पदस्थापना को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

विभागीय प्रक्रिया के अनुसार संस्था प्रमुख को पहले विभागीय पोर्टल पर सेटअप की सही प्रविष्टि करनी होती है। इसके बाद डीडीओ द्वारा जानकारी प्रमाणित की जाती है और जिला शिक्षा अधिकारी उसे पुनः प्रमाणित कर संचालनालय को भेजते हैं। आरोप है कि कई स्थानों पर इस प्रक्रिया में सही जानकारी दर्ज और प्रमाणित नहीं की जा रही है, जिसके कारण प्रदेश में कार्यरत एवं संलग्न शिक्षकों का वास्तविक आंकड़ा सामने नहीं आ पा रहा है। इसी स्थिति को गंभीरता से लेते हुए संचालनालय शिक्षा विभाग, नवा रायपुर ने पत्र क्रमांक 123/471, दिनांक 27 अगस्त 2026 के माध्यम से सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से जानकारी अंतिम बार मांगी है। अब विभागीय स्तर पर गलत जानकारी देने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की संभावना बढ़ गई है। छत्तीसगढ़ शिक्षक फेडरेशन ने मांग की है कि विभागीय जानकारी सही ढंग से उपलब्ध नहीं कराने वाले संस्था प्रमुखों एवं संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। साथ ही मूल शाला में वापस नहीं लौटने वाले शिक्षकों का वेतन डीपीआई के पूर्व निर्देशानुसार रोका जाए। अब निगाहें बस्तर संभाग के उन विकासखंडों पर हैं,जहां अभी भी ऐसे शिक्षक मूल शाला में वापस नहीं लौटे हैं। अंतिम मौका मिलने के बाद शिक्षक लौटते हैं या अधिकारियों की लापरवाही के चलते मामला बड़ी कार्रवाई तक पहुंचता है,यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। 25 अगस्त की बैठक में मामला सामने आया मूल शाला नहीं लौटे शिक्षकों की स्थिति पर चिंता जताई गई पोर्टल पर सही जानकारी दर्ज एवं प्रमाणित नहीं होने की बात सामने आई। 27 अगस्त को डीपीआई ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से अंतिम रिपोर्ट मांगी अब संबंधित शिक्षकों और अधिकारियों पर कार्रवाई की संभावना।

इंस्टाग्राम रील ने खोला वन्यजीव शिकार का राज!

गोह का शिकार कर मांस को खाया और वीडियो बनाया, तीन आरोपी गिरफ्तार

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। जंगल में वन्यजीव का शिकार कर उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करना तीन लोगों को भारी पड़ गया। इंस्टाग्राम पर वायरल हुई रील वन विभाग के लिए सुराग बनी और साइबर सेल की मदद से शिकारियों तक टीम पहुंच गई।

वायरल वीडियो के आधार पर साइबर सेल ने आरोपियों की पहचान की। इसके बाद खुंटेपाल-श्यामगिरी क्षेत्र में वन विभाग की संयुक्त टीम ने सर्च अभियान चलाया। बचेली रेंजर डॉ. प्रीतेश कुमार पाण्डेय एवं दंतेवाड़ा रेंजर श्री चंद्रहास ठाकुर के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को हिरासत में लिया।

तीर-धनुष के साथ पकड़े गए आरोपी: वन विभाग के अनुसार आरोपियों पर इंडियन मॉनिटर लिजार्ड (गोह) का शिकार करने, उसका मांस खाने और पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप है।

कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से तीर-धनुष सहित अन्य हथियार भी जब्त किए गए। पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा वन्यजीव की हत्या करना स्वीकार किए जाने की बात वन विभाग ने बताई है।

सोशल मीडिया बना सबूत, तीनों आरोपी पहुंच गए न्यायिक रिमांड पर

वन्यजीव शिकार को छिपाकर रखने के बजाय सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करना आरोपियों के लिए सबसे बड़ा सुराग बन गया। वन विभाग ने मामले में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की है। आरोपियों के विरुद्ध धारा 9, 39(1)(घ), 3(क), 3(ख), 3(ग), 48(क), 50, 51 एवं 52 के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

वन्यजीवों के शिकार पर विभाग की पैनी नजर

इस कार्रवाई से साफ है कि जंगल में वन्यजीवों का शिकार कर उसे सोशल मीडिया पर प्रदर्शित करना अब अपराधियों के लिए मुसीबत का कारण बन सकता है। एक वायरल रील ने पूरे मामले की कड़ी जोड़ दी और वन विभाग की टीम आरोपियों तक पहुंच गई। वन विभाग की इस कार्रवाई से अवैध वन्यजीव शिकार करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

योजनाओं से मिला संबल, आरती टांडेकर ने संजोई बेटी के स्वस्थ भविष्य की उम्मीद

प्रधानमंत्री मातृ वंदना एवं मिनीमाता महतारी जतन योजना से मिला 25 हजार रुपये का लाभ

एक वर्ष पहले कराया था श्रम विभाग में पंजीयन

आरती ने बताया कि उन्होंने लगभग एक वर्ष पहले श्रम विभाग में अपना पंजीयन कराया था, जिसके तहत मिनीमाता महतारी जतन योजना का लाभ मिला है। बेटी के जन्म के बाद उन्हें इस योजना के तहत 20 हजार रुपए की सहयोग राशि प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि समय पर मिली यह सहायता उनके परिवार के लिए उपयोगी साबित हुई और इससे बेटी के पोषण एवं देखभाल में मदद मिली।

राजनांदगांव/नवप्रदेश। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं गर्भवती एवं शिशुवती माताओं तथा नवजात बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण के लिए महत्वपूर्ण सहारा बन रही हैं। डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम ढारा निवासी श्रीमती आरती टाण्डेकर को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं मिनीमाता महतारी जतन योजना का लाभ मिलने से उन्हें आर्थिक संबल मिला है। दोनों योजनाओं से प्राप्त कुल 25 हजार रूपए की राशि का उपयोग उन्होंने अपनी और अपनी बेटी के पोषण एवं आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में किया। इससे मां और बेटी दोनों के स्वास्थ्य एवं पोषण को बेहतर बनाने में मदद मिली। आरती टाण्डेकर ने अपनी प्रथम गर्भावस्था के दौरान पुत्री पूर्वी टाण्डेकर को जन्म दिया। बेटी के जन्म के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं मिनीमाता महतारी जतन योजना के लिए आवेदन किया। पात्रता के अनुसार उन्हें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से 5 हजार रूपए तथा मिनीमाता महतारी जतन योजना से 20 हजार रूपए की सहयोग राशि प्राप्त हुई। श्रीमती आरती ने बताया कि योजनाओं से मिली राशि उनके परिवार के लिए काफी उपयोगी रही। उन्होंने इस राशि का उपयोग अपने एवं अपनी बेटी के पोषण तथा आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में किया। उन्होंने शासन की इन योजनाओं के प्रति खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आर्थिक सहायता मिलने से बेटी की देखभाल और पोषण में काफी मदद मिली है। आरती टाण्डेकर ने कहा कि शासन की योजनाएं पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

एकलौते भाई की कलाई पर राखी बांध बहनों ने दी अंतिम विदाई

बीएसपी गोद ग्रामों में स्वास्थ्य सुविधाओं के दावों पर उठे सवाल, समय पर उचित इलाज नहीं मिलने का आरोप

अंतागढ़/नवप्रदेश। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के प्रेम और भाई की लंबी उम्र की कामना का प्रतीक माना जाता है। लेकिन अंतागढ़ विकासखंड के रावघाट प्रभावित ग्राम फूलपाड़ में इस बार रक्षाबंधन का दिन एक परिवार के लिए जिंदगी भर का दर्द बन गया। जहां अन्य बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना कर रही थीं, वहीं तीन बहनों ने अपने 12 वर्षीय एकलौते भाई हेमराज कुमेटी की कलाई पर राखी बांधकर उसे अंतिम विदाई दी। परिजनों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि समय पर उचित उपचार और बेहतर चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने के कारण मासूम की जान चली गई। इस घटना ने रावघाट क्षेत्र में बीएसपी प्रबंधन द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर किए गए दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गंभीर बीमारी के बावजूद सामान्य दवाएं देने का आरोप: परिजनों का आरोप है कि भीषण स्वास्थ्य समस्या की जानकारी मिलने के बावजूद बच्चे को उचित विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध नहीं कराया गया। आरोप है कि वहां से उसे छोटे बच्चों को दी जाने वाली एंटीबायोटिक के साथ खांसी और बुखार की दवाएं दी गईं तथा आगे के उपचार के लिए भेजा गया। परिजनों के मुताबिक, बच्चे को बेहतर इलाज के लिए भिलाई सेक्टर-9 अस्पताल रेफर कराने की बात सामने आई, जिसके बाद उसे पुनः दंडकवन स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। लेकिन यहां रेफर करने की प्रक्रिया और अधिकार को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी।

रेफर करने के अधिकार को लेकर खड़े हुए सवाल: परिजनों और स्थानीय लोगों का कहना है कि जब बच्चे की हालत गंभीर थी, तब उसे तत्काल उच्चस्तरीय अस्पताल भेजने की व्यवस्था होनी चाहिए थी। आरोप है कि दंडकवन स्वास्थ्य केंद्र में बच्चे को रेफर करने के अधिकार और प्रक्रिया को लेकर असमंजस्ता जताई गई। इसी देरी के कारण बच्चे के परिजन उचित इलाज के लिए इधर-उधर भटकते रहे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा और विशेषज्ञ उपचार मिल जाता तो संभवतः मासूम की जान बचाई जा सकती थी। हालांकि, इन आरोपों पर संबंधित स्वास्थ्य केंद्र और बीएसपी प्रबंधन का पक्ष लिया जाना आवश्यक है।

तीन बार ले जाया गया स्वास्थ्य केंद्र

परिजनों के अनुसार, हेमराज कुमेटी की तबीयत बिगड़ने पर उसे इलाज के लिए दंडकवन स्थित स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। बताया गया कि बच्चे को अलग-अलग समय पर तीन बार स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, लेकिन उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए समय पर आवश्यक विशेषज्ञ उपचार और जांच की व्यवस्था नहीं हो सकी। जब बच्चे की हालत अधिक बिगड़ गई तो परिजन बेहतर इलाज की उम्मीद में उसे नारायणपुर स्थित आश्रम लेकर पहुंचे। वहां बच्चे का एक्स-रे कराया गया। परिजनों के अनुसार, जांच के दौरान यह जानकारी सामने आई कि बच्चे के हृदय में छेद होने की समस्या है।

अंतागढ़ में नए कलेक्टर कुंदन कुमार से विकास की नई आस

अंतागढ़/नवप्रदेश। कांकेर जिले में नए कलेक्टर कुंदन कुमार के पदभार ग्रहण करने के बाद से जिले के दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों के विकास को लेकर लोगों में नई उम्मीद जगी है। विशेष रूप से अंतागढ़ क्षेत्र में लंबे समय से लंबित समस्याओं और विकास कार्यों पर प्रशासन का ध्यान केंद्रित होने से क्षेत्रवासियों को राहत मिलने की उम्मीद दिखाई दे रही है।

अंतागढ़ क्षेत्र में आए दिन विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर आंदोलन एवं प्रदर्शन होते रहे हैं। सड़क, स्वास्थ्य, आवागमन और अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर स्थानीय लोगों की लंबे समय से मांग रही है। ऐसे में नए कलेक्टर द्वारा पदभार संभालते ही दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों का दौरा करना और सीधे ग्रामीणों एवं स्थानीय लोगों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को जानना प्रशासन की गंभीरता को दर्शाता है। विगत दिवस कांकेर जिले के नए कलेक्टर कुंदन कुमार ने पदभार संभालने के बाद जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों का दौरा किया, जिसमें अंतागढ़ क्षेत्र भी शामिल रहा। इस दौरान वे रावघाट पहुंचे और वहां ग्रामीणों के साथ बैठकर क्षेत्र की समस्याओं, आवश्यकताओं और मांगों पर विस्तार से चर्चा की। कलेक्टर ने ग्रामीणों की बातों को सुना और क्षेत्र की वास्तविक स्थिति को समझने का प्रयास किया।

रेलवे अंडरब्रिज में तीन फीट पानी, जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार कर रहे लोग

अनूपपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर-कटनी रेल मार्ग पर स्थित रेलवे अंडरब्रिज क्रमांक 60 इन दिनों आसपास के ग्रामीणों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बने हुए हैं।

बरसात के मौसम में अंडरब्रिज क्रमांक 60 में तीन फीट से अधिक पानी भर जाने के कारण ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों, शिक्षकों-कर्मचारियों और राहगीरों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या से हर्री, बर्री, भगतबांध, सेन्दुरी, चरतरिहा, बिजौड़ी, जल्दा टोला, पसला, मयटोला, मौहरी, अमगवां, महुदा, चांदपुर, छकाड़िया सहित लगभग 15 से 20 गांवों की आबादी प्रभावित हो रही है। इन गांवों के लोगों के लिए अनूपपुर शहर से जुड़ने का यह प्रमुख मार्ग है, लेकिन अंडरब्रिज में पानी भरने के कारण सामान्य आवागमन तक मुश्किल हो गया है। यदि पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं की गई और किसी दिन रेलवे ट्रैक पार करते समय कोई दुर्घटना हो गई तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा ?अंडरब्रिज क्रमांक 60 से जुड़ा बिलासपुर-कटनी मार्ग का रेलवे रोड भी वर्तमान में अत्यंत जर्जर हालत में है। बारिश के कारण पूरी सड़क कीचड़ में तब्दील हो चुकी है, जिससे पैदल चलना और दोपहिया अथवा अन्य वाहनों से आवागमन करना मुश्किल हो गया है। एक ओर अंडरब्रिज में पानी भरा है, वहीं दूसरी ओर वैकल्पिक मार्ग की स्थिति भी बदहाल है। ग्रामीणों का आरोप है कि इतनी संवेदनशील और वर्षों से आवागमन से जुड़ी समस्या होने के बावजूद रेलवे विभाग द्वारा स्थायी समाधान की दिशा में गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। बरसात शुरू होने के बाद भी पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होना विभागीय उदासीनता को दर्शाता है। ग्रामीणों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि अंडरब्रिज क्रमांक 60 में तत्काल पानी निकासी की स्थायी व्यवस्था की जाए, जलभराव की समस्या का तकनीकी समाधान कराया जाए तथा बिलासपुर-कटनी मार्ग से जुड़े जर्जर रेलवे रोड को तत्काल आवागमन योग्य बनाया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल सड़क और पानी की समस्या नहीं, बल्कि लगभग 15-20 गांवों के हजारों लोगों की सुरक्षा और रोजमर्रा के आवागमन से जुड़ा गंभीर मामला है। रेलवे प्रशासन को समय रहते ठोस कदम उठाना चाहिए, ताकि किसी संभावित दुर्घटना के बाद व्यवस्था जागने की स्थिति निर्मित न हो।

ट्रैक पार करना किसी बड़े हादसे का निमंत्रण

ग्रामीणों का कहना है कि अंडरब्रिज में कई दिनों तक पानी जमा रहने से लोग मजबूरी में रेलवे ट्रैक पार कर आवागमन करते हैं। सबसे अधिक चिंता विद्यालय जाने वाले छात्र-छात्राओं, किसानों, कर्मचारियों, शिक्षकों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर है। ट्रैक पर ट्रेनों का आवागमन लगातार बना रहता है, ऐसे में रेलवे ट्रैक पार करना किसी बड़े हादसे को निमंत्रण देने से कम नहीं है।

न्यूज गैलरी

वित्त मंत्री ने किया सिंदूर पार्क का निरीक्षण

रायगढ़/नवप्रदेश। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने बुधवार को रायगढ़ स्थित सिंदूर पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने पार्क में अब तक किए गए निर्माण एवं विकास कार्यों का जायजा लेते हुए इसके बेहतर संचालन तथा आम नागरिकों के लिए सुविधाओं के विस्तार के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री ने सिंदूर पार्क परिसर में ध्वजारोहण के लिए स्थल विकसित करने तथा ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी को स्थायी रूप से प्रदर्शित करने के लिए शिलालेख लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में पौधरोपण, घास एवं हरित क्षेत्र विकसित करने के साथ ही आम नागरिकों के लिए आवश्यक सुविधाओं का विस्तार करने पर भी जोर दिया वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य, साहस और पराक्रम का महत्वपूर्ण प्रतीक है। पिछले वर्ष पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादी ठिकानों के विरुद्ध यह कार्रवाई की थी। रायगढ़ में विकसित किया जा रहा सिंदूर पार्क इसी वीरता और पराक्रम की स्मृति को जनमानस से जोड़ने का प्रयास है। उन्होंने पार्क के विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने और परिसर को आकर्षक स्वरूप देने के निर्देश दिए, ताकि यह वीर जवानों के शौर्य को नमन करने के साथ-साथ शहरवासियों के लिए उपयोगी एवं आकर्षक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित हो सके। इस अवसर पर नगर निगम महापौर श्री जीवर्धन चौहान, सभापति श्री डिग्री लाल साहू, पार्षदगण एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अम्बिकापुर-दुर्ग ट्रेन की लेटलतीफी से यात्री परेशान, आंदोलन की चेतावनी

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। सरगुजा को राजधानी रायपुर और दुर्ग से जोड़ने वाली अम्बिकापुर-दुर्ग ट्रेन की लगातार लेटलतीफी से यात्री परेशान हैं। यात्रियों के अनुसार पिछले करीब तीन महीनों से ट्रेन रोजाना 3 से 4 घंटे देरी से रायपुर और दुर्ग पहुंच रही है। ट्रेन के अम्बिकापुर से रात 10:30 बजे रवाना होने के बाद रायपुर पहुंचने का निर्धारित समय सुबह 8:45 बजे और दुर्ग पहुंचने का समय 9:55 बजे है, लेकिन कई दिनों में ट्रेन दोपहर तक पहुंच रही है। यात्रियों और कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मालगाड़ियों, विशेषकर कोयला परिवहन को प्राथमिकता देने के कारण यात्री ट्रेनों को रास्ते में रोक दिया जाता है। लेटलतीफी से कनेक्टिंग ट्रेन और फ्लाइट छूटने के साथ छात्रों की परीक्षाएं प्रभावित हो रही हैं। मरीज भी समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पा रहे हैं। कांग्रेस ने रेलवे से व्यवस्था सुधारने की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है।

महिला से छेड़खानी और मारपीट के आरोप में सरपंच समेत 4 गिरफ्तार

रायगढ़/नवप्रदेश। अभियान 'संवेदना' के तहत जोबी पुलिस ने महिला के घर में घुसकर गाली-गलौज, मारपीट, छेड़खानी और अभद्रता करने के मामले में ग्राम ओंगना के सरपंच समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 28 अगस्त को 50 वर्षीय महिला ने शिकायत दर्ज कराई कि 27 अगस्त की रात अमित राठिया, अनिल कुमार राठिया, धनसिंह राठिया और इगेन्द्र राठिया उसके घर पहुंचे। आरोपियों ने पूर्व रंजिश को लेकर मारपीट और जान से मारने की धमकी दी। महिला ने कपड़े खींचकर उतारने का प्रयास करने तथा घटना का मोबाइल से वीडियो बनाने का भी आरोप लगाया। शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज किया। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन भी जब्त किया है।

शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष ने उद्यानिकी विभाग की ली समीक्षा बैठक

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष राजेन्द्र नायक 25 एवं 26 अगस्त 2026 को सरगुजा जिले के दो दिवसीय प्रवास पर रहे। उनके साथ बोर्ड के सदस्य बसंत पटेल, प्रेम पटेल, प्रेमलाल पटेल एवं संतोष पटेल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रवास के दौरान उन्होंने शासकीय उद्यान रोपणी अम्बिकापुर एवं फुली आटोमेटिक प्लग टाईप सीडलिंग यूनिट का निरीक्षण किया। ततपश्चात उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों एवं कृषकों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप संचालक उद्यान हितेन्द्र कुमार मेश्राम द्वारा जिले में संचालित उद्यानिकी योजनाओं, फसलों के क्षेत्र विस्तार तथा कृषकों को योजनाओं से लाभान्वित किए जाने की जानकारी दी गई। अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा लाभान्वित कृषकों से योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में चर्चा की गई। नायक ने कहा कि जिले में उद्यानिकी विभाग के कार्यों की प्रगति बेहतर पाई गई है। उन्होंने अधिकारियों को छोटे एवं सीमांत कृषकों को उद्यानिकी फसलों के लिए निरंतर प्रोत्साहित करने तथा नवीन कृषकों को विभागीय योजनाओं का नियमानुसार लाभ दिलाने के निर्देश दिए। साथ ही उत्पादित उद्यानिकी फसलों के लिए उचित बाजार एवं बेहतर विपणन व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा, जिससे कृषकों की आय में वृद्धि हो सके तथा उद्यानिकी क्षेत्र को और सुदृढ़ किया जा सके।

नमनाकला में सड़क पर लटक रहा था बिजली का तार

राखी के दिन टूटा हाईटेंशन तार, चपेट में आने से 8 वर्षीय मासूम की मौत

■ **साइकिल से गुजरते समय हादसा; बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल**

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। राखी के त्योहार के दिन नमनाकला इलाके में एक दर्दनाक हादसे ने परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। कार्मेल स्कूल के समीप खंभे से टूटकर नीचे लटक रहे हाईटेंशन बिजली तार की चपेट में आने से 8 वर्षीय मासूम चिराग सिंह की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजन उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार नमनाकला निवासी चिंटू सिंह का 8 वर्षीय पुत्र चिराग सिंह साइकिल से कहीं जा रहा था। इसी दौरान कार्मेल स्कूल के पास सड़क के नजदीक लटक रहे हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। करंट की चपेट में आने से बच्चा गंभीर रूप से झुलस गया।

घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और परिजनों ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। त्योहार की खुशियां मातम में बदलीं राखी के दिन हुए इस हादसे से चिराग के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। जिस दिन घर में भाई-बहन के प्रेम का त्योहार मनाया जाना था, उसी दिन परिवार को मासूम की मौत की खबर मिली। घटना की जानकारी के बाद इलाके में भी शोक का माहौल है। टूटे तार की मौजूदगी ने खड़े किए सुरक्षा पर सवाल घटना के बाद बिजली विभाग की कार्यप्रणाली और विद्युत लाइनों के रखरखाव को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि हाईटेंशन तार टूटकर सड़क के समीप लटक रहा था तो समय रहते उसे सुरक्षित क्यों नहीं किया गया? सार्वजनिक आवाजाही वाले क्षेत्र में इस तरह खुले तार का होना गंभीर सुरक्षा खतरा है। शहर के विभिन्न इलाकों में झूलते और क्षतिग्रस्त बिजली तारों को लेकर समय-समय पर शिकायतें सामने आती रही हैं। नमनाकला की घटना ने विद्युत लाइनों के नियमित निरीक्षण और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जरूरत को फिर सामने ला दिया है।

परिवार की छीन ली खुशियां

बिजली का तार टूटने जैसी स्थिति में लोगों को, स्थानीय जनप्रतिनिधि को, तत्काल उसकी सूचना और आसपास के लोगों को भी सतर्क करना चाहिए। बिजली विभाग को सूचना देकर विद्युत आपूर्ति बंद कराने तथा तार को सुरक्षित तरीके से हटाने की कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं, ऐसे संवेदनशील स्थानों पर विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण और समयबद्ध मेंटेनेंस किया जाना भी आवश्यक है। आठ वर्षीय चिराग की मौत ने एक परिवार से उसकी खुशियां छीन लीं। अब सवाल यह है कि हादसे के लिए जिम्मेदारी तय होगी और शहर में खुले व जर्जर विद्युत तारों को लेकर ठोस कार्रवाई कब होगी।

स्वास्थ्य मंत्री के बयान के विरोध में एनएसयूआई ने दी सामूहिक गिरफ्तारी

मनेंद्रगढ़/नवप्रदेश। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को 'दिमागी नक्सली' कहे जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस बयान के विरोध में एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने थाना कोतवाली मनेंद्रगढ़ पहुंचकर सामूहिक गिरफ्तारी दी।विवाद की शुरुआत तब हुई जब स्वास्थ्य मंत्री ने सवाल उठाने वाले छात्रों को 'दिमागी नक्सली' की संज्ञा दी थी। इस पर पलटवार करते हुए प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे ने कहा कि एमबीबीएस प्रवेश में कथित फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बाहर के छात्रों को प्रवेश दिए जाने के गंभीर आरोप सामने आए हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने अधिकारों के लिए सवाल पूछने वाले छात्रों को इस तरह की भाषा से अपमानित करना लोकतांत्रिक रूप से अस्वीकार्य है।पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने कहा कि युवाओं की आवाज को दबाना अनुचित है और सरकार को पारदर्शी तरीके से काम करना चाहिए। वहीं, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष सौरव मिश्रा ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मंत्री को इस प्रकार की बयानबाजी के बजाय अपने स्वास्थ्य विभाग की बदहाल व्यवस्था और जनता की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जिस युवा शक्ति ने सरकार को सत्ता सौंपी है, वह लोकतांत्रिक तरीके से सवाल पूछना बंद नहीं करेगी।संगठन ने स्पष्ट किया कि छात्रों और युवाओं के सम्मान, अधिकार एवं भविष्य से जुड़े मुद्दों पर संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। 'छात्र सवाल पूछेंगे, युवा जवाब मांगेंगे और लोकतांत्रिक तरीके से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

आज नीट-पीजी परीक्षा

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। नीट-पीजी की परीक्षा 30 अगस्त 2026 को अंबिकापुर में आयोजित होगी।

परीक्षा का आयोजन लाईवलीहुड कॉलेज अंबिकापुर परीक्षा केंद्र में किया जाएगा। परीक्षा का समय सुबह 09:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक निर्धारित है। परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों का प्रवेश सुबह 07:00 बजे से शुरू होगा।

अभ्यर्थियों को निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने तथा प्रवेश संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

सावन के अंतिम दिन शिवालयों में उमड़ी आस्था

लखनपुर/नवप्रदेश। शिव आराधना का पवित्र महीना सावन के अंतिम दिन शिवालयों में उमड़ी आस्था की भीड़ शिव भक्तों ने अपने आराध्य भगवान शिव शंकर की पूरी तन्मयता से दर्शन पूजन किये। देवी देवताओं के प्रतिमाओं पर रक्षा सूत्र अर्पित कर अपनी तथा सबकी सुरक्षा के लिए भगवान से प्रार्थना किये युगों से चली आ रही परंपरानुसार पूर्णिमा तिथि पर बहनों ने भाईयो के कलाईयों पर राखी बांध कर दिर्घायु होने की कामना से भाईयों के माथे पर मंगल तिलक लगाकर कलाईयों में रक्षा सूत्र बांधे। इसी तारतम्य में सत्यनारायण व्रत कथा हवन आरती पूर्णाहुति जैसे विभिन्न धार्मिक आयोजन भी हुए।

मानस मंडली सदस्यों द्वारा स्वयं -भू -शिव मंदिर लखनपुर में एक महीने तक भगवान शिव शंकर को पढ़कर सुनाया जाने वाला तुलसी कृत रामायण मासपरायण का विधिवत समापन हुआ। दरअसल रामायण में वर्णित 30 मास परायण है जिसे सामुहिक रूप से एक मास परायण पढ़कर नित्य प्रति सायकालिन भगवान भोलेनाथ को सुनाई जाती है। महिने के आखिरी में मास परायण पठन पाठन का यह दौर भी समाप्त हुआ ।

महतारी वंदन योजना की राशि मिलने से अपार खुशी मिली

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले महतारी वंदन योजना की राशि मिलने से जिले की महिलाओं में त्यौहार की खुशियां बढ़ी हैं। लखनपुर विकासखंड ग्राम पंचायत पुहपुटरा की रहने वाली पती बाई ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु भैया की सरकार द्वारा महतारी वंदन योजना के तहत उनके खाते में हर माह 1,000 की राशि अंतरित की जाती है। इस राशि से वे अपने भाई के लिए राखी और मिठाई खरीदकर रक्षाबंधन का पर्व उत्साहपूर्वक मना रहे हैं। पती बाई ने कहा कि रक्षाबंधन से पहले

महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त खाते में आने से उन्हें विशेष खुशी हुई है। उन्होंने बताया कि इस राशि का उपयोग वे अपने भाई के लिए राखी और मिठाई खरीदने में करेंगी। उनके लिए यह राशि रक्षाबंधन के अवसर पर मिले उपहार के समान है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु भैया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक संबल देने के लिए चलाई जा रही महतारी वंदन योजना से उन्हें नियमित रूप से सहायता मिल रही है। रक्षाबंधन जैसे पारिवारिक और भावनात्मक पर्व के अवसर पर समय से राशि मिलने से वे अपने भाई के प्रति स्नेह और प्रेम के इस पर्व को खुशी के साथ मना पा रही हैं। पती बाई ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'विष्णु भैया का बहुत-बहुत धन्यवाद। राखी के पहले भाई के लिए राखी बांधने और मिठाई खरीदने के लिए राशि मिल गई।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचे

अनूपपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर रत्नाकर झा ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा संचालित योजनाओं तथा विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर झा ने जिले में खाद्यान्न की पर्याप्त उपलब्धता, सुगम वितरण व्यवस्था तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर झा ने जिले में स्थित गोदामों की भंडारण क्षमता, खाद्यान्न की उपलब्धता, उठाव एवं वितरण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से प्रतिमाह किए जा रहे खाद्यान्न वितरण के साथ ही छात्रावासों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं मध्यान्ह भोजन योजना के लिए खाद्यान्न आपूर्ति की स्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर झा ने क्षेत्र में चावल की मांग, प्रचलन एवं वास्तविक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त मात्रा में चावल की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आवश्यकता के अनुरूप शासन को शीघ्र मांग पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए।

आवासीय विद्यालय का निरीक्षण: शिक्षा, भोजन में लापरवाही न बरतें

सक्ती/नवप्रदेश। नवपदस्थ कलेक्टर जयश्री जैन ने आज सुबह संयुक्त एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पलाड़ीखुर्द का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, छात्रावास, भोजन, पेयजल, साफ-सफाई, विधार्थियो के स्वास्थ्य एवं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अन्य सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। कलेक्टर ने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग एवं एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पलाड़ीखुर्द के प्रबंधन व

शिक्षकों को विद्यार्थियों की सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के स्पष्ट निर्देश दिए है। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए है कि बच्चों के भोजन की गुणवत्ता और शिक्षा की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। विद्यार्थियों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ शिक्षण कार्य को प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाए रखने पर विशेष जोर दिया जाए। कलेक्टर जैन ने कहा कि आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की समय-समय पर सामान्य काउंसलिंग, करियर काउंसलिंग एवं हेल्थ चेकअप कराया जाए, ताकि विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति के साथ साथ उनके स्वास्थ्य और भविष्य की आवश्यकताओं पर भी ध्यान देकर बेहतर दिशा दिया जा सके। उन्होंने बच्चों को उनकी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप बेहतर करियर विकल्पों के संबंध में मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर जैन ने आवासीय विद्यालय मे अध्ययनरत विधार्थियो की कक्षा 9वी, 11वी और 12वी के कक्षाओं का निरीक्षण कर छात्र छात्राओं से उनकी शिक्षा व स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली।

योजना

गांव में ही मिलेगी शासकीय सेवाओं की सुविधा

'सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान' ग्रामीण सचिवालय का शुभारंभ

रायगढ़/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सुशासन को गांव-गांव तक पहुंचाने और प्रत्येक पात्र हितग्राही को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से शुरू किए जा रहे 'सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान' के तहत आज जनपद पंचायत तमनार के ग्राम पंचायत महलोई में ग्रामीण सचिवालय का भव्य शुभारंभ किया गया। ग्रामीण सचिवालय के माध्यम से अब ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय कार्यों के लिए अनावश्यक रूप से जनपद या जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष दीपक सिदार, जिला पंचायत सदस्य रमेश बेहरा एवं ग्राम पंचायत महलोई की सरपंच गौरी राठिया प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। इस अवसर पर एसडीएम प्रवीण तिवारी, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं उपसंचालक पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग नीलाराम पटेल, जनपद पंचायत तमनार के मुख्य कार्यपालन अधिकारी धर्मेन्द्र वैस, तहसीलदार शिवम पाण्डेय एवं नायब तहसीलदार पंकज मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष दीपक सिदार ने कहा कि ग्रामीण सचिवालय गांव के लोगों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा है। अब छोटे-छोटे शासकीय कार्यों के लिए

ग्रामीणों को दूर जाने की जरूरत नहीं होगी। इससे उनका समय, श्रम और धन बचेगा। उन्होंने कहा कि 'सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान' का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने ग्रामीणों से ग्रामीण सचिवालय की सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। ग्रामीण सचिवालय के माध्यम से ग्रामीणों को आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित सुविधा गांव में ही उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। शुभारंभ कार्यक्रम में पंचायत सचिव, पटवारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने ग्रामीणों से सीधे आवेदन प्राप्त किए और विभिन्न प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया शुरू की। इस दौरान ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

हर परिवार तक योजनाओं को पहुंचाना लक्ष्य: विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए केवल अधोसंरचना का विकास पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक परिवार तक शासन की योजनाओं की प्रभावी और समयबद्ध पहुंच भी सुनिश्चित करना आवश्यक है।

संत रविदास के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने भाजपा ने किया कलश वितरण कार्यक्रम

मुंगेली/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार संत शिरोमणि रविदास जी की जन्मभूमि गोवर्धनपुर, वाराणसी की पवित्र मिट्टी का कलश वितरण कार्यक्रम जिला भाजपा कार्यालय अटल परिसर, मुंगेली में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता, समानता, एकता और सनातन समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से संत रविदास के विचारों एवं उनके सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर संत समाज एवं विभिन्न सामाजिक वर्गों से आए प्रतिनिधियों सहित भाजपा के जिला, मंडल, मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास का जीवन सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का प्रेरणादायी उदाहरण है। चर्मकार समाज में जन्म लेकर उन्होंने अपने विचारों और आध्यात्मिक साधना से पूरे देश और दुनिया को सामाजिक एकता का संदेश दिया। आज उनकी 650वीं जयंती वर्ष में हम उनके जीवन और विचारों का स्मरण कर रहे हैं, यह हमारी सनातन संस्कृति की महानता और

संत-महात्माओं के प्रति सम्मान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि संत रविदास ने अपने पूरे जीवन संघर्ष करते हुए समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त करने का संदेश दिया। उन्होंने यह भाव स्थापित किया कि हम सभी एक ही मिट्टी से जन्मे हैं, हमारे शरीर में एक ही रक्त प्रवाहित होता है, इसलिए मनुष्य-मनुष्य में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। संत रविदास जी का संदेश आज भी प्रासंगिक है। उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कि वर्तमान समय में देश को कमजोर करने के लिए अनेक शक्तियां समाज में विभाजन पैदा करने का प्रयास कर रही हैं। ऐसे समय में संत रविदास जी के विचार हमें एकजुट होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। समाज की एकता और समरसता ही राष्ट्र की शक्ति है। विधायक पुन्नूलाल मोहले ने कहा कि समाज में समरसता, एकता और समानता को मजबूत करने के लिए संत शिरोमणि रविदास की जन्मस्थली गोवर्धनपुर, वाराणसी की पवित्र मिट्टी को कलश के रूप में देशभर में पहुंचाया जा रहा है। इस पवित्र मिट्टी का पूजन किया जाएगा और आगामी छह माह तक संत रविदास जी के जीवन, संघर्ष, विचार एवं संदेश पर चर्चा करते हुए उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडे, पूर्व सांसद लखनलाल साहू, रामकमल सिंह, चितरेखा जांगड़े, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शैलेष पाठक, गिरीश शुक्ला, कोमल गिरी गोस्वामी, नरेंद्र शर्मा, राजेंद्र वैष्णव, दीनानाथ उपाध्याय, सौरभ बाजपेयी सहित अन्य मौजूद रहे।

न्यूज गैलरी

बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधा रक्षासूत्र

मुंगेली/नवप्रदेश। क्षेत्र में रक्षाबंधन का पर्व शुक्रवार को उत्साह से मनाया गया। बहनें सजधज कर अपने भाईयों को अक्षत

कुमकुम का तिलक लगाकर प्रेम के साथ कलाई में रक्षासूत्र बांधी। रक्षा बंधन त्यौहार को लेकर गाड़ियों में भारी भीड़ नजर आई। भाई बहनों के पवित्र प्रेम का त्यौहार श्रावणी पूर्णिमा को मनाया जाने वाला रक्षा बंधन पर्व 28 अगस्त शुक्रवार को उत्साह पूर्वक मनाया गया। आज के दिन मां लक्ष्मी राजा बली को भाई मानकर राखी बांधी है। पर्व पर बहनें सुबह से तैयार होकर अपने भाईयों को अक्षत कुमकुम का तिलक लगाकर प्रेम के साथ कलाई में रक्षासूत्र बांधती रही। बहन अपने भाई के यहां तो कई जगहों पर भाई अपने बहनों के यहां पहुंचकर इस पवित्र त्यौहार को हर्षोल्लास के साथ मनाया।

बहनों से राखी बंधवाकर केशरवानी ने दिया उपहार

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला भाजपा अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी ने अपनी बहन सहित बड़ी संख्या में बहनों से राखी बंधवाकर बहनों को उपहार दिये एवं बहनों के साथ हर सुख-दुख में खड़े रहने का संकल्प लिया और सभी लोगों को रक्षाबंधन की बधाई दी।

संगवाकापा में पौधरोपण

मुंगेली/नवप्रदेश। रक्षाबंधन त्यौहार के शुभ अवसर पर ग्राम पंचायत संगवाकापा में पीपल, बरगद, करंज, गुलमोहर, आम, सीताफ्ल, कनेर का पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर पूर्व जनपद सदस्य निरंजन साहू, उपसरपंच हेमचंद साहू, जनपद सदस्य प्रतिनिधि राजेश साहू, पंच जितेंद साहू, ज्ञानचंद साहू, जुगनू ध्रुव, संदीप साहू, संजय साहू, दिनेश साहू, अजय साहू, जितेंद साहू, भोला साहू, खेमचंद साहू, देवसिंग साहू, परमात्मा साहू, आत्मा साहू, घनश्याम देवांगन, राजकुमार साहू, अमरनाथ साहू, नारायण साहू, सुनील साहू उपस्थित थे।

पेड़ों को राखी बांधकर लिया रक्षा का संकल्प

मुंगेली/नवप्रदेश। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भटगांव में

विद्यार्थियों ने वृक्षों को राखी बांध कर मनाया रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया, इस अवसर पर स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओ के द्वारा विद्यालय परिसर में स्थित बेल, गुलमोहर, नीम के वृक्षों को राखी बाँधकर पेड़ो की रक्षा करने का संकल्प किया। शिक्षक राजेश चतुर्वेदी के द्वारा रक्षा मन्त्र मन्त्रोंच्चारण कर विद्यार्थियों ने पेड़ो को बांधी राखी, इस अवसर पर शिक्षक अमित सोनी ने विद्यार्थियों को वृक्षारोपण के साथ ही वृक्षों की रक्षा करने की बात कही, इसके अलावा स्कूली छात्राओं ने छात्रों की तिलक लगा कर एवं राखी बांध कर भाई बहन का त्यौहार रक्षाबंधन पर्व धूमधाम से मनाया, इस अवसर पर प्रधानपाठक महेंद्र ठाकुर, शिक्षक संतराम साहू, दीप्ती दुबे, सहित स्कूली विद्यार्थी उपस्थित रहें।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधी राखी

शिवरीनारायण/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत तुस्मा में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर

भाई-बहनों में खासा उत्साह नजर आया। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रंग-बिरंगी राखियां बांधकर उनके सुख, समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना की। भाइयों ने भी बहनों की रक्षा और हर सुख-दुख में साथ निभाने का संकल्प लिया। राखी बांधने के बाद भाई-बहनों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया और पर्व की खुशियां साझा कीं। पूरे गांव में दिनभर उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा। लोगों ने एक-दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। यह पर्व भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक बनकर सामने आया।

भजन संध्या का आयोजन किया

शिवरीनारायण/नवप्रदेश। श्रावण झूला महोत्सव के बीच

शिवरीनारायण धाम में संगीतमय भजन संध्या का आयोजन किया गया। खरौद धाम के कथा व्यास पं. ओम प्रकाश शर्मा ने अपनी टीम के साथ भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे मंदिर परिसर भक्तिरस में डूब गया। श्रद्धालु देर तक भजनों में लीन रहे। महोत्सव के तहत भगवान नर-नारायण को झूला झुलाने की परंपरा भी उत्साह के साथ निभाई गई। महिला टीम ने भी श्रद्धा से भगवान को झूला झुलाया। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने भगवान नर-नारायण से सुख-समृद्धि की कामना की।

साइबर जागृति अभियान' घरघोड़ा, लैलूंगा और भूपदेवपुर पुलिस की जागरूकता पहल

ऑनलाइन ठगी होने पर घबराने के बजाय तत्काल 1930 में करें शिकायत

रायगढ़/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा प्रदेश में 2 अक्टूबर तक 'साइबर जागृति अभियान' चलाया जा रहा है। अभियान के तहत रायगढ़ जिले में एसएसपी शशि मोहन सिंह के मार्गदर्शन में तैयार कार्ययोजना के अनुसार पुलिस द्वारा लगातार विभिन्न स्तरों पर साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज थाना घरघोड़ा एवं थाना लैलूंगा में क्षेत्र के ग्राम कोटवारों को आहूत कर साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया तथा अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने की जिम्मेदारी और कार्ययोजना की जानकारी दी गई।

थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक कुमार गौरव साहू द्वारा ग्राम कोटवारों की बैठक लेकर उन्हें साइबर अपराधों के बढ़ते स्वरूप और इससे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। कोटवारों को बताया गया कि साइबर ठग अलग-अलग तरीकों से लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं। इनमें फर्जी बैंक अधिकारी बनकर कॉल करना, चङ्क्ष्ट अपडेट के नाम पर लिंक भेजना, ऑनलाइन नौकरी एवं लोन का झांसा देना, फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर डिजिटल अरेस्ट की धमकी देना तथा निवेश में अधिक मुनाफे का लालच देना प्रमुख हैं।

पुलिस ने कोटवारों से कहा कि वे अपने-अपने गांवों में ग्रामीणों को समझाएं कि बैंक पासवर्ड किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें। अनजान लिंक पर क्लिक न करें और किसी के कहने पर मोबाइल में कोई संदिग्ध एप डाउनलोड अथवा स्क्रीन शेयर न करें। किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी होने पर घबराने के बजाय तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत करें तथा नजदीकी थाना/साइबर सेल को सूचना दें। ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि ठगी के तुरंत बाद शिकायत करने से रकम को होल्ड कराने की संभावना बढ़ जाती है। इसी प्रकार थाना प्रभारी लैलूंगा उप निरीक्षक गिरधारी साव द्वारा थाना परिसर में क्षेत्र के ग्राम कोटवारों की बैठक लेकर जिले में संचालित 'साइबर जागृति अभियान' की जानकारी दी गई। थाना प्रभारी ने कोटवारों को साइबर ठगों द्वारा अपनाए जाने वाले नए-नए तरीकों के बारे में बताते हुए ग्रामीणों को सतर्क करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से फर्जी कॉल, व्हाट्सएप मैसेज, सोशल मीडिया लिंक, फर्जी कस्टमर केयर नंबर, त्तक्र कोड के माध्यम से ठगी और डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी से सावधान रहने की समझाइश दी।अनजान व्यक्ति के कहने पर स्क्रीन शेयरिंग एप का उपयोग न करें और सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से प्राप्त लिंक या वीडियो कॉल से सावधान रहें। कोटवारों से आग्रह किया गया कि वे गांवों में होने वाली बैठकों, चौपालों एवं जनसंपर्क के दौरान इन महत्वपूर्ण सावधानियों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। इसी कड़ी में थाना प्रभारी भूपदेवपुर निरीक्षक रोशन कुमार कौशिक के नेतृत्व में भूपदेवपुर पुलिस द्वारा प्रतिदिन वित्तीय संस्थानों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

मुंगेली/नवप्रदेश। थाना सिटी कोतवाली में हत्या के गंभीर मामले में सत्र न्यायाधीश मुंगेली गिरिजा देवी मरावी ने आरोपी सुखचंद यादव पिता धनुष यादव, निवासी ग्राम संगवाकापा को दोषी ठहराते हुए धारा 302 भारतीय दंड विधान के तहत आजीवन कारावास एवं 500 के अर्थदंड की सजा सुनाई है। प्रकरण के अनुसार 1 अप्रैल 2024 को करीब 8 बजे आरोपी सुखचंद यादव ने गांव के बगीचा क्षेत्र में पीपल पेड़ के नीचे मालिकराम श्रीवास के साथ बांस के डंडे से मारपीट कर उसे गंभीर चोटें पहुंचाई थीं। घटना के बाद मालिकराम श्रीवास को उपचार के लिए जिला अस्पताल मुंगेली ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि आरोपी और मृतक के बीच वर्ष 2023 में भी विवाद हुआ था। अभियोजन के अनुसार इसी पुराने विवाद के चलते आरोपी ने मालिकराम श्रीवास के साथ मारपीट की, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। मामले में अभियोजन पक्ष ने आरोपी के विरुद्ध लगाए गए आरोपों को न्यायालय के समक्ष साबित करने के लिए महत्वपूर्ण साक्ष्य प्रस्तुत किए। अभियोजन द्वारा प्रकरण में कुल 31 गवाहों का न्यायालय के समक्ष परीक्षण कराया गया। साथ ही मामले से संबंधित आवश्यक तथ्यों एवं साक्ष्यों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते हुए आरोपी की अपराध में संलिप्तता साबित करने का प्रयास किया गया। अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं गवाहों के परीक्षण के आधार पर न्यायालय ने आरोपी सुखचंद यादव को हत्या के अपराध में दोषी माना और धारा 302 भारतीय दंड विधान के तहत आजीवन कारावास तथा 500 के अर्थदंड से दंडित किया। इस पूरे प्रकरण में शासन की ओर से लोक अभियोजक रजनीकांत ठाकुर ने प्रभावी पैरवी की। अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों, गवाहों एवं कानूनी तथ्यों को न्यायालय के समक्ष मजबूती से रखते हुए आरोपी के विरुद्ध अपराध सिद्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। न्यायालय के इस फैसले को गंभीर हत्या के मामले में महत्वपूर्ण निर्णय के रूप में देखा जा रहा है। मामले में न्यायालय द्वारा आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने से मृतक के परिजनों

बंदियों की सुविधाओं और विधिक सहायता का लिया जायजा

मुंगेली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली द्वारा जिला जेल मुंगेली का निरीक्षण कर बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं एवं विधिक सहायता की स्थिति का जायजा लिया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती गिरिजा देवी मेरावी के मार्गदर्शन में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीश कुमार खाखा ने जिला जेल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल में विचाराधीन बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, भोजन व्यवस्था एवं साफ्सफाई का विस्तार से जायजा लिया। उन्होंने जेल प्रशासन से बंदियों की दैनिक आवश्यकताओं एवं उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट खाखा ने बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही विधिक सहायता की स्थिति के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की तथा जिन बंदियों को विधिक सहायता की आवश्यकता है, उन्हें नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों के साथ मानवीय एवं सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए।

ब्राह्मण समाज समिति ने मनाया सावन उत्सव

मुंगेली/नवप्रदेश। अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति मुंगेली के तत्वावधान में सावन उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास और उमंग के साथ किया गया। सावन की हरियाली, श्रृंगार और पारंपरिक उल्लास से सराबोर इस आयोजन में समाज की बड़ी संख्या में बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान गीत, संगीत, नृत्य, कैटवॉक एवं विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं ने उपस्थितजनों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सुषमा श्रीकांत पाण्डेय ने की। मुख्य अतिथि नेहा आशीष तिवारी रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथि स्नेहिल पाण्डेय, विजयलक्ष्मी अवधेश शुक्ला, चंद्रकांता प्रभात तिवारी, सुधा रानी शर्मा एवं गिरिजा छत्रपाल उपाध्याय ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी बहनों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लेते हुए अपनी प्रतिभा, कला, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। सावन के पारंपरिक रंग को जीवंत करते हुए प्रतिभागियों ने गीत-संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। संचालन प्रीति शर्मा एवं कल्पना मिश्रा के द्वारा किया गया।

बहनों ने भाइयों की सुख-समृद्धि की कामना की

बाराद्वार/नवप्रदेश। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को बाराद्वार नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पूरे उमंग एवं उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही नगर और गांवों में पर्व को लेकर उत्साह का माहौल रहा। बहनों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनके सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना की। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हुए उन्हें उपहार भेंट किए। रक्षाबंधन को लेकर सुबह से ही घरों में विशेष तैयारियां

देखने को मिलीं। छोटे बच्चों से लेकर बड़े तक सभी नए परिधानों में नजर आए। बहनों ने पूजा की थाली में रोली, चावल, मिठाई, नारियल और राखी सजाकर भाइयों का तिलक किया। इसके बाद उनकी कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर मिठाई खिलाई। भाइयों ने भी बहनों को आकर्षक उपहार देकर उनके प्रति अपना स्नेह प्रकट किया।

डिजिटल पुलिसिंग की नई पहल, दो थानों में ई-मालखाना सिस्टम शुरू

मुंगेली/नवप्रदेश। संभाग मे सर्वप्रथम जिले में 2 थानों मे ''ई-मालखाना'' का उद्घाटन किया गया। बारकोड स्कैन कर डिजिटल रूप से जप्त सामानों को सुरक्षित रखा जायेगा।

पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज रामगोपाल गर्ग ने जिले के 2 थाना फास्टरपुर एवं जरहागांव में ''ई-मालखाना मैनेजमेंट सिस्टम'' का शुभारंभ किया। पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज रामगोपाल गर्ग के निर्देशन मे एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के मार्गदर्शन में पुलिस कार्यप्रणाली को अधिक आधुनिक, पारदर्शी, व्यवस्थित एवं तकनीकी आधारित बनाने के उद्देश्य से लगातार नई पहल की जा रही है। आईजीपी रामगोपाल गर्ग के द्वारा बिलासपुर संभाग मे सर्वप्रथम मुंगेली जिले के 2 थाना जरहागांव एवं फास्टरपुर में ÷ई-मालखाना मैनेजमेंट सिस्टम÷ का उद्घाटन कर शुभारंभ किया गया। जिसमें पुलिस थानों में विभिन्न अपराधों, मर्ग एवं अन्य प्रकरणों में जब्त की गई सामग्री को केस प्रापर्टी के रूप में मालखाने में सुरक्षित रखा जाता है। बड़ी संख्या में विभिन्न प्रकार की

जब्त सामग्री होने के कारण उनके रिकार्ड का व्यवस्थित संधारण एवं आवश्यकता के समय संबंधित सामग्री की जानकारी प्राप्त करना महत्वपूर्ण होता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ''ई-मालखाना मैनेजमेंट सिस्टम'' लागू किया जा रहा है। ''ई-मालखाना मैनेजमेंट सिस्टम'' के माध्यम से मालखाने में रखी गई केस प्रापर्टी एवं जब्त सामग्री का डिजिटल रिकार्ड तैयार किया जाएगा। इस प्रणाली के अंतर्गत विभिन्न अपराधों में जब्त की गई नकदी, वाहन, हथियार, एनडीपीएस एक्ट से संबंधित सामग्री, आबकारी एक्ट से संबंधित सामग्री तथा अन्य प्रकार की केस प्रापर्टी जप्त सामाग्री का डिजिटल रिकार्ड संधारित किया जाकर रिकार्ड व्यवस्था के साथ आने वाली कठिनाइयों को कम करने तथा रिकार्ड अधिक सुरक्षित एवं व्यवस्थित रखने में सहायता मिलेगी।

पेज 1 का शेष...

खपरगंज में व्यक्तिगत...

और निगरानी जारी है।

मामूली विवाद ने पकड़ा तूल

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार विवाद की शुरुआत दो व्यक्तियों के बीच हुए व्यक्तिगत झगड़े से हुई थी। शुरुआत में मामला दो लोगों तक सीमित था, लेकिन बाद में दोनों पक्षों के लोग इसमें शामिल होते चले गए। देखते ही देखते विवाद ने साम्प्रदायिक तनाव का रूप ले लिया और दोनों पक्षों की भीड़ आमने-सामने आ गई। इसके बाद पथराव शुरू हो गया। पुलिस और प्रशासन पूरे घटनाक्रम के पीछे की वास्तविक वजहों की जांच कर रही हैं। साथ ही इस बात की भी जांच की जा रही है कि व्यक्तिगत विवाद को किस तरह साम्प्रदायिक तनाव का रूप मिला और किन लोगों ने माहौल बिगाड़ने में भूमिका निभाई।

यह एक 'अपराध'...

है। राहुल गांधी ने कहा, 'देश के हर दलित व्यक्ति का जन्म से मृत्यु तक, हर जगह, हर कदम अपमान किया जाता है। उनकी जितनी बुलंद आवाज होती है, उनपर उतना तेज हमला होता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ हल्द्वानी में जो भी हुआ वो शुद्धिकरण का नाम दे कर उनके खिलाफ छुआछूत है और छुआछूत भारत के संविधान के अनुसार दंडनीय अपराध है। इस बात को 20 दिन हो गए- मगर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई, कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पीएम नरेंद्र मोदी देश के हर दलित व्यक्ति को आपकी यह दलित विरोधी विचारधारा साफ दिखाई दे रही है। अब गेंद बीजेपी के पाले में है जल्द से जल्द एससी-एसटी कानून के तहत एफआईआर दर्ज हो, कार्रवाई हो और न्याय हो - वरना कांग्रेस पार्टी न्याय हासिल करना अच्छे से जानती है।'

पेपर लीक रोकने परीक्षा सिस्टम...

नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली यह टास्क फोर्स खास तौर पर एनटीए की परीक्षाओं के संचालन, सुरक्षा, परीक्षा डिजाइन और व्यवस्था में सुधार पर काम कर रही है। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय के मुताबिक, टास्क फोर्स का लक्ष्य परीक्षा व्यवस्था को सुरक्षित, पारदर्शी, निष्पक्ष और भविष्य के लिए तैयार बनाना है। इसमें परीक्षा में गड़बड़ी रोकने, संस्थागत व्यवस्था मजबूत करने, तकनीक के इस्तेमाल और छात्रों की परेशानियां कम करने जैसे मुद्दों पर सुझाव लिए जा रहे हैं।

जुलाई में बनी नीलेकणि की अध्यक्षता में टास्क फोर्स

केंद्र ने नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में टास्क फोर्स जुलाई में बनाई थी। इसका गठन जंतर-मंतर पर पेपर लीक के आरोपों और परीक्षा व्यवस्था में बदलाव की मांग को लेकर हुए छात्रों के विरोध के बीच किया गया था। टास्क फोर्स में नीलेकणि के अलावा पूर्व इंटेलिजेंस ब्यूरो निदेशक तपन डेका, पूर्व इसरो चेयरमैन एस. सोमनाथ, आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि, पूर्व शिक्षा सचिव अनिता करवाल और लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञ अमृत लाल मीणा शामिल हैं।

ज्यादा शक्कर-तेल वाली...

एफएसएसएआई के प्रस्ताव के मुताबिक, यह वार्निंग लेबल लाल रंग के षटकोण (हेक्सागोनल- 6 कोनों वाला) आकार का होगा। इसे पैकेट के फ्रंट यानी ठीक सामने की तरफ लगाया जाएगा।

दो फेज में लागू करने का प्रस्ताव

एफएसएसएआई ने इसे अलग-अलग फेज में लागू करने का प्रस्ताव दिया है, ताकि इंडस्ट्री को अपने प्रोडक्ट्स को सुधारने का मौका मिले।

फेज 1: पहले चरण में उन प्रोडक्ट्स पर लाल लेबल लगेगा, जिनमें फैट, शुगर या साल्ट में से कोई भी 'दो या दो से अधिक' चीजें तय सीमा से ज्यादा होंगी। इसमें सभी अधिक मीठी कोल्ड ड्रिंक्स भी शामिल होंगी।

फेज 2: दूसरे चरण में यह नियम उन प्रोडक्ट्स पर भी लागू हो जाएगा, जिनमें इनमें से कोई 'एक' चीज भी ज्यादा मात्रा में होगी।

बहनों का स्नेह और आशीर्वाद...

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की सविता दीदी एवं स्मृति दीदी, श्रीमती सावित्री जायसवाल, पद्मश्री डॉ. उषा बारले, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती ममता साहू, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन सहित महिला पत्रकारों, स्व-सहायता समूहों की दीदियों, लखपति दीदियों, ड्रोन दीदियों, ई-रिक्शा दीदियों, टीम प्रहरी, विभिन्न समाजों की महिलाओं और दिव्यांग बहनों ने मुख्यमंत्री को राखी बांधी।

अमेरिका ने वेनेजुएला का...

मीडिया पर पोस्ट कर इसे दुनिया की सबसे बड़ी डील बताया है। वेनेजुएला की राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने भी इसे ऐतिहासिक समझौता बताया है।

नेपाल में ग्लेशियर टूटने से तबाही: 600 से ज्यादा मौतें और भविष्य का बड़ा खतरा

काठमांडू/ए.। नेपाल और तिब्बत की सीमा पर अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है. इस त्रासदी में 600 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जबकि 1,400 से ज्यादा लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं. तेज पानी के साथ बर्फ, पत्थर और मलबा भी नीचे आया. इससे सड़कें, पुल, घर और दूसरी इमारतें बह गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि पहाड़ से ग्लेशियर और चट्टान का बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे गिरा था. यह घटना नेपाल के लांगटांग लिरुंग इलाके में हुई. बर्फ और पत्थरों का मलबा नदी में गिरा और उसका रास्ता कुछ समय के लिए रुक गया. इसके बाद जमा पानी अचानक बाहर निकला और तेज बाढ़ आ गई। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस घटना में सिर्फ ग्लेशियर का हिस्सा नहीं टूटा था. पहाड़ की बड़ी चट्टान भी खिसकी और अपने साथ ग्लेशियर का हिस्सा नीचे ले आई. यह मलबा करीब 5,100 मीटर की ऊंचाई से गिरकर लगभग 3,000 मीटर तक नीचे आया. इसके बाद यह नदी में पहुंच गया और पानी का रास्ता रोक दिया. जब जमा पानी का दबाव बढ़ा और यह रुकावट टूटी, तो पानी, बर्फ, पत्थर और मिट्टी एक साथ तेज रफ्तार से नीचे आने लगे।

क्लाइमेट चेंज भी जिम्मेदार है?

इस एक घटना को सीधे क्लाइमेट चेंज से जोड़ना अभी संभव नहीं है. लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि बढ़ती गर्मी हिमालय के ग्लेशियरों और पहाड़ों को कमजोर कर सकती है. संयुक्त राष्ट्र की 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले करीब 30 साल में नेपाल अपने ग्लेशियरों के बर्फीले हिस्से का लगभग एक-तिहाई खो चुका है. 2011 से 2020 के बीच हिंदू कुश हिमालय में ग्लेशियरों के पिघलने की रफ्तार पिछले दशक के मुकाबले करीब 65 फीसदी ज्यादा रही. गर्मी बढ़ने से ग्लेशियर तेजी से पिघलते हैं. पहाड़ों के अंदर और जमीन में जमी बर्फ भी पिघल रही है. इससे चट्टानें कमजोर हो सकती हैं और पहाड़ से बड़े हिस्से के टूटने का खतरा बढ़ सकता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, हादसे वाले इलाके में अभी भी कुछ बर्फ और पानी जमा है. इसलिए वहां आगे भी लैंडस्लाइड या अचानक बाढ़ आने का खतरा बना हुआ है।

100 किलोमीटर से ज्यादा दूर तक असर

इस घटना का असर सिर्फ पहाड़ के आसपास के इलाके तक नहीं रहा. बाढ़ और मलबे का असर 100 किलोमीटर से ज्यादा दूर तक देखा गया. कई जगह सड़कें और पुल टूट गए और बस्तियों में पानी और मलबा भर गया. शुरुआत में यह भी माना गया था कि शायद भूकंप की वजह से पहाड़ का हिस्सा टूटा. लेकिन बाद के आंकड़ों से संकेत मिला कि पहाड़ से हुआ बड़ा लैंडस्लाइड इस घटना की मुख्य वजह हो सकता है. वैज्ञानिक अभी भी इसकी जांच कर रहे हैं।

माफिया और कानून-व्यवस्था को लेकर योगी का विपक्ष पर हमला

लखनऊ/ए.। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवरिया के सलेमपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। माफिया और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर विपक्ष खासकर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में माफिया का पूरी तरह सफाया कर दिया गया है और अब बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। सीएम योगी ने कहा, "माफिया को कुचल दिया गया है, पूरी तरह से साफकर दिया गया है। जो बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए खतरा बनते हैं, उनके लिए केवल दो जगह हैं या तो जेल या जहन्नुम, तीसरा कोई विकल्प नहीं है।"

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में 'एक जिला, एक माफिया' की जगह 'एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज' की दिशा में काम हुआ है। उन्होंने कहा कि इसी नीति के तहत देवरिया और कुशीनगर में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं। योगी ने दावा किया कि सरकार ने जिस तरह माफिया पर कार्रवाई की है, उसी तरह इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी को भी खत्म करने में सफलता हासिल की है। योगी आदित्यनाथ ने इंसेफेलाइटिस को लेकर पिछली सरकारों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इंसेफेलाइटिस केवल एक बीमारी नहीं थी, बल्कि यह उस समय की "बीमार मानसिकता" का प्रतीक थी। उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों पर आरोप लगाते हुए कहा कि उस दौर में मासूमों की जान जाती रही, लेकिन शासन और प्रशासन ने इस ओर पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं दिखाई। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि 40 वर्षों के दौरान इंसेफेलाइटिस के कारण 50 हजार से अधिक मासूमों की जान गई।

जवान कंधे से दाग पाएंगे, 4 किमी तक की रेंज में टारगेट को खुद ढूंढ लेगी मिसाइल

भारत को दुनिया की सबसे घातक जैवलिन मिसाइल देगा अमेरिका

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय सेना अमेरिका से जैवलिन एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम खरीद रही है। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को बताया कि इसे खरीदने के लिए भारतीय सेना की ओर से लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस (एलओए) पर साइन कर दिए गए हैं।

जैवलिन एक एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम है। इसे सैनिक कंधे से लॉन्च कर सकते हैं और यह बख्तरबंद वाहनों जैसे लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए बनाया गया है। एक बार दागने के बाद मिसाइल खुद ही थर्मल टेंपरेचर से टारगेट को ढूंढ लेती है और उसे हिट करती है।

60 जेवलिन मिसाइल खरीदेंगे, दिसंबर से डिलीवरी शुरूः इमरजेंसी खरीद प्रक्रिया के तहत हुए इस सौदे में 60 जेवलिन मिसाइल सिस्टम खरीदे जाएंगे। इनकी कुल कीमत 292 करोड़ रुपए हो सकती है। इसकी डिलीवरी दिसंबर से शुरू हो सकती है। इसके अलावा, दोनों देश इस मिसाइल सिस्टम को भारत में ही बनाने पर भी काम कर रहे हैं। जेवलिन को अमेरिकी रक्षा कंपनियों लॉकहीड मार्टिन और आरटीएक्स (रेथियॉन) ने बनाया है। इससे भारतीय सेना सीमा पर खासकर कठिन पहाड़ी और मैदानी इलाकों में दुश्मन के बख्तरबंद टैंकों और बंकरों को नेस्तनाबूद कर सकेगी।

भारत 2010 से जेवलिन लेने की कोशिश कर रहा

भारत 2010 से (यूपीए सरकार) जेवलिन लेने की कोशिश में था, तब सेना के पास 44,000 एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल की कमी थी। 2012 में अमेरिका ने टेक्नोलॉजी ट्रांसफर से मना कर दिया तो डील रुक गई। उस वक्त हम फ्रांस की मिलान और रूस की कॉनकर्स एटीजीएम चला रहे थे। फिर भारत ने इजराइल से स्पाइक मिसाइलें लीं। डीआरडीओ ने स्वदेशी एमपीटीजीएम मिसाइल बनाई। 2015-2024 टेस्ट पूरे, जल्द सेना में शामिल होंगी।

जैवलिन मिसाइल की रेंज

Javelin (FGM-148) अमेरिका में बना एक मैन-पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम है। 4 किमी रेंज है। 22.3 किग्रा वजन है और दागो-और-भूल-जाओ तकनीक है।

जैवलिन को किसने बनाया है?

जेवलिन को लॉकहीड मार्टिन और रिदियॉन के जेवलिन जॉइंट वेंचर ने डेवलप किया है। दोनों कंपनियां मिलकर इसका उत्पादन करती हैं।

यह कैसे काम करता है?

जेवलिन की सबसे खास तकनीक 'फायर एंड फॉरगेट' है। यानी लॉन्च से पहले सिस्टम लक्ष्य को पहचानकर उस पर लॉक करता है और मिसाइल दागे जाने के बाद उसे ऑपरेटर को लगातार नियंत्रित करने की जरूरत नहीं होती। मिसाइल खुद लक्ष्य तक पहुंचती है। इसमें इन्फ्रारेड सीकर लगा होता है, जिससे यह दिन-रात और अलग-अलग मौसम में लक्ष्य को ट्रैक कर सकती है। जेवलिन टॉप-अटैक मोड में लक्ष्य के ऊपर से हमला कर सकती है, जहां टैंक का कवच आमतौर पर अपेक्षाकृत कमजोर होता है।

दीपके ने बच्चों को 'एक्सपायर्ड खाना' देने का लगाया आरोप

नई दिल्ली। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के फाउंडर और अपने 'स्कूल ठीक करो' कैंपेन का चेहरा, अभिजीत दीपके ने शनिवार को आरोप लगाया कि सरकारी स्कूलों में बच्चों को एक्सपायर्ड खाने की चीजें खिलाई जा रही हैं। ङ्क पर एक वीडियो शेयर करते हुए, दीपके ने सवाल किया कि क्या 'सत्ता में बैठे' अधिकारी अपने बच्चों को भी वही खाना खिलाएंगे?
उन्होंने कानूनी कार्रवाई की धमकी के बावजूद अपना कैंपेन जारी रखने का संकल्प लिया। उन्होंने #SchoolThikKaro के साथ पोस्ट करते हुए लिखा, 'अगर इसका खुलासा करने का मतलब हमारे खिलाफ स्नद्धक्र दर्ज होना है, तो कृपया ऐसा करें। हम सच सामने लाना बंद नहीं करेंगे।' इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है, और दीपके ने आरोप से जुड़े स्कूलों या जगह का नाम नहीं बताया। दीपके अपने 'स्कूल ठीक करो' कैंपेन के तहत स्थानीय सरकारी स्कूलों का दौरा कर रहे हैं और उनके इंफ्रास्ट्रक्चर और एडमिनिस्ट्रेशन से जुड़े मुद्दे उठा रहे हैं। उन्होंने हिंगोली जिले में अपने पैतृक गांव से यह कैंपेन शुरू किया था।

'सरकारी स्कूल को मिला पहला कंप्यूटर'

इस महीने की शुरुआत में, दीपके ने दावा किया कि उनके पैतृक गांव के सरकारी स्कूल को अपना पहला कंप्यूटर सिस्टम मिला है। ङ्क पर वीडियो शेयर करते हुए दिपके ने कहा, 'जब सरकार फेल हो जाती है, तो लोग आगे आते हैं! मेरे गांव में पहला कंप्यूटर आया है। बदलाव मुमकिन है!' उन्होंने यह भी कहा कि उनके गांव के छात्रों को स्कूल में बेंच मिली हैं, जिसे उन्होंने अपनी ज़िंदगी का 'शायद सबसे बड़ा और सबसे खुशी का पल' बताया। उन्होंने पूरे महाराष्ट्र में सरकारी स्कूलों में टूटे हुए टॉयलेट, पीने के पानी की कमी और खराब इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मुद्दे उठाए थे।

ममता बलर्नी पर हाईकोर्ट के आदेश के उल्लंघन का आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के छात्र संगठन तृणमूल छात्र परिषद के आयोजकों के खिलाफ हेस्टिंग्स थाने में मामला दर्ज किया गया है। यह मामला 28 अगस्त को संगठन के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के कथित उल्लंघन को लेकर दर्ज किया गया है।शिकायत के अनुसार, कार्यक्रम में शामिल समर्थकों ने कथित तौर पर बैरिकेड हटा दिए और पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की। इसके अलावा कैथेड्रल रोड पर यातायात भी बाधित हुआ। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि कार्यक्रम अदालत की ओर से तय समय सीमा खत्म होने के बाद भी जारी रहा। मामला भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 61(2), 223, 125(ए), 132 और 285 के तहत दर्ज किया गया है। तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने 28 अगस्त को अपने समर्थकों से राजनीतिक दबाव के आगे नहीं झुकने और भाजपा में शामिल नहीं होने की अपील की।

टाटा संस-मिस्त्री में सुलह की सुगबुगाहट चंद्रशेखरन के इस्तीफे के बाद बढ़ी बातचीत

नई दिल्ली/ए.। टाटा संस और साइरस मिस्त्री परिवार के बीच वर्षों से चला आ रहा ऐतिहासिक कॉरपोरेट टकराव अब एक निर्णायक और व्यावहारिक समाधान की ओर बढ़ता दिख रहा है। शापूरजी पलोनजी समूह (एसपी ग्रुप) पर लदे भारी-भरकम और महंगे कर्ज के बोझ ने दोनों पक्षों को एक ऐसी जगह लाकर खड़ा कर दिया है, जहां टाटा संस में मिस्त्री परिवार की 18.4 फीसदी हिस्सेदारी को भुनाने के फॉर्मूलों पर गोपनीय बातचीत चल रही है। सूत्रों के अनुसार, टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा के प्रतिनिधि एसपी ग्रुप के साथ नकदी जुटाने के विभिन्न तरीकों पर विचार कर रहे हैं। इनमें सबसे प्रमुख विकल्प यह है कि टाटा संस की 18.4 फीसदी हिस्सेदारी के बदले एसपी ग्रुप को टाटा समूह की लिस्टेड कंपनियों जैसे टाटा पावर आदि के शेयर ट्रांसफर कर दिए जाएं।

चेयरमैन के इस्तीफे के बाद क्या हुआ

टाटा संस में 66 फीसदी की बहुलांश हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट्स की कमान नोएल टाटा के हाथों में आने और चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के फरवरी में पद छोड़ने की घोषणा के बाद से इन वार्ताओं ने गति पकड़ी है। असल में बातचीत की सबसे अहम कड़ी पारिवारिक रिश्तेदारी है। नोएल टाटा का विवाह एसपी ग्रुप के मौजूदा चेयरमैन शापूर मिस्त्री की बहन आलू मिस्त्री से हुआ है। ऐसे में कड़वे कानूनी मुकदमों के बजाय एक सौहार्दपूर्ण वित्तीय समझौते की संभावना पहले से कहीं अधिक मजबूत मानी जा रही है। चंद्रशेखरन के कार्यकाल में टाटा संस का रवैया इस डील के प्रति सख्त रहा था।

एसपी ग्रुप की मजबूरी

एसपी ग्रुप के लिए यह समझौता असल में मजबूरी बन चुका है। समूह ने हाल ही में भारत के सबसे बड़े प्राइवेट क्रेडिट सौदों में से एक के तहत भारी फंड जुटाया है। समूह की इकाई इक्विजेन इनवेस्टमेंट ने 18.95 फीसदी के भारी ब्याज पर 36 महीने के बॉन्ड जारी किए हैं। बॉन्ड का पहला बड़ा भुगतान जुलाई 2028 तक होना है...ऐसे में अगले 18 महीनों के भीतर एसपी ग्रुप को अपने महंगे कर्ज को निपटाने के लिए इस हिस्सेदारी से नकदी निकालनी ही होगी।

समक्ष :- श्रीमान् नोटरी, चिरमिरी, तहसील-चिरमिरी, जिला-एम.सी.बी. छ.ग.

-: शपथ पत्र :-

मैं श्रीमती शोभा सेठी पत्नी स्व. विप्रो सेठी, उम्र करीब 62 वर्ष, जाति-धोबी, निवासी-वार्ड क्र. 22 कपूर सिंह दफाई छोटा बाजार चिरमिरी, थाना व तहसील-चिरमिरी, जिला-एम.सी.बी, छ.ग. की हूँ जो कि निम्नांकित कथन शपथपूर्वक बयान करती हूँ:-

1. यह कि मैं उपरोक्त वर्णित पते पर स्थाई रूप से निवास करती हूँ।
2. यह कि मेरे पति के पी.एस. 3, पी.एस. 4 एवं बी. फार्म में मेरा नाम सुबा बाई (SUBA BAI) दर्ज है जो कि मेरा घरेलु एवं पुकारू नाम है।
3. यह कि आधार कार्ड एवं पेन कार्ड में मेरा वास्तविक नाम शोभा सेठी (SOBHA SETHI) दर्ज है जो कि सत्य एवं सही है ।
4. यह कि पति के बी.फार्म, पी.एस. 3, पी.एस. 4 में दर्ज नाम सुबा बाई (SUBA BAI) के जगह वास्तविक नाम शोभा सेठी (SOBHA SETHI) दर्ज कराना चाहती हूं। जिस हेतु मुझे उक्त शपथ पत्र की आवश्यकता हुई है।

शपथकर्ता

सत्यापन - मैं श्रीमती शोभा सेठी यह सत्यापित करती हूँ कि कंडिका क्र. 1 से 4 तक के कथन मेरी निजी जानकारी से सत्य व सही है जिसे सत्यापित कर आज दिनांक 08/08/2026 को हस्ताक्षर की।

सत्यापनकर्ता
शोभा सेठी

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
प्रथम आमंत्रण

दिनांक 25.08.2026

निम्न कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा **'सी' एवं अधिक श्रेणी** के ठेकेदारों के लिये आमंत्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 15.09.2026 तक है

एन.आई.टी क्र. / निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
NIT NO. 188 Tender No. 198328	जिला महासमुंद के उपसंभाग क्रमांक 01 अंतर्गत विभिन्न मुख्य जिला मार्ग, अन्य जिला मार्ग एवं ग्रामीण मार्गों में बी.टी. पेच मरम्मत कार्य।	रु. 122.98 लाख
NIT NO. 189 Tender No. 198329	जिला महासमुंद के उपसंभाग क्रमांक 02 अंतर्गत विभिन्न राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्ग एवं ग्रामीण मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. व बी.टी. पेच मरम्मत कार्य।	रू. 122.97 लाख
NIT NO. 190 Tender No. 198330	जिला महासमुंद के उपसंभाग पिथौरा अंतर्गत विभिन्न राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्ग, अन्य जिला मार्ग एवं ग्रामीण मार्गों में बी.टी. पेच मरम्मत कार्य।	रू. 123.02 लाख
NIT NO. 191 Tender No. 198342	जिला महासमुंद के उपसंभाग सरायपाली अंतर्गत विभिन्न राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्ग, एवं ग्रामीण मार्गों में बी.टी. पेच मरम्मत कार्य।	रू. 122.89 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र, बिड केपेसीटी उपलब्धता बाबत् जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा, एवं निविदाकारो द्वारा प्रेषित मूल अभिलेख का लिफाफा में निविदाकारो का मोबाईल न. एवं इमेल आई.डी. का उल्लेख अनिवार्य रुप से करें।

अधीक्षण अभियंता,
लो.नि.वि., रायपुर मण्डल क्र. 2 (छ.ग.)

जी -262703004/4 आपकी थी चाह, हमने बनाई राह

महिला हॉकी टीम के लिए 50 लाख रुपये के इनाम की घोषणा

नई दिल्ली/ए.। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को बेल्जियम और नीदरलैंड्स में आयोजित एफआईएच हॉकी महिला वर्ल्ड कप 2026 में ऐतिहासिक पांचवें स्थान पर रहने के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम को 50 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की।

सलिमा टेटे की टीम ने गुरुवार को एम्सटेलवीन में 5वें/6वें स्थान के क्लासिफिकेशन मैच में दुनिया की 5वें नंबर की टीम जर्मनी को 3-1 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की, जो 1974 में पहले एडिशन में चौथे स्थान पर रहने के बाद से टूर्नामेंट में भारत का सबसे अच्छा नतीजा था। टीम ने इस कैंपेन में सिर्फ एक हार का सामना किया, जिसमें उसने चीन, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी ऊंची रैंक वाली टीमों के साथ ड्रॉ खेला और दक्षिण अफ्रीका पर 6-1 से जीत दर्ज की। इसके बाद चीफ कोच शोर्ड मारिन के अंडर जर्मनी पर जीत के साथ अपना सफर पूरा किया। टीम को इस कामयाबी पर बधाई देते हुए, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, ÷यह भारतीय महिला हॉकी के लिए एक ऐतिहासिक नतीजा है। 52 साल बाद वर्ल्ड कप में पांचवें स्थान पर आना इस टीम की कड़ी मेहनत, हिम्मत और लड़ने के जज्बे का सबूत है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद् दन्तेवाड़ा, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

क्रमांक /948/नि.आ.सू./ न.पा.परि./ 2026-27 दन्तेवाड़ा, दिनॉकः 27/08/2026

ई-टेण्डर निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्म/ठेकेदारों / एजेंसी / कंपनी से निम्नलिखित कार्य हेतु नगरपालिका परिषद, दंतेवाड़ा द्वारा ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

सिस्टम ई-टेण्डर न.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि (लाख में)	निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4
198416	Construction Of Over Head RCC Water Tank 200 KL & 50 KL sump well For ward 03 Nagar Palika DANTEWADA	36.90	18.09.2026
198417	Construction Of Over Head RCC Water Tank 200 KL & 50 KL sump well For ward 06 Nagar Palika DANTEWADA	36.90	
198430	Construction Of Over Head RCC Water Tank 200 KL & 50 KL sump well For ward 12 Nagar Palika DANTEWADA	36.90	

2. उपरोक्त निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल **https://eproc.cgstate.gov.in** अथवा विभागीय वेबसाइट **http://uad.cg.gov.in** से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग मुंगेली

संक्षिप्त ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक - 11,12/2026-27

क्रमांक /1220/ टेण्डर/व.ले.लि./ ग्रायांसेवा/2026 **25/08/26**

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत (लोक निर्माण विभाग में) 'द' वर्ग एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न दर्शित सिविल कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, द्वारा जारी दर अनुसूची दिनांक 01.11.2021, प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग (सिविल कार्य) द्वारा जारी दर अनुसूची दिनांक 01.01.2015 / लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जारी दर अनुसूची दिनांक 01.06.2020 से प्रचलित प्रभावशील दर अनुसूची मुद्रीत एवं अद्यतन संशोधित दरों पर ऑनलाईन (Online/Offline) प्रतिशत दर पर दिनांक 09.09.2026 तक निविदा आमंत्रित की जाती है:-

टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम / स्थान	ठेके की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	4
196046	जोनल निविदा विकासखंड मुंगेली अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्य यथा रोड भवन नाली आदि प्रत्येक कार्य रू. 30.00 लाख के अन्तर्गत	40.00
196047	जोनल निविदा विकासखंड लोरमी अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्य यथा रोड भवन नाली आदि प्रत्येक कार्य रू. 30.00 लाख के अन्तर्गत	40.00
196048	जोनल निविदा विकासखंड पथरिया अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्य यथा रोड भवन नाली आदि प्रत्येक कार्य रू. 30.00 लाख के अन्तर्गत	40.00
11/2026-27	बालिका शौचालय निर्माण स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी स्कूल दाउपारा मुंगेली	1.70
11/2026-27	बालक शौचालय निर्माण बी. आर. साव. एक्सीलेंस हिन्दी मीडियम स्कूल मुंगेली	1.69
11/2026-27	एकीकृत प्रयोगशाला भवन निर्माण स्वामी आत्मानंद स्कूल दाउपारा मुंगेली	7.14

निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति (परिशिष्ट 2.10 एवं निविदा दस्तावेज परिशिष्ट-2.13) यथा संशोधित व अन्य जानकारी वेबसाइट **http://eproc.cgstate.gov.in, https:// res.cg.gov.in** में अथवा कार्यालयीन अवधि में कार्यालय मे उपस्थित होकर दिनांक 25.08.2026 से देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग मुंगेली छ.ग.

जी- 262702995/3

यूसीसी से आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों पर पड़ेगा असर : दीपक बैज

भाजपा सरकार पर भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी और युवाओं का भविष्य अंधकार में डालने का आरोप

जगदलपुर/नवप्रदेश। कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने शनिवार को संभाग मुख्यालय स्थित राजीव भवन में पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर आदिवासी हितों की अनदेखी, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ और प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों के निजीकरण का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 अगस्त से जगदलपुर में शुरू होगा। इसी तरह प्रदेश के सभी पांचों संभागों में प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

दीपक बैज ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर कहा कि भाजपा आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को प्रभावित करने वाला कानून लागू करने की

तैयारी में है। कांग्रेस इसका विरोध करेगी। उन्होंने दावा किया कि यूसीसी लागू होने से आदिवासियों को प्राप्त विशेष संवैधानिक प्रावधान प्रभावित होंगे।

बैज ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ हो रहा है। कृषि विश्वविद्यालय की तीन परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि आरक्षक भर्ती, वनरक्षक भर्ती, राजस्व निरीक्षक पदोन्नति, लोक निर्माण विभाग उप अभियंता भर्ती और लोक सेवा आयोग की सहायक उप निरीक्षक भर्ती सहित कई परीक्षाओं में गड़बड़ियों के आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने में विफल रही है और इससे युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है।

कांग्रेस की प्रमुख मांगें और आरोप

यूसीसी के विरोध के साथ आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की मांग, भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और कथित गड़बड़ियों की जांच की मांग, बिजली कंपनी के निजीकरण का विरोध, नक्सलमुक्त गांवों के लिए घोषित विकास राशि जारी करने की मांग, नक्सल हिंसा पीड़ितों और आत्मसमर्पित लोगों को योजनाओं का लाभ देने की मांग, खनिज संसाधनों के निजीकरण पर रोक और स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने की मांग।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बिजली के दाम बढ़ाने, 400 यूनिट तक मिलने वाली छूट समाप्त करने और स्मार्ट मीटर लगाने के बाद अब बिजली कंपनी के निजीकरण की तैयारी की जा रही है। कांग्रेस के बिजली सत्याग्रह में निजीकरण का विरोध भी प्रमुख मुद्दा रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विद्युत कंपनी के शेयर बेचने और निजी कंपनी को बिजली आपूर्ति का ठेका देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। बैज ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बस्तर पंडुम 2025 के दौरान किए गए वादे का उल्लेख करते हुए नक्सलमुक्त घोषित गांवों को विकास कार्यों के लिए एक-एक करोड़ रुपये की राशि देने की मांग की। पत्रकारवार्ता में प्रदेश प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू,शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य,नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी, गौरनाथ नाग,पूर्व सभापति कविता साहू,जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र परिहार, महामंत्री जाहिद हुसैन,अनुराग महतो, नीतीश शर्मा, कोषाध्यक्ष रविशंकर मौजूद रहे।

शिकायत: आरोप पर श्रम पदाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को यथासंभव उचित कार्रवाई का दिया आश्वासन

मेडिकल कॉलेज में एक करोड़ का वेतन घोटाला

- **राजमिस्त्री मजदूर रेजा-कुली एकता यूनियन ने लगाया गंभीर आरोप**
- **श्रम पदाधिकारी से शिकायत, मांग पूरी नहीं होने से करेंगे आंदोलन**

कांकेर/नवप्रदेश। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में कार्यरत सफाई एवं सुरक्षा कर्मियों के वेतन भुगतान को लेकर विवाद गहरा गया है। राजमिस्त्री मजदूर रेजा-कुली एकता यूनियन ने ठेका कंपनी कामथेन सिक्युरिटी सर्विस पर कर्मचारियों को निर्धारित न्यूनतम वेतन से कम भुगतान करने का आरोप लगाते हुए करीब एक करोड़ रुपए की अनियमितता का दावा किया है।

यूनियन ने मांग की है कि कर्मचारियों को बकाया अंतर राशि का भुगतान एक माह के भीतर कराया जाए। यूनियन के राज्य अध्यक्ष देवचंद भास्कर और महासचिव ओमप्रकाश देवांगन ने जारी बयान में कहा कि पिछले तीन माह से मेडिकल कॉलेज में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों को सरकारी न्यूनतम वेतन दर से कम भुगतान किए जाने की शिकायत लगातार की जा रही थी। शिकायत के बाद तत्कालीन कलेक्टर के निर्देश पर मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच दल गठित किया था।

जांच रिपोर्ट पर भी उठाए सवाल

यूनियन पदाधिकारियों का आरोप है कि जांच दल ने शिकायत को सही पाया, लेकिन चार वर्षों की अवधि की जांच करने के बजाय केवल छह माह की जांच की गई। उनका कहना है कि इससे मामले की वास्तविक स्थिति सामने नहीं आ सकी और ठेका कंपनी को लाभ पहुंचाने की कोशिश हुई। यूनियन ने जांच रिपोर्ट में वेतन भुगतान के आंकड़ों को लेकर भी सवाल उठाए हैं। पदाधिकारियों के मुताबिक, कुछ कर्मचारियों के बैंक खातों में करीब 8 हजार रुपए का भुगतान हुआ, जबकि जांच रिपोर्ट में 10 हजार रुपए वेतन भुगतान दर्शाया गया है। यूनियन का दावा है कि कर्मचारियों के बैंक स्टेटमेंट और पासबुक की जांच में 10 हजार रुपए भुगतान किए जाने का प्रमाण नहीं मिला है।

श्रम पदाधिकारी को सौंपे व्यक्तिगत आवेदन: वेतन अंतर की राशि को लेकर सुरक्षा और सफाई कर्मचारियों ने श्रम पदाधिकारी के समक्ष व्यक्तिगत आवेदन भी जमा किए हैं। यूनियन के अनुसार सुरक्षा कर्मियों ने पिछले चार वर्षों और सफाई कर्मियों ने पिछले तीन वर्षों में कम भुगतान किए जाने का दावा करते हुए बैंक स्टेटमेंट सहित दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं। यूनियन का दावा है कि प्रत्येक सुरक्षा कर्मी को चार वर्षों की अवधि में औसतन 55 हजार रुपए तथा सफाई कर्मियों को औसतन 45 हजार रुपए कम भुगतान किया गया है। कर्मचारियों ने श्रम कानून के प्रावधानों के तहत अंतर राशि के साथ निर्धारित प्रतिकर दिलाने की मांग की है। साथ ही दशहरा से पहले सभी कर्मचारियों की बकाया अंतर राशि का भुगतान सुनिश्चित करने की मांग भी की गई है।

यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि यदि निर्धारित समय में कर्मचारियों को उनका बकाया भुगतान नहीं किया गया तो संगठन कानूनी स्तर पर आगे की कार्रवाई करेगा। श्रम पदाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को मामले में यथासंभव उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। प्रतिनिधिमंडल में अन्नू वाल्मीकि, सुभाष साहू, किरण रजक, बलीराम नेताम, समिता, सरिता कोमरा और रजनी बाई सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

कामथेन कंपनी श्रम कानूनों का उल्लंघन कर रही: देवचंद भास्कर

कांकेर/नवप्रदेश। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज के सफाई एवं सुरक्षा के कार्य का ठेका लेने वाला कंपनी कामथेन सिक्युरिटी सर्विस श्रम कानून के सभी नियमों का खुले आम उल्लंघन कर रहा है। आज जारी एक प्रेस बयान में राजमिस्त्री मजदूर रेजा कुली एकता यूनियन के राज्य अध्यक्ष देवचन्द भास्कर ने उक्त आरोप लगाते हुए कहा कि लगता है उक्त प्लेसमेंट एजेंसी को देश के श्रम कानून के शक्ति के बारे में पूरी तरह अभिज्ञ है। श्री भास्कर ने कहां की उक्त कंपनी पूरी तरह मनमाने ढंग से कर्मचारियों को कम वेतन भुगतान करने के साथ ही पीएफ में कम राशि जमा करना , ई एसआई में राशि का जमा न कर उस राशि का आत्मसात किया है। मजदूर नेता ने कहा कि कर्मचारियों के पीएफ खाता में वेतन का 25 प्रतिशत राशि जमा करने के बदले विगत चार वर्षों से वेतन का सिर्फ 10 से 12 प्रतिशत राशि ही जमा किया है। इसी तरह कर्मचारी के ई एसआई (कर्मचारी राज्य बीमा) में पिछले तीन वर्षों से राशि जमा नहीं करने की जानकारी प्राप्त हुई है।उल्लेखनीय है ई एसआई में कर्मचारी के वेतन का 4 प्रतिशत राशि जमा करने का नियम है। इस राशि को जमा न कर उक्त कंपनी ने इस राशि का गबन किया है। यूनियन नेता ने कहा कि अब सभी कर्मचारी पीएफ के क्षेत्रीय आयुक्त को इसकी शिकायत करने की तैयारी कर रहे है।शीघ्र ही पीएफ के क्षेत्रीय आयुक्त को इसकी शिकायत प्रमाणित दस्तावेज के साथ किया जाएगा। श्री भास्कर ने कहा कि यूनियन की मांग पर उक्त ठेका कंपनी का चार माह का बिल भुगतान पर रोक लगाया गया है।यह पूरा अंतर राशि उक्त ठेका कंपनी से प्रतिकर के साथ वसूल किया जाएगा।

सीआरपीएफ जवानों की कलाई पर सजी राखी, बच्चों ने दिया भाईचारे

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

कन्या शिक्षा परिषद की छात्राओं ने जवानों संग मनाया रक्षाबंधन

जगदलपुर-सुकमा। नव प्रदेश। 226 बटालियन सीआरपीएफ मुख्यालय में रक्षाबंधन का पर्व भावनात्मक और आत्मीय माहौल में मनाया गया। छत्तीसगढ़ सेक्टर के पुलिस महानिरीक्षक एवं सुकमा के उप महानिरीक्षक (अभियान) के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में कन्या शिक्षा परिषद स्कूल सुकमा की छात्राएं पहुंचीं और जवानों की कलाई पर राखी बांधी। छात्राओं ने जवानों की लंबी उम्र और सुरक्षित रहने की कामना करते हुए देशसेवा के प्रति आभार जताया। परिवार से दूर तैनात जवानों के लिए यह अवसर अपनत्व और भावनाओं से भर गया। रक्षाबंधन के इस आयोजन को पर्यावरण संरक्षण से भी जोड़ा गया। स्कूली बच्चों और जवानों ने मिलकर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बटालियन परिसर में पौधारोपण किया और पेड़ों की देखभाल का संकल्प लिया। इस दौरान जवानों और बच्चों ने आपस में बातचीत कर खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम के समापन पर 226 बटालियन के कमांडेंट एचपी सिंह ने स्कूल प्रशासन,शिक्षकों और छात्राओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बच्चों को राष्ट्रीय एकता,अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों और शिक्षकों को मिठाई एवं उपहार भी भेंट किए।

न्यूज गैलरी

दिवंगत पुलिसकर्मी के परिवार को मिला एक करोड़ का बीमा सहायता चेक

दंतेवाड़ा। पुलिस सैलरी पैकेज के तहत भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने दिवंगत पुलिसकर्मी के परिवार को एक करोड़ रुपये की बीमा सहायता राशि का चेक सौंपा। यह राशि सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले डीएसएफ आरक्षक अनिल नाग के परिवार को प्रदान की गई। स्व. आरक्षक (डीएसएफ)/3205 अनिल नाग की 1 सितंबर 2023 को डीएसएफ आरक्षक के पद पर नियुक्ति हुई थी। रक्षित केंद्र दंतेवाड़ा में पदस्थापना के दौरान 22 दिसंबर 2025 को ड्यूटी से लौटते समय सड़क दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी।

दिवंगत आरक्षक के परिवार को आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से एसबीआई ने पुलिसकर्मियों के लिए संचालित पुलिस सैलरी पैकेज के अंतर्गत एक करोड़ रुपये की बीमा सहायता राशि स्वीकृत की। पुलिस अधीक्षक कार्यालय दंतेवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम में एसबीआई मेन ब्रांच के शाखा प्रबंधक लोकेश कुमार रामटेके ने दिवंगत आरक्षक के पिता नारायण सिंह नाग को बीमा राशि का चेक सौंपा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक चन्द्रमोहन सिंह सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। चेक प्राप्त करने के बाद दिवंगत आरक्षक के परिवार ने एसबीआई और पुलिस विभाग के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। परिवार ने दुख की घड़ी में बैंक की ओर से मिले त्वरित आर्थिक सहयोग को महत्वपूर्ण बताते हुए धन्यवाद दिया।

31.5 टन आयरन ओर चोरी मामले में सियासत गरम, गैदु ने पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल

- **दो लोगों पर एफआईआर कर खानापूर्ति क्यों? बड़े आरोपियों को किसके दबाव में बचाया जा रहा?**
- **पिछले वर्षों के रिकॉर्ड खंगालने और जांच की मांग**

जगदलपुर। नव प्रदेश नगरनार स्टील प्लांट के लिए भेजे गए 31.5 टन आयरन ओर को कथित रूप से रास्ते में निजी यार्ड में उतारे जाने के मामले ने अब राजनीतिक तूल पकड़ लिया है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के महामंत्री (संगठन एवं प्रशासन) मलकीत सिंह गैदु ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मामले में एफआईआर को केवल दो लोगों तक सीमित कर बड़े आरोपियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि आयरन ओर के परिवहन में अनियमितता सामने आई है तो जांच केवल वाहन चालक और निजी यार्ड से जुड़े व्यक्ति तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। गैदु ने ट्रांसपोर्ट कंपनी,वाहन मालिक,माल की निगरानी से जुड़े जिम्मेदार लोगों और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की भी जांच की मांग की। उन्होंने सवाल किया कि एक ट्रक और दो लोगों पर एफआईआर दर्ज करने के बाद क्या जांच वास्तव में आगे बढ़ रही है या मामले को सीमित करने का प्रयास हो रहा है। कांग्रेस नेता ने एक भाजपा विधायक के कथित दबाव में कुछ लोगों को कार्रवाई के दायरे से बाहर रखने संबंधी चर्चाओं की भी निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि किसी राजनीतिक या प्रभावशाली व्यक्ति के दबाव में पुलिस कार्रवाई सीमित की गई है। तो यह गंभीर विषय है। गैदु ने पुलिस और एनएमडीसी से पिछले कई वर्षों में रेलवे साइडिंग से नगरनार स्टील प्लांट तथा अन्य गंतव्यों तक भेजे गए आयरन ओर के परिवहन रिकॉर्ड की जांच की मांग की।

'दो लोगों पर कार्रवाई से खत्म नहीं होंगे सवाल'

गैदु ने कहा कि कांग्रेस किसी निर्दोष को फंसाने की मांग नहीं कर रही, बल्कि निष्पक्ष जांच चाहती है। जांच में यदि किसी कारोबारी, बिचौलिए, बड़े नेटवर्क या प्रभावशाली व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उसकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। उन्होंने आशंका जताई कि लंबे समय से ऐसी अनियमितताएं हुई हों तो एनएमडीसी को आर्थिक नुकसान हुआ हो सकता है। उन्होंने कहा कि दो लोगों पर एफआईआर दर्ज होने से सवाल खत्म नहीं हुए हैं, बल्कि असली सवाल अब शुरू हुआ है कि बाकी लोगों पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई और किसके दबाव में उन्हें बचाया जा रहा है।

कांग्रेस ने जांच के दायरे पर सवाल उठाए

31.5 टन आयरन ओर के कथित रूप से निजी यार्ड में उतारे जाने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। एफआईआर में दो लोगों को आरोपी बनाए जाने के बाद कांग्रेस ने जांच के दायरे पर सवाल उठाए। गैदु ने परिवहन से जुड़े सभी पक्षों की भूमिका की जांच के साथ पुराने रिकॉर्ड खंगालने की मांग की है। उन्होंने पुलिस और एनएमडीसी से निष्पक्ष, स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

20.235 किलो गांजा जब्त, दो गिरफ्तार

कांकेर/नवप्रदेश। मादक पदार्थों के अवैध परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे उजियारा अभियान के तहत कांकेर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सिटी कोतवाली पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने वाहन चेकिंग के दौरान हुंडई एस्टर कार से 20.235 किलोग्राम गांजा बरामद कर दो युवकों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजा, नकदी, मोबाइल और वाहन की कुल कीमत 6 लाख 52 हजार 580 रुपये बताई गई है।

पुलिस के मुताबिक, 27 अगस्त को कांकेर बाईपास स्थित आवासपारा के मनकेशरी चौक के पास पुलिस टीम वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सफेद रंग की हुंडई एस्टर कार क्रमांक सीजी 08 बीजी 6871 वहां पहुंची। कार में सवार दो युवक पुलिस को देखकर वाहन से उतरकर भागने का प्रयास करने लगे। संदेह होने पर पुलिस टीम ने दोनों को पकड़ लिया। वाहन की तलाशी लेने पर डिक्की में एक सफेद प्लास्टिक बोरी और भूरे रंग के टेप में लिपटे दो पैकेट मिले। जांच के दौरान इनमें गांजा पाया गया। तौल करने पर बोरी से 9.810 किलो, जबकि दोनों पैकेटों से क्रमशः 6.230 किलो और 4.195 किलो, कुल 20.235 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा के साथ 1,170 रुपये नकद, दो मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुभम मांढरे (20), निवासी किदवई वार्ड, देसाईगंज वाडसा और समीर पीलारे (22), निवासी जुनी वाडसा, जिला गढ़चिरौली (महाराष्ट्र) के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ सिटी कोतवाली कांकेर में अपराध क्रमांक 297/2026 के तहत धारा 20(बी), 29 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के मार्गदर्शन और एसडीओपी हरीश पाटील के पर्यवेक्षण में की गई।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना: शहरी क्षेत्रों में लगेंगे शिविर

कांकेर/नवप्रदेश। कलेक्टर कुंदन कुमार द्वारा दिए गए निर्देशानुसार प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी देने के साथ ही उनसे आवेदन प्राप्त करने के लिए जिले के शहरी क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ एवं योजना के नोडल अधिकारी श्री हरेश मंडावी से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत आवासीय परिसरों में उपभोक्ताओं को योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान करने के साथ ही उनसे आवेदन प्राप्त करने के लिए 01 सितंबर मंगलवार को नरहरपुर के तहसील कार्यालय परिसर में शिविर लगाया जाएगा। इसी प्रकार 02 सितंबर बुधवार को न्यू कम्युनिटी हॉल कांकेर में और 03 सितंबर गुरुवार को नगर पंचायत चारामा में बस स्टैंड के बाजू स्थित गांधी मैदान में शिविर लगाया जाएगा।

बस्तर के काजू और जैविक गुड़ से बनी 'काजू कतली' आकर्षण का केंद्र

महिला स्व-सहायता समूह ने वन उपज के मूल्य संवर्धन से खड़ी की उद्यमिता की नई मिसाल

बस्तर काजू कतली' स्थानीय वनोपज

बस्तर की महिलाओं ने स्थानीय जैविक काजू और गुड़ को नया स्वरूप देकर स्वाद के साथ रोजगार और आत्मनिर्भरता की राह मजबूत की है। 'बस्तर काजू कतली' स्थानीय वनोपज के बेहतर उपयोग और महिला उद्यमिता का उदाहरण बनकर सामने आई है।

जगदलपुर। नव प्रदेश बस्तर की महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों ने स्थानीय वनोपज के मूल्य संवर्धन और नवाचार से उद्यमिता की प्रेरक मिसाल पेश की है। जिला यूनियन जगदलपुर (बस्तर वनमंडल) के अंतर्गत संचालित वन धन विकास केंद्र बकावंड के धारणी करीन स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने बस्तर के जैविक काजू और शुद्ध जैविक गुड़ से बिना शक्कर की स्वादिष्ट 'बस्तर काजू कतली' तैयार की है। समूह ने मुख्य वन संरक्षक कार्यालय जगदलपुर की चक्रीय निधि से ऋण लेकर बाजार दर पर कच्चे काजू की खरीदी शुरू की। इसके बाद काजू का प्रसंस्करण कर खुले बाजार में बिक्री से लाभ अर्जित किया। इसी सफलता से उत्साहित महिलाओं ने काजू के मूल्य संवर्धन की दिशा में कदम आगे बढ़ाते हुए काजू कतली तैयार की। आधा और एक किलोग्राम की आकर्षक पैकेजिंग में बाजार में उतारी गई इस मिठाई को उपभोक्ताओं का उत्साहजनक प्रतिसाद मिल रहा है। त्योहारी सीजन में संजीवनी आउटलेट से होगी उपलब्धता स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने सर्किट हाउस जगदलपुर में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप से सौजन्य भेंट कर उन्हें प्रथम चरण में तैयार 'बस्तर काजू कतली' भेंट की। महिलाओं ने बताया कि आगामी त्योहारी सीजन, विशेषकर बस्तर दशहरा और दीपावली के अवसर पर विभागीय आउटलेट 'संजीवनी' के माध्यम से इसकी पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने काजू कतली के स्वाद की सराहना करते हुए महिलाओं की सकारात्मक सोच, मेहनत और उद्यमशीलता की प्रशंसा की।

पखांजूर में बीएसएफ जवानों के साथ मना रक्षाबंधन, बहनों ने बांधी राखी

पखांजूर। नव प्रदेश रक्षाबंधन के पर्व पर पखांजूर स्थित सीमा सुरक्षा बल की 83वीं बटालियन के शिविर में भाई-बहन के स्नेह और अपनत्व का भावनात्मक दृश्य देखने को मिला। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था एवं मानवाधिकार संस्था की महिला सदस्यों ने शिविर पहुंचकर जवानों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। महिलाओं ने जवानों की कलाइयों पर राखी बांधकर उनके सुखद,स्वस्थ और सुरक्षित जीवन की कामना की। देश की सुरक्षा के लिए अपने परिवार से दूर रहकर संवेदनशील क्षेत्रों में कर्तव्य निभाने वाले जवानों के लिए यह आयोजन परिवार से मिलने वाले स्नेह जैसा रहा। आयोजन की खास बात यह रही कि महिला सदस्यों ने केवल पुरुष जवानों को ही नहीं, बल्कि सीमा सुरक्षा बल की महिला जवानों को भी राखी बांधी। इस दौरान भाई-बहन के आत्मीय रिश्ते और पारिवारिक अपनत्व की भावना दिखाई दी। रक्षाबंधन के अवसर पर जवानों ने भी बहनों की रक्षा और हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहने का संकल्प लिया। वहीं,बड़ी संख्या में जवानों ने महिला सदस्यों को फलों की टोकरियां भेंट कर अपना स्नेह और सम्मान प्रकट किया। पखांजूर के बीएसएफ शिविर में मनाया गया यह रक्षाबंधन केवल एक पर्व का आयोजन नहीं रहा,बल्कि देश की सुरक्षा में जुटे जवानों के प्रति सम्मान,कृतज्ञता और भावनात्मक जुड़ाव का संदेश भी दे गया।

रक्षाबंधन पर 80वीं बटालियन सीआरपीएफ में दिखा भाई-बहन के स्नेह का अनूठा रंग

- **जवानों की कलाइयों पर सजी राखियां, परिवार से दूर रह रहे जवान हुए भावुक**

जगदलपुर। नव प्रदेश। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर 80वीं बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल,जगदलपुर में भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और स्नेह का अनूठा रंग देखने को मिला। 27 अगस्त को आयोजित विशेष कार्यक्रम में जगदलपुर इनर व्हील क्लब की महिलाओं ने बटालियन के अधिकारियों और जवानों को राखी बांधकर उनके सुखी,स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। देश की सुरक्षा के लिए अपने परिवार से दूर रहकर कर्तव्य निभा रहे जवानों के लिए यह अवसर भावनात्मक रूप से खास रहा। बहनों द्वारा राखी बांधे जाने से जवानों को परिवार और अपनेपन का एहसास हुआ।

कार्यक्रम ने सीआरपीएफ और समाज के बीच आपसी विश्वास,सम्मान एवं भाईचारे की भावना को भी मजबूत किया।

राखी की डोर ने वर्दीधारी जवानों और समाज के बीच स्नेह का रिश्ता जोड़ा। इनर व्हील क्लब की महिलाओं ने जवानों की कलाइयों पर राखी बांधकर देश सेवा में उनके योगदान को सम्मान दिया। परिवार से दूर तैनात जवानों के लिए यह पल अपनत्व और भावनाओं से भरा रहा। आयोजन ने रक्षाबंधन के पर्व को सामाजिक सौहार्द और भाईचारे के संदेश से भी जोड़ दिया।

80वीं बटालियन के कमांडेंट अपूर्व ने कार्यक्रम में शामिल सभी कर्मियों एवं इनर व्हील क्लब की महिलाओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन जवानों और समाज के बीच आत्मीय संबंधों को मजबूत करते हैं। उन्होंने इस अटूट रिश्ते और आपसी सहयोग को आगे भी जारी रखने का आग्रह किया।

खाली लौटने वाली मालगाड़ियों में अब माल लदान का मिलेगा अवसर, रेलवे को मिलेगा राजस्व

बिलासपुर/नवप्रदेश। भारतीय रेलवे द्वारा मालगाड़ियों की उपलब्ध क्षमता का अधिकतम उपयोग करने तथा माल परिवहन को अधिक किफायती और सुगम बनाने के उद्देश्य से परंपरागत खाली प्रवाह दिशा योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत उन दिशाओं में माल लदान को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जहां मालगाड़ियां माल उतारने के बाद सामान्यतः खाली लौटती हैं। इस पहल से खाली लौटने वाली मालगाड़ियों की क्षमता का बेहतर उपयोग होगा और ग्राहकों को रियायती माल भाड़े पर अपने उत्पादों को रेल के माध्यम से विभिन्न स्थानों तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। साथ ही, इससे भारतीय रेलवे को अतिरिक्त माल यातायात प्राप्त करने में मदद मिलेगी। 01 अगस्त 2026 से लागू हैं संशोधित प्रावधान परंपरागत खाली प्रवाह दिशा में माल लदान के लिए सरलीकृत स्वचालित माल भाड़ा छूट योजना जो कि पहले से लागू है के संशोधित प्रावधान 01 अगस्त 2026 से 31 जुलाई 2027 तक प्रभावी रहेंगे। अधिसूचित खाली प्रवाह दिशाओं में पात्र माल के लदान पर सामान्य माल भाड़े में 15 से 20 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जाएगी।

यह छूट निर्धारित पात्रता एवं अन्य शर्तों के अनुसार लागू होगी।क्या है परंपरागत खाली प्रवाह दिशा योजना भारतीय रेलवे के कई मार्गों पर मालगाड़ियां एक दिशा में माल लेकर जाती हैं और माल उतारने के बाद दूसरी दिशा में खाली लौटती हैं। योजना का उद्देश्य ऐसी खाली वापसी यात्रा में उपलब्ध क्षमता का उपयोग माल ढुलाई के लिए करना है। अर्थात, जिस दिशा में मालगाड़ी सामान्यतः खाली लौटती है, उस दिशा में पात्र माल लदान करने वाले ग्राहक को कम माल भाड़े का लाभ मिल सकता है।

योजना की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाली पात्र माल खेप पर माल भाड़े में छूट रेलवे की व्यवस्था के माध्यम से स्वतः लागू होगी। इसके लिए ग्राहक को प्रत्येक पात्र खेप के लिए अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। छूट केवल रेलवे द्वारा निर्धारित एवं अधिसूचित खाली प्रवाह दिशाओं में पात्र माल पर लागू होगी। संबंधित दिशा, माल की पात्रता, छूट की दर तथा अन्य शर्तें निर्धारित रेलवे प्रावधानों के अनुसार होंगी। यह योजना उद्योगों, व्यापारियों और अन्य माल ग्राहकों के लिए अपने उत्पादों को कम लागत में दूर-दराज के क्षेत्रों और नए बाजारों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करेगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा माल ग्राहकों को प्रोत्साहन

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा भारतीय रेलवे की इस पहल के तहत वर्तमान एवं संभावित माल ग्राहकों को योजना की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही, ऐसी दिशाओं में नए माल यातायात की संभावनाओं की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जहां मालगाड़ियां सामान्यतः खाली लौटती हैं। यह पहल खाली लौटने वाली मालगाड़ियों का बेहतर उपयोग, माल परिवहन की लागत में कमी, रेल संसाधनों का अधिकतम उपयोग, नए बाजारों तक उत्पादों की पहुंच तथा व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सरल शब्दों में, जो मालगाड़ी एक दिशा में माल पहुंचाने के बाद दूसरी दिशा में खाली लौटती थी, उसी वापसी यात्रा में अब पात्र माल को रियायती दर पर ले जाने का अवसर मिलेगा। इससे रेलवे और माल ग्राहकों के साथ-साथ व्यापक रूप से व्यापार तथा उपभोक्ताओं को भी लाभ मिलने की संभावना है।

न्यूज गैलरी

श्री सिद्ध बाबा आश्रम बेलगहना में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

बिलासपुर/नवप्रदेश। करगीरोड कोटा क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक एवं आस्था के केंद्र श्री सिद्ध बाबा अद्वैत परमहंस आश्रम, बेलगहना तथा इससे जुड़े आश्रमों में जिसमें प्रमुख रूप से मां नर्मदा आश्रम उपका, भुलकेश्वर आश्रम धौराभाठा बिल्हा, सोनसाय नवागांव आश्रम, हनुमानगढ़ आश्रम कुरुवार, श्री सिद्ध बाबा आश्रम विचारपुर लोरमी, नाटेश्वर आश्रम बस्तीबगरा, गणेशपुरी कारीआम आश्रम, मानस तीर्थ सोनकुंड, बकुलमुनी आश्रम महगा (आमाडाड) म.प्र. शामिल है। पूरे श्रावण मास से चल रहे अखंड रुद्राभिषेक कार्यक्रम का गुरुवार को विधि-विधान से पूर्णाहुति के साथ समापन हुआ। सुबह से ही आश्रम परिसर में विशेष पूजन-अनुष्ठान शुरू हो गए थे। आचार्यों द्वारा रुद्राष्टाध्यायी एवं रुद्री पाठ के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक और विशेष श्रृंगार किया गया। पूज्य श्री श्री 108 श्री स्वामी शिवानंद जी महाराज के सानिध्य में विश्व शांति, सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना के साथ मुख्य हवन कुंड में पूर्णाहुति दी गई। इस दौरान पूरा पहाड़ी क्षेत्र हर-हर महादेव और ? नमः शिवाय के जयकारों से गूंज उठा। पूज्य स्वामी जी के पावन सानिध्य में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में अंतिम आहुति देने और भगवान शिव का आशीर्वाद लेने के लिए बिलासपुर सहित आसपास के जिलों तथा देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। पारद शिवलिंग के दर्शन को उमड़ी भीड़ सिद्ध बाबा आश्रम में स्थापित अद्वितीय पारद शिवलिंग श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र है। श्रावण मास में इसके दर्शन एवं अभिषेक का विशेष महत्व माना जाता है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों ने पारद शिवलिंग के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर स्वामी जी ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है। परमात्मा की भक्ति और सद्गुरु द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने से ही मनुष्य को वास्तविक शांति और संतोष प्राप्त हो सकता है। पूर्णाहुति के बाद आश्रम समिति की ओर से विशाल महाप्रसाद एवं भंडारे का आयोजन किया गया। बिलासपुर सहित आसपास के जिलों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में संगीत साधकों ने भक्ति संगीत की प्रस्तुतियां दीं, जिससे श्रद्धालु और श्रोता भाव-विभोर हो गए। धार्मिक आयोजन के दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी सेवा प्रदान की गई। प्रथम हॉस्पिटल बिलासपुर द्वारा लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराई गई। श्री सिद्ध बाबा आश्रम के इस धार्मिक आयोजन में छत्तीसगढ़ के अलावा महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु पहुंचे।

रक्षाबंधन पर तोखन साहू की कलाई राखियों से सजी

बहनों का स्नेह और आशीर्वाद उनके लिए सबसे बड़ी ताकत

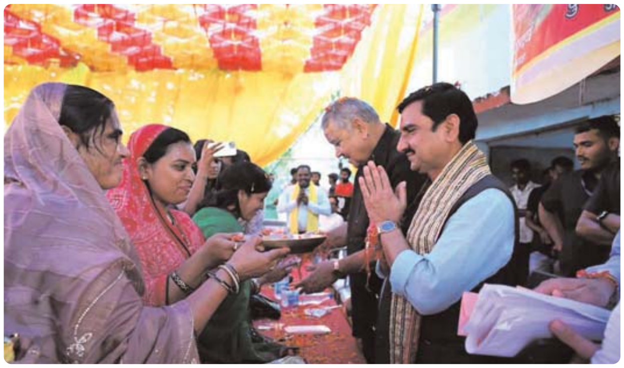

बिलासपुर/नवप्रदेश। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर केंद्रीय राज्य मंत्री एवं बिलासपुर सांसद तोखन साहू की कलाई पर सुबह से ही बहनों के स्नेह की राखियां सजने लगीं। नेहरू चौक स्थित निवास से शुरू हुआ यह आत्मीय सिलसिला दिनभर चलता रहा। बिलासपुर, तखतपुर एवं मुंगेली में विभिन्न कार्यक्रमों में बहनों ने स्नेहपूर्वक राखी बांधकर श्री साहू को आशीर्वाद दिया। ग्राम बेलपान, विधानसभा तखतपुर में आयोजित रक्षाबंधन महोत्सव में भाजपा संगठन की बहनों ने तोखन साहू को राखी बांधी। इस अवसर पर श्री साहू ने कहा कि बहनों का स्नेह और आशीर्वाद उनके लिए सबसे बड़ी ताकत है। संगठन भी परिवार की तरह है, जहां प्रेम, विश्वास और अपनत्व सेवा के संकल्प को और मजबूत करता है।रक्षाबंधन के अवसर पर श्री साहू ने धर्मपत्नी श्रीमती लीलावती साहू के साथ बिलासपुर के टेलीफोन एक्सचेंज रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज राजयोग भवन पहुंचकर ब्रह्माकुमारी बहनों से आत्मीय भेंट की। बहनों ने रक्षा सूत्र बांधकर उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। वहीं, गृह ग्राम डिंडोरी, जिला मुंगेली में परिवार की बहनों ने प्रेम और स्नेह से राखी बांधी। इस अवसर पर श्री साहू ने कहा कि भाई-बहन का रिश्ता जीवन के सबसे आत्मीय रिश्तों में से एक है। राखी के इन धागों में स्नेह, विश्वास, अपनापन और बचपन की सुंदर स्मृतियां जुड़ी होती हैं। तोखन साहू ने कहा कि रक्षाबंधन पर बहनों से मिला यह स्नेह और आशीर्वाद उनके लिए अनमोल है और उन्हें निरंतर जनसेवा एवं समर्पण के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।उन्होंने प्रदेश की सभी बहनों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख, समृद्धि, सम्मान एवं खुशहाल जीवन की कामना की।

हाईकोर्ट ने प्रदेश के 20 जिला न्यायालय में कोर्ट मैनेजर नियुक्त किए

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा के सेवानिवृत्त होने के पर्वू रजिस्ट्रार जनरल ने 20 कोर्ट मैनेजर एवं अकास्मिकता निधि से वेतन पाने वाले कर्मचारियों की नियुक्ति आदेश जारी किया है। रिक्त पदों के लिए कुछ माह पूर्व आवेदन आमंत्रित कर परीक्षा आयोजित किया गया था। इस संबंध में हाईकोर्ट वेब साइट में नियुक्ति आदेश जारी किया गया है। सभी नियुक्तियां 3 वर्ष की परिवीक्षा अवधि के अधिन है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कोर्ट मैनेजर, अकास्मिकता निधि से वतन पाने वाले कर्मचारी के रिक्त पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया था।आवेदनों की जांच उपरांत पात्र उम्मीदवारों की परीक्षा आयोजित किया गया।इसमें सफल होने वाले उम्मीदवारों की चयन सूची जारी की गई। भर्ती प्रक्रिया पूरा होने के बाद छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के रजिस्टार जनरल रजनीश श्रीवास्तव ने 25 अगस्त को नियुक्ति आदेश जारी किया है। जारी आदेश में हाईकोर्ट स्थापना पर कोर्ट मैनेजर के पद में अंकित कुमार झा को हाईकोर्ट में पदस्थ किया गया है। इसके साथ ही उदयन दुबे को दुर्ग जिला न्यायालय, संयोगिता सिंह को कमर्शियल कोर्ट रायपुर, रमाकांत पटेल को अंबिकापुर जिला कोर्ट, विरज कुमार देवांगन को कोरबा जिला कोर्ट, राहूल वर्मा को कोरिया जिला कोर्ट, अभिजीत रथ को महासमुंद जिला कोर्ट, प्रवीण कुमार को रामानुजगंज जिला कोर्ट, आशुतोष कुमार को बेमेतरा जिला कोर्ट, निधि नागवंशी को बिलासपुर जिला कोर्ट, रिचा पाठक को धमतरी जिला कोर्ट, विजय कुमार साहू को कवर्धा जिला कोर्ट, मनोज कुमार सिंह को रायपुर जिला कोर्ट, प्रतिभा लकड़ा को कांकेर जिला कोर्ट, बाम्पी दुबे को राजनांदगांव जिला कोर्ट, कोमल भोई को जगदलपुर जिला कोर्ट, शैलेन्द्र सिंह भास्कर को दंतेवाड़ा जिला कोर्ट, कमलेश कुमार गोरकर को कोंडागांव जिला कोर्ट, देवेंद्र भगत को सूरजपुर जिला कोर्ट एवं गोपाल सिंह नेताम को जशपुर जिला कोर्ट में कोर्ट मैनेजर के पद में पदस्थ किया गया है।

बिलासपुर रेलवे मंडल ने 277 मामलों में 1.79 लाख का जुर्माना वसूला

- **बिना टिकट यात्रा के विरुद्ध स्टेशन में चला 'नाका टिकट चेकिंग अभियान**

बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा टिकटधारी यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने, यात्रियों में वैध टिकट लेकर यात्रा करने के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से निरंतर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 27 अगस्त 2026 को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन में मंडल के बिलासपुर स्टेशन तथा रायगढ़-बिलासपुर-भाटापारा सेक्शन में सघन नाका टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें वाणिज्य निरीक्षक, मुख्य टिकट निरीक्षक एवं टीटीई स्टाफ शामिल थे। इस अभियान के दौरान बिलासपुर स्टेशन एवं यहाँ से गुजरने वाली 21 ट्रेनों की सघन जांच कर कुल 277 मामलों से कुल 1,79,260 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

जिसमें बिना टिकट यात्रा के 202 मामलों से 01 लाख 55 हजार 875 रुपये, अनियमित टिकट के 26 मामलों से 18 हजार 235 रुपये तथा बिना बुक किए गए लगेज के 49 मामलों से 05 हजार 150 रुपये का जुर्माना शामिल है । रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व उचित यात्रा टिकट अवश्य लें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश हेतु प्लेटफॉर्म टिकट खरीदें। साथ ही रेलगाड़ी एवं रेलवे परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें तथा गंदगी फैलाने एवं धूम्रपान जैसी गतिविधियों से बचें। रेलवे राष्ट्र की महत्वपूर्ण सार्वजनिक संपत्ति है, इसकी सुरक्षा एवं स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

खेल, प्रकृति और राष्ट्रसेवा के संकल्प से मनाया रक्षाबंधन

डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय में रक्षाबंधन पर्व को देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण के रूप में मनाया

बिलासपुर/नवप्रदेश। डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय में रक्षाबंधन पर्व को देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण और खेल भावना के संदेश के साथ विशेष रूप से मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'खेलो इंडिया' संवाद का सामूहिक रूप से श्रवण किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार घोष, कुलसचिव डॉ. अरविंद कुमार तिवारी सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक, विद्यार्थी, खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के संदेश में खेलों के माध्यम से युवाओं को आगे बढ़ने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और देश के विकास में सक्रिय योगदान देने की प्रेरणा दी गई। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और खिलाड़ियों ने खेलों के प्रति उत्साह के साथ प्रधानमंत्री के विचारों को सुना। विश्वविद्यालय परिवार ने खेलों को केवल प्रतियोगिता का माध्यम न मानकर व्यक्तित्व विकास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बताया। रक्षाबंधन के अवसर पर विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों ने इस पर्व को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए परिसर में पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधा। पेड़ों को राखी बांधकर उनकी सुरक्षा और संवर्धन का संकल्प लिया गया। प्राध्यापकों ने कहा कि जिस तरह रक्षाबंधन पर हम अपने प्रियजनों की रक्षा का संकल्प लेते हैं, उसी भावना के साथ प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करना भी हमारा दायित्व है। पेड़ जीवन के आधार हैं और इनके संरक्षण के बिना स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती। इसी क्रम में देश की सुरक्षा में निरंतर समर्पित सीआरपीएफ भरनी, बिलासपुर के जवानों के लिए विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा राखियां भेजी गईं। जवानों के लिए भेजी गई राखियों के माध्यम से उनके प्रति सम्मान, भाईचारे और आत्मीयता की भावना व्यक्त की गई। प्राध्यापकों ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए जवान अपने परिवारों से दूर रहकर कठिन परिस्थितियों में कर्तव्य निभाते हैं। ऐसे में रक्षाबंधन पर उनके लिए राखी भेजना उनके त्याग और समर्पण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक भावनात्मक प्रयास है। विश्वविद्यालय में आयोजित इन गतिविधियों ने रक्षाबंधन के पर्व को व्यापक सामाजिक सरोकारों से जोड़ दिया। 'खेलो इंडिया' से युवाओं को खेल और स्वास्थ्य का संदेश, पेड़ों को राखी बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प तथा सीआरपीएफ जवानों को राखी भेजकर राष्ट्रसेवा के प्रति सम्मान–इन तीनों पहल ने रक्षाबंधन के मूल भाव 'सुरक्षा और संरक्षण' को सार्थक रूप प्रदान किया।

आयोजन : हाउजी गेम ने किया भरपूर मनोरंजन, डॉ. दीपा जैसवानी को सावन सुंदरी-2026 का सम्मान

लायंस क्लब का सावन महोत्सव, परिवार सहित शामिल हुए सदस्य

बिलासपुर/नवप्रदेश। लायंस क्लब द्वारा होटल इंटरसिटी इंटरनेशनल, में सावन महोत्सव एवं सामान्य सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब के लगभग 65 सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पूरे आयोजन में सावन की हरियाली, पारंपरिक संस्कृति, मनोरंजन एवं आपसी सौहार्द का सुंदर समागम देखने को मिला। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष हरदीप सिंह सलूजा ने की। इस अवसर पर विभिन्न मनोरंजक खेलों, प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी सदस्यों एवं परिवारजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विशेष आकर्षण के रूप में आयोजित हाउजी गेम ने सभी का भरपूर मनोरंजन किया। सावन उत्सव के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में डॉ. दीपा जैसवानी को 'सावन सुंदरी 2026' तथा लायन उमेश मुरारका को 'सावन सम्राट 2026' के सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित सदस्यों में अध्यक्ष हरदीप सिंह सलूजा, सचिव मनीष चंदेल, कोषाध्यक्ष रौनक अग्रवाल, रीजन चेयरपर्सन शैलेश वाजपेयी जोन चेयरपर्सन डॉ. हर्ष पाण्डेय , दिलीप भंडारी, सीए दिनेश अग्रवाल, किशन बुधिया, अनिल अग्रवाल, सीए विनोद मित्तल, प्रकाश अग्रवाल, सुनील मारदा, सीए अजय पांडेय, मोहन होनप, विजय क्रांति तिवारी, अरविंद दीक्षित, राकेश पाण्डेय, सुभाष अग्रवाल, एल. जैन, हरभजन सिंह गंभीर, सुरेन्द्र सिंह छाबड़ा, गुरदीप सिंह आजमानी, अमरजीत सिंह दुआ, परमजीत सिंह सलूजा, महेन्द्र सिंह छाबड़ा, रमेश अग्रवाल, डॉ. राजेश दुबे, लायन देवेन्द्र टुटेजा, नरेन्द्र पाल गांधी, इत्तिफाक सागरी, महेंद्र सिंह गंभीर, अरुण शुक्ला, डॉ. प्रदीप शुक्ला, उमेश मुरारका, लायन नरेश लिखमनिया, विमल केडिया, लायन श्रीकांत सहारे, एन.के. भंडारी, अनिल जैसवानी, अभिषेक कौशिक, इन्द्रजीत सिंह, आर.के. अग्रवाल एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे। सामान्य सभा में क्लब की आगामी गतिविधियों एवं सेवा परियोजनाओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई। सांथ ही आगामी सेवा कार्यों एवं सामाजिक दायित्वों को प्रभावी ढंग से संपादित करने हेतु सुझावों का आदान-प्रदान किया गया।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कौशिक को बहन अहिल्या ने बांधा रक्षासूत्र

बिलासपुर/नवप्रदेश। रक्षाबंधन के पवित्र एवं स्नेह के पर्व पर आज पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक जी के निज निवास परसदा में हर्षोल्लास के साथ त्यौहार मनाया गया। इस अवसर पर उनकी बहन श्रीमती अहिल्या कौशिक जी ने पूरे स्नेह और आत्मीयता के साथ धरम लाल कौशिक के हाथों पर राखी बांधकर उनके दीर्घायु, स्वस्थ जीवन एवं निरंतर जनसेवा में लगे रहने की मंगलकामना की। भाई-बहन के इस पावन मिलन ने सभी को भाव-विभोर कर दिया। इस अवसर पर परिवार के पुरोहित एवं पूज्यनीय शीतलेश शर्मा महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रक्षा सूत्र बांधकर अपना आशीर्वाद प्रदान किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की।

नवप्रदेश राजरंग...56

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ वाले भूल तो नहीं गए

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ वाले भूल तो नहीं गए सच्चिदानंद जोशी को...वही जोशी, जो कभी मध्य प्रदेश भाजपा के पितृ पुरूष कुशाभाऊ ठाकरे के नाम बने पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति रहे। मध्य प्रदेश वालों को भी याद ही होगा,

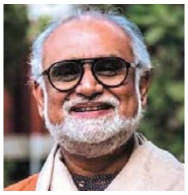

जोशी माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार रहे। वैसे तो उनके किस्से इसी विश्वविद्यालय के निदेशक रहे वरिष्ठ पत्रकार रामशरण जोशी ने अपनी आत्मकथा 'मैं बोनसाई अपने समय का' में तफसील से लिख चुके हैं। कभी हबीब तनवीर की जन नाट्य मंडली के कलाकार रहे सच्चिदानंद जोशी देखते ही देखते संघ परिवार के चहेते बन गए। वैसे भी संघ परिवार वालों को अपने कार्यकर्ता में ज्यादा गुण नजर नहीं आते। जैसे ही कोई वाममार्गी पद और धन की लालसा में उनके पास टेक्टफुली तरीके से आता है, उसके वे मुरीद बन जाते हैं। सच्चिदानंद भी वैसे ही हैं। लिहाजा गांधी-नेहरू परिवार के सपनों के संस्थान 'इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कलाकेंद्र, दिल्ली' के सदस्य सचिव बना दिए गए। वे संघ परिवार की आंख के कैसे तारे हैं कि उन्हें लगातार दो-दो कार्यकाल मिल चुका है। इस संस्थान के अध्यक्ष हैं संघ परिवार के चहेते रामबहादुर राय। कभी आडवाणी के नजदीकी रहे राय शूरू के दिनों में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने की खबरों तक का विरोध करते थे, लेकिन अब मोदी के मुरीद हो चुके हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश के भूमिहार राय साहब की दिल्ली में मोदी के नजदीकी के रूप में ख्याति है। जेपी आंदोलन के सेनानी के रूप में अपनी ईमानदारी और नैतिकता के अलंबरदार रहे जोशी अब तो हर मंच पर सिर्फमोदी गान ही करते हैं। तो इन्हीं की सरपरस्ती में काम कर रहे सच्चिदानंद जोशी पर भ्रष्टाचार के आरोप बक्सर के राष्ट्रीय जनता दल के तेजतर्रार सांसद सुधाकर सिंह ने लगाते हुए प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी है। उनके खिलाफप्रधानमंत्री को चिट्ठी उत्तर प्रदेश के दिलदार नगर से समाजवादी पार्टी के तेजतर्रार विधायक ओमप्रकाश सिंह ने भी लिखी है। हैरत की बात यह है कि उनकी नियुक्ति के खिलाफराष्ट्रपति को चिट्ठी आम आदमी पार्टी के नेता रहे जेएनयू के प्रोफेसर आनंद कुमार ने भी लिखी है। आश्चर्य इसलिए कि राम बहादुर राय और आनंद कुमार बेहद नजदीकी हैं। दोनों पूर्वी उत्तर प्रदेश के भूमिहार भी हैं। सबने जोशी के कुशाभाऊ ठाकरे विश्वविद्यालय का कुलपति रहते किए गए भ्रष्टाचारों की लंबी फेहरिश्त मोदी को भेजी है। सबने सवाल उठाया है कि जिस पर छत्तीसगढ़ के लोकायुक्त सवाल उठा चुके हैं, उसे ऐसी नियुक्ति कैसे दी जा सकती है। सबका आरोप है कि जोशी ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कलाकेंद्र में भी जमकर लूटपाट की है। वैसे दबी जुबान से यहां भी कहा जाता है कि जोशी के दो चेले हैं, जिनके जरिए वे खेल करते हैं, एक है अनिल पांडे, जो खुद को संघ का कार्यकर्ता कहता है और दूसरा है अनुराग पुनेठा, जिसे जोशी ने मीडिया निदेशक बना रखा है। वैसे जोशी की पत्नी मालविका जोशी के बिना तो दिल्ली स्थित कलाकेंद्र में हमेशा दिखती रहती हैं। अब देखना यह है कि मोदी उनके खिलाफकोई कदम उठाते हैं या नहीं। इंदिरा गांधी की सहेली पुपुल जयकर की सलाह पर लोक कलाओं के अध्ययन के लिए राजीव गांधी ने इस कलाकेंद्र को बनाया था। जिसकी पहली निदेशक जानी-मानी कलाविद् कपिला वात्स्यायन रहीं। यह केंद्र गांधी-नेहरू परिवार के दिल के करीब रहा है। लेकिन अभी तक वह चुप है। देर-सवेर राहुल-प्रियंका भी जोशी की भ्रष्ट गाथाओं का सवाल उठा सकते हैं। तब मामला तुर्शी पकड़ सकता है। देखना है कि इस परिवार की कब चुप्पी टूटती है।

कसीनो से सीखें कैसे रूक सकती है मंदिर में हेराफेरी

राममंदिर से कसीनो का कोई रिश्ता हो सकता है भला? कसीनो यानी जुआ खेलने-खिलाने की जगह..जहां लोग जुआ खेलते हैं, जीतते कम हैं, हारते ज्यादा है..सवाल यह है कि राम जी का मंदिर

आस्था का केंद्र है और जुआ बर्बादी का..लेकिन हाल ही में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में राममंदिर के संदर्भ में कसीनो का जिक्र हुआ..दरअसल बैठक हो रही थी कि राम मंदिर मंर भविष्य में चोरी ना हो..इसके लिए कौन से उपाय किए जाएं..बैठक सर्वोच्च स्तर पर हो रही थी..उसमें रिजर्व बैंक के एक पूर्व अधिकारी भी मौजूद थे..देश के सबसे ताकतवर बैंक में हेराफेरी कैसे रूकती है..इसे लेकर उनकी राय और विशेषज्ञता की जानकारी मांगी गई थी..उन्होंने जो सुझाव देना था, वह दिया। लेकिन चलते-चलते उन्हें एक और सुझाव दे डाला कि चोरी रोकने के लिए कसीनों वालों से पूछना चाहिए कि आखिर वे कौन-सा उपाय करते हैं। उनका सुझाव सुन उच्च स्तरीय बैठक में मौजूद सभी बड़े लोग चौंक पड़े। रिजर्व बैंक के पूर्व अधिकारी ने समझाया कि कसीनों में जुआ खेलने वाला चाहे जितनी रकम हार जाए..लेकिन कसीनो चलाने वाले के यहां कभी-भी हेराफेरी नहीं होती। उनकी स्पेशियलिटी चोरी और हेराफेरी रोकने में है। अब आप यह मत पूछिएगा कि बैठक किसने बुलाई थी, बस इतना बता सकते हैं कि बैठक सर्वोच्च स्तर की थी। यह भी मत पूछिएगा कि रिजर्व बैंक के वे पूर्व अफसर कौन थे, जिन्होंने कसीनो से सीखने का सुझाव दिया। बस इतना जान लीजिए कि रिजर्व बैंक जाने से से पहले भी वे महत्वपूर्ण व्यक्ति थे।

काले कोट के समर्थन से दूर बीजेपी

जरूरी नहीं कि जनता के वोट से जीतकर सत्ता हासिल करने वाली पार्टी के वकील या पत्रकार को उनके संगठन के चुनाव में भी जीत मिल जाए। भले ही उस पार्टी की कितनी ही लोकप्रियता क्यों ना हो। कुछ ऐसा ही हुआ है बीजेपी से जुड़े वकीलों के संगठन के साथ। भारतीय अधिवक्ता परिषद के उम्मीदवार और बीजेपी के प्रवक्ता गौरव

भाटिया तमाम जोर लगाने और सत्ता का सहयोग हासिल करने के बावजूद सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन में महज 370 वोट ही हासिल कर पाए। जबकि वे रोजाना टीवी पर बीजेपी का पक्ष रखते हैं, संघ का बचाव करते हैं। 822 वोटों के साथ जीत हासिल करने वाले प्रदीप राय वैसे तो घोषित तौर पर किसी पार्टी के सदस्य नहीं हैं, लेकिन एक दौर में समाजवादी पार्टी के ताकतवर महासचिव रहे अमर सिंह से उनकी नजदीकी रही। अब भी वे समाजवादी पार्टी के ही ज्यादा करीब माने जाते हैं। यह बात और है कि वे जिस बिरादरी से आते हैं, हर पार्टियों में स्थित हर बिरादरी के ताकतवर नेताओं से उनका सद्भावपूर्ण संपर्क है। हालांकि इसके ठीक उलट कोलकाता में हुआ है। पश्चिम बंगाल बार काउंसिल के चुनाव में मई में करारी हार झेल चुकी तृणमूल कांग्रेस के वकीलों के संगठन को 15 सीटों पर जीत मिली है, जबकि धूम-धड़ाके के साथ विधानसभा पहुंची बीजेपी के महज तीन सदस्य ही जीत सके हैं। पश्चिम बंगाल बार काउंसिल के 23 सीटों के लिए चुनाव हुआ था। रही बात गौरव भाटिया की तो वे दूसरे स्थान पर भी नहीं रहे। सबसे बड़ी बात प्रदीप की जीत के बाद हुई। जीते हुए नेताओं को तो बीजेपी इन दिनों खुलेदिल से स्वागत कर ही रही है, प्रदीप को भी कुछ उसी अंदाज में अपना बनाने की बीजेपी की ओर से कोशिश हुई। जीत के बाद प्रदीप से देश के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने संपर्क किया और उन्हें संदेश दिया कि बीजेपी की ओर से एक लिखित बयाननुमा संदेश आएगा, उस पर प्रदीप राय हस्ताक्षर भर कर दें। लेकिन प्रदीप ने ऐसा करने से साफमना कर दिया। प्रदीप के साथ तुषार मेहता की हुई इस बातचीत को चटखारे लेकर दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के वकीलों के चैंबरों में खूब सुना-सुनाया जा रहा है।

पूर्व नौकरशाह मंत्री पड़े सियासी मंत्री पर भारी

मोदी मंत्रिमंडल में पूर्व अफसरों की बहार है.. उनमें कुछ काबिल भी हैं और कुछ, आप समझ जाइए कि वे क्या हैं। तो ऐसे ही एक पूर्व अफसर और मौजूदा मंत्री की ख्वाहिश है अपने राज्य का मुख्यमंत्री बनना। राजनीति ही क्यों, किसी भी पेशे में महत्वाकांक्षा होनी कोई बुरी बात नहीं। लेकिन एक बिंदु पर राजनीति दूसरे प्रोफेशनों से अलग हो जाती है। राजनीति में अपने प्रतिद्वंद्वी और प्रतियोगी, दोनों को किसी न किसी बहाने पटखनी देने की कोशिश जरूर होती है। आपने ठीक समझा। अभी कुछ दिनों पहले की बात है। उनके ही एक राज्य के कद्दावर नेता और मंत्री के कारिंदों और सहयोगियों को अचानक चलता कर दिया गया। दिलचस्प यह है कि मंत्री जी को पता ही नहीं चला कि आखिर उनके सहयोगी क्यों हटाए गए और वह भी सीधे सर्वोच्च कमान के आदेश से। अब जाकर पता चल रहा है कि वे मंत्री महोदय जिस राज्य में स्थायी निवासी के तौर पर रहते हैं, सत्ता के गलियारों में चर्चा है कि उस राज्य के एक प्रोजेक्ट को नियमों के धत्ता बताते हुए मंजूरी देना-दिलवाना उनके ही सहयोगियों और कारिंदों की कारगुजारी थी। इसकी जानकारी पूर्व अफसर और अब के मंत्री ने आलाकमान तक मिर्च-मसाला लगाकर पहुंचाई। इसके बाद सितारे की तरह चमक रहे मंत्री जी का आभामंडल धुंधला पड़ गया। सत्ता के गलियारों में यह भी कहा जा रहा है कि सितारे की तरह दिख रहे मंत्री जी के आभामंडल को धुंधला करके पूर्व अफसरशाह ने एक तरह से राज्य की राजनीति में ताकतवर बनने की उनकी राह में रोड़ा बिछा दिया है। अब रोड़ा बिछेगा तो फायदा तो उन्हें ही मिलेगा, आखिर आलाकमान से उनकी नजदीकी जो है। आप बूझते रहिए कि पूर्व अफसरशाह और मौजूदा मंत्री कौन हैं और कौन हैं, उनके निशाने पर आए मंत्री जी।

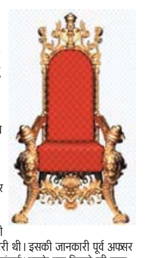

योगी को खुली छूट

बीते लोकसभा चुनावों के दौरान उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ पूरी छूट चाहते थे। वे करीब तीस सांसदों का टिकट बदलना चाहते थे, लेकिन अमित शाह के सामने उनकी एक न चली। उत्तर प्रदेश के मूल निवासी एक टीवी पत्रकार की खूब चली। उन्होंने अपने रिश्तों के चलते कई टिकट दिलवाने में कामयाब रहे। यह बात और है कि वे सभी खेत रहे। कुछ ऐसा ही हाल मनोज सिन्हा के सुझाव पर चुने उम्मीदवारों का भी रहा। योगी आदित्यनाथ की जो आशंका थी, नतीजे वैसे ही आए। पार्टी 73 सीटों से घटकर 36 सीटों पर सिमट गई, यानी सीधे 37 सीटों का नुकसान। उत्तर प्रदेश से लोकसभा में नंबर वन समाजवादी पार्टी है, जिसके 37 सांसद हैं। इस बीच जेन जी का आंदोलन आ गया। इस आंदोलन की सफलता से बीजेपी और संघ में भारी घबराहट है। संघ और बीजेपी के नेताओं को हर तरफजेन जी का भूत दिख रहा है। इसका फायदा योगी आदित्यनाथ को मिलता नजर आ रहा है। बीजेपी के उच्चपदस्थ राजनीतिक सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अगले साल की शुरुआत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के लिए पूरी छूट मिल गई है। राज्य बीजेपी में जारी खींचतान को रोकने और तमाम गुटों को साथ लाने में संघ ने अहम भूमिका निभाई है। इसका मतलब साफहै कि योगी की मर्जी से उम्मीदवार चुने जाएंगे, गठबंधन के सहयोगियों से सीट बंटवारे में भी उनकी राय मानी जाएगी। इसके बाद अगर बीजेपी तीसरी बार राज्य की सत्ता पर काबिज होने में कामयाब रही तो तय मानिए, योगी का कद और बढ़ जाएगा। और खुदा न खास्ता नाकामी मिली तो यह भी तय है कि ठीकरा उनके ही सिर फूटेगा। लिहाजा योगी को कौशल दिखाना ही होगा।

राजदार

नेताओं की ग्रह दशा खराब चल रही

छत्तीसगढ़ के नेताओं और मंत्रियों की ग्रह दशा इन दिनों खराब चल रही है। भाजपा की दो दिवसीय बैठक में प्रभारी मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा की गई तो कई मंत्रियों के बारे में जिला भाजपा अध्यक्षों ने भाजपा के संगठन मंत्री अजय जामवाल और

पवन साय के सामने उनकी पोल खोल दी कि वे अपने प्रभार वाले जिलों में कभी कभार ही भये प्रकट कृपाला की दर्ज पर आते हैं संगठन के लोगों को दर्शन दिए बिना अंतर्ध्यान हो जाते हैं। मंत्री टंकराम वर्मा जिनके पास तीन जिलों का प्रभार है को ज्यादा ही खरी खोटी सुननी पड़ी। संगठन प्रभारियों ने उनका प्रभार बदलने तक की बात कह दी थी। अब ये बेचारे मंत्री क्या कहते कि इन दिनों उनकी ग्रह दशा खराब चल रही है। इस वजह से वे सड़क मार्ग से दौरा करने से बच रहे हैं। सही बात है। मंत्री हो या संत्री डर सबको लगता है भई। भाड़ में गई ऐसी जीत जो डर के आगे होती है। जान है तो जहान है। गौरतलब है कि हाल ही में वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, महिला व बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, कृषि मंत्री राम विचार नेताम तथा एक अन्य मंत्री दयाल दास बघेल का काफिला सड़क दुर्घटना की चपेट में आ गया था। तभी से अन्य मंत्रियों की धुकधुकी बंधी हुई है। पता नहीं किन दुश्मनों की उन्हें बुरी नजर लगी हुई। लगता है ट्रकों की तरह मंत्रियों की गाड़ी में भी मोटे मोटे अक्षरों में यह लिखवाना पड़ेगा कि - बुरी नजर वाले तेरा मुंह काला।

नींबू वाले बाबा के पास हर समस्या का समाधान

प्रदेश में नींबू वाले बाबा के रूप में चर्चित कांकेर लोकसभा सीट से निर्वाचित सांसद भोजराज नाग के पास हर समस्या का समाधान रहता है। नींबू काटकर ओम् फट.. करते हैं और संकट टल जाता है। पूर्व में अधिकारियों को सबक सिखाने के लिए उनके नाम का नींबू काटने की चेतावनी दे चुके उक्त नींबू वाले बाबा ने दावा किया है कि डौंडी लोहारा मे आयोजित महतारी वंदन योजना के कार्यक्रम को सफल बनाने उन्होंने नींबू काटकर बारिश रूकवा दी थी इसलिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में उक्त कार्यक्रम सफल रहा। अब कांग्रेस नेताओं ने उनसे कहा है कि यदि वे इतने ही चमत्कारी महापुरुष हैं तो नींबू काटकर महंगाई को कम कर के दिखाएं। इस बारे में नींबू वाले बाबा ने कोई प्रतिक्रिया नहीं है। लगता हैं महंगाई डायन पर काबू पाने शायद लाखों नींबू की जरूरत पड़ेगी जिसका वे जुगाड़ नहीं कर पा रहे हैं।

अब साक्षर होने की भी परीक्षा होगी!

छत्तीसगढ़ को शत-प्रतिशत साक्षर बनाना है, इसलिए सितंबर में 'महापरीक्षा' होगी। यानी जिंदगी भर जिस आदमी ने महंगाई का हिसाब बिना कैलकुलेटर लगाया, राशन वाले का उधार याद रखा और चुनाव में नेता पहचान लिया, अब सरकार जांचेगी कि वह साक्षर है या नहीं। हर मोहल्ले में टीम बनेगी, पोर्टल पर नाम चढ़ेगा, ऐप चलेगा और प्रचार ऐसा होगा कि निरक्षर आदमी भी जान जाएगा कि वह निरक्षर है। विद्यार्थियों को दस लोगों को पास कराने पर दस बोनस अंक मिलेंगे। शिक्षा अब सेवा कम, लक्ष्य ज्यादा लगता है। बस डर इतना है कि कहीं शत-प्रतिशत साक्षरता हासिल करने की जल्दी में कागज ही इतना पढ़ा-लिखा न हो जाए कि आदमी पीछे छूट जाए।

प्रभारी कौन होगा?

मुख्यमंत्री दिल्ली गए, राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिले, छत्तीसगढ़ की बात हुई और लौटकर इतना बता दिया कि प्रदेश में कोई न कोई प्रभारी तो रहेगा ही। राजनीति में कई बार यही एक वाक्य पूरी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर भारी पड़ जाता है। अब भाजपा के नेता नाम खोजेंगे, कार्यकर्ता समीकरण और राजनीतिक पंडित संकेत। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पहले छत्तीसगढ़ के प्रभारी थे, अब कुर्सी बड़ी हो गई तो पुरानी कुर्सी खाली है। किसे मिलेगी, यह केंद्रीय नेतृत्व जाने। फिलहाल इतना तय है कि संगठन बिना प्रभारी के ज्यादा दिन नहीं रहेगा। रक्षाबंधन पर मुख्यमंत्री ने बहनों को शुभकामनाएं दीं, लेकिन प्रदेश भाजपा को अभी अपने नए 'संगठनात्मक रिश्तेदार' का इंतजार है। नाम दिल्ली तय करेगी, चर्चा रायपुर में चलती रहेगी।

अरहर की दाल में अब गांजा!

भानुप्रतापपुर में किसान ने खेती में ऐसा 'फसल विविधीकरण' किया कि कृषि विभाग भी नोट्स लेने लगे। ऊपर से अरहर, बीच में गांजा। मतलब खेत भी वही, मेड़ भी वही, बस आमदनी का गणित थोड़ा 'नारकोटिक' हो गया। आरोपी ने सोचा होगा अरहर के लंबे पौधों के बीच गांजा लोकतंत्र की तरह आराम से छिपा रहेगा, लेकिन पुलिस की नजर पड़ गई। चार लाख रुपये के पौधे जब्त हुए और किसान सीधे थाने की फसल बन गया। अब जांच होगी कि खेती कब से चल रही थी और ग्राहक कौन थे। गांव में लोग अरहर की दाल का भाव पूछते रह गए, इधर खेत में दूसरी ही 'कैश क्रॉप' तैयार थी। लगता है खेती में नवाचार हुआ, बस योजना गलत चुन ली।

फाइलें कचरे में, जवाबदेही छुट्टी पर!

बरमकेला जनपद कार्यालय की पुरानी मनरेगा शाखा देखकर लगता है कि यहां रिकॉर्ड प्रबंधन नहीं,

रिकॉर्ड विसर्जन योजना चल रही है। सरकारी दस्तावेज धूल और गंदगी में पड़े हैं, मिनी माता की तस्वीर भी सम्मान की जगह कचरे के बीच पहुंच गई। सवाल यह नहीं कि कमरा कब साफ होगा, सवाल यह है कि जिम्मेदारी किसकी है। फाइलें अगर बोल सकतीं तो शायद पूछतीं—हम पर योजनाएं चली थीं या झाड़ू? अधिकारी आते रहे, जाते रहे, कुर्सियां बदलती रहीं, लेकिन व्यवस्था वहीं पड़ी रही। सरकारी दफ्तर में कागज सुरक्षित नहीं, तस्वीरें सम्मानित नहीं और जवाबदेही दिखाई नहीं देती। अब जांच से पहले शायद कार्यालय को अपनी ही कार्यप्रणाली की 'सफाई' ज्यादा जरूरी है।

राखी बांधो, पैग पिलाओ

रक्षाबंधन पर अब भाई बहन की रक्षा का वचन दे या नहीं, बीयर कैफे ने इंतजाम पूरा कर दिया—एक पैग लो, दूसरा फ्री! बाजार ने रिश्तों को पहले गिफ्ट

पैक में बेचा, अब शायद ग्लास में परोसने की तैयारी है। राखी, मिठाई और नेग पुराने जमाने की बातें हुईं, नई परंपरा में 'चीयर्स भाई' भी जुड़ जाए तो हैरानी कैसी! सोशल मीडिया पर न्योता गया तो बवाल होना ही था। बजरंग दल ने विरोध और आंदोलन की चेतावनी दे दी। अब सवाल ऑफर का कम, मार्केटिंग की समझ का ज्यादा है। त्योहार भावनाओं का है, लेकिन कारोबारी दिमाग हर भावना में 'हैप्पी ऑवर' खोज लेता है। बस अगला ऑफर क्या होगा, यही देखना बाकी है।

मातृत्व भी अब लीव बैलेंस देखकर मिलेगा क्या?

हमारे दफ्तरों में इंसान बाद में आता है, नियमों की फाइल पहले। महिला गर्भवती है, मिसकैरेज हुआ,

डॉक्टर ने बेड रेस्ट कहा—लेकिन बाबू की नजर सीधे लीव बैलेंस पर गई। जैसे मातृत्व कोई मेडिकल और मानवीय परिस्थिति नहीं, छुट्टियों का एक्सेल शीट हो। हाईकोर्ट को आखिर यह याद दिलाना पड़ा कि मातृत्व लाभ महिला के स्वास्थ्य और सम्मान से जुड़ा अधिकार है, कोई ऑफिस बोनस नहीं। एफसीआई ने 68 दिन का वेतन रोका, 80 हजार से ज्यादा काट लिए, अब लौटाने पड़ेंगे। व्यवस्था की खासियत यही है—पहले कर्मचारी को नियम समझाओ, फिर अदालत संस्था को कानून समझाती है। अच्छा हुआ कोर्ट ने साफकर दिया, मां बनने के लिए 'पर्याप्त छुट्टी शेष' होना जरूरी नहीं।

कलेक्टर की विदाई पर जमकर बंटी मिठाई

हाल ही में हुए प्रशासनिक फेरबदल के दौरान जब एक जिले में पदस्थ कलेक्टर साहब को हटाया गया

तो उनकी विदाई की खुशी में एक शासकीय विभाग के अधिकारी ने मिठाई का लंगर ही करा दिया। सभी अधीनस्थ कर्मचारियों को मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया। यह अलग बात है कि गणेश जी के प्रसाद के नाम पर मिष्ठान वितरण कराया गया। कलेक्टर साहब की कार्य प्रणाली से एक विभाग के अधिकारी बहुत ज्यादा त्रस्त थे। इसलिए जब साहब बहादुर का जिले से बोरिया बिस्तर बंधा तो उनकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। अब खुशी में मिठाई तो बनती है न।

पुरूष वंदन योजना लागू करने की मांग

महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की लाखों महिलाओं को हर माह एक हजार रुपये दिए जाते है।

इसी तर्ज पर अब छत्तीसगढ़ में पुरुष वंदन योजना लागू करने की मांग होने लगी है। पीड़ित पुरुषों के मुताबिक लाखों पुरुषों का भी सशक्तिकरण आवश्यक है। आखिर वे भी वोट देते हैं और समानता के अधिकार के तहत वे भी हर माह एक हजार पाने के हकदार हैं। वैसे भी पुरुषों को जो सहायता राशि दी जाएगी उसकी नब्बे प्रतिशत राशि शराब दुकानों के गल्ले से गुजरते हुए वापस सरकारी खजाने में पहुंच जाएगी। मतलब तेरा तुझको अर्पण वाली बात हो जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित,
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर धोटे*, स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com